राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 47
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 01 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 दिल्ली में डीजल कारों से धुआं उत्सर्जन : न केवल पुरानी बल्कि खराब रखरखाव वाली कारों को समान रूप से दोषी ठहराया जाना चाहिए ! | पेज 5 एनडीआरएफ की नाव से उफनाई गंगा में उतरे सीएम योगी, बाढ़ का लिया जायजा | पेज 7 अस्पताल में जगह ना मिलने से गर्भवती भारतीय महिला की मौत, पुर्तगाल की स्वास्थ्य मंत्री ने दे दिया इस्तीफा

यूपी : 22 जगह इनकम टैक्स की रेड

लखनऊ, कानपुर समेत कई शहरों में सरकारी विभाग के अफसर-कर्मचारी, ठेकेदारों के ठिकानों पर छापा

बड़े नौकरशाह और बिल्डर के मोहरे हैं राजू और देशराज

पिछले दिनों उद्योग उपायुक्त राजेश यादव के यहां इनकम टैक्स की छापामारी हुई थी। जानकारी के मुताबिक, उद्योग उपायुक्त रहे राजेश यादव के लिए यहीं दोनों प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। पिछले 2 महीने से दोनों इनकम टैक्स विभाग के रडार पर चल रहे थे।

लखनऊ/कानपुर। यूपी में भ्रष्टाचार पर बड़ा एक्शन हुआ है। आयकर विभाग यानी IT ने लखनऊ, नोएडा और कानपुर समेत 22 जगहों पर छापेमारी की है। IT ने यूपी में उद्योग विभाग, उद्यमिता विकास संस्थान, उद्यमिता प्रशिक्षण संस्थान, PICON से जुड़े अफसरों और ठेकेदार पर छापेमारी की है। आयकर की रडार पर करीब 18 अधिकारी-कर्मचारी हैं। IT की टीमें इनके ठिकानों पर लैंड डील से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही हैं।

इस ऑपरेशन का नाम- बाबू साहब पार्ट-2

बुधवार सुबह करीब 5 बजे छापेमारी शुरू हुई। IT दिल्ली में भी एक जगह छापेमारी कर रही है। इस ऑपरेशन का नाम-बाबू साहब पार्ट-2 दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 18 जून को ऑपरेशन बाबू साहब पार्ट-1 के तहत कार्रवाई की गई थी। सरकारी संस्थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों पर टेंडर मैनेज कराने के आरोप हैं।

लखनऊ के विपुल खंड में डीपी सिंह के यहां छापा

लखनऊ के विपुल खंड में रहने वाले डीपी सिंह के यहां इनकम टैक्स की टीम सुबह-सुबह पहुंची।
वह प्रॉपर्टी डीलर और ठेकेदार हैं। उनके यहां 18 जून को ऑपरेशन बाबू साहब पार्ट-1 के तहत छापेमारी हुई थी। इसमें IT को डॉक्यूमेंटेशन प्रूफ मिले थे। इसी आधार पर डीपी सिंह IT की रडार पर हैं।
सरकारी योजनाओं में घोटाले करके कुछ अधिकारी IT के रडार पर आए हैं।
करप्शन के इन मामलों के तार यूपी के उद्यमिता विकास संस्थान से जुड़े हैं। मार्च में संस्थान के डायरेक्टर देवेंद्र पाल सिंह की कार से 30 लाख रुपए नगद बरामद किया गया था। इसके बाद छापों का सिलसिला नोएडा, ग्रेटर नोएडा, इंदिरापुरम समेत करीब 28 जगहों पर चला था।

कानपुर में राजू चौहान और देशराज कुशवाहा के ठिकानों पर टीमें

कानपुर में थाना पनकी और रावतपुर में प्रॉपर्टी डीलर और गेस्ट हाउस संचालक के ठिकानों पर आयकर का छापा पड़ा है। करीब 6 गाड़ियों से आए IT अधिकारियों ने एक साथ कई ठिकानों पर छापा मारा है। प्रॉपर्टी डीलर और गेस्ट हाउस संचालक के घर, ऑफिस, गेस्ट हाउस सहित करीबियों के यहां छापेमारी और पूछताछ जारी है। पनकी के गंगागंज इलाके में राजू चौहान के ठिकानों पर और रावतपुर में देशराज कुशवाहा के ठिकानों पर IT की छापेमारी जारी है।

सरकारी शिविर में 34 महिलाओं की नसबंदी, 4 की मौत और 9 भर्ती

हैदराबाद- तेलंगाना में इन दिनों हड़कंप मचा है। यहां के रंगा रेड्डी जिले के एक सरकारी अस्पताल में बीते पांच दिन में चार महिलाओं की मौत हो चुकी है। 9 महिलाओं की हालत खराब है और अस्पताल में भर्ती हैं। खासबात यह है कि महिलाओं का पांच दिन पहले डबल पंचर लैप्रोस्कोपी (डीपीएल) शिविर में नसबंदी हुई थी। यह प्रॉसेस बहुत ही छोटा और मामूली होता है। सर्जरी के कुछ ही घंटों बाद अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है और महिलाएं सामान्य कार्य कर सकती हैं। इस प्रॉसेस के बाद मौत होने से स्वास्थ्य विभाग पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

डीपीएल एक महिला नसबंदी कार्यक्रम है। राज्य के जन स्वास्थ्य निदेशक जी श्रीनिवास राव ने कहा कि शिविर 25 अगस्त को रंगा रेड्डी जिले के इब्राहिमपट्टनम के सरकारी अस्पताल में आयोजित किया गया था। यहां प 34 महिलाओं की सर्जरी हुई थी। इस मामले में पहले दो महिलाओं की मौत हुई थी। सोमवार शाम को दो अन्य महिलाओं ने दम तोड़ दिया। इन महिलाओं ने आंत्रशोथ सहित कई लक्षणों की शिकायत की थी।

22 से 36 साल की थी उम्र

जिन महिलाओं की मौत हुई है उन्हें सर्जरी के बाद उल्टी, पेट दर्द और दस्त जैसे तीव्र गैस्ट्रोएंटेराइटिस के लक्षण हुए थे। फिलहाल कहा जा रहा है कि महिलाओं की मौत ऑर्गन फेल होने से हुई है। जिन महिलाओं की सर्जरी हुई थी, उनकी उम्र महज 22 से 36 वर्ष की थी। जिनकी नसबंदी की गई थी, उनमें अधिकतर आदिवासी समुदाय से हैं।

दिल्ली सरकार ने शुरू किया देश का पहला वर्चुअल स्कूल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में देश का पहला वर्चुअल स्कूल शुरू किया जिसमें नौवीं से 12वीं तक पढ़ाई होगी। शिक्षा सत्र 2022-23 के लिए नौवीं कक्षा में दाखिले के लिए बुधवार से आवेदन शुरू किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में आज देश का पहला वर्चुअल स्कूल की शुरुआत करने का एलान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सारे क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। एक तरफ स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक किया गया, पढ़ाई अच्छी की गई, शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलवाने के लिए विदेश भेजा गया। कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए। जैसे, हैप्पीनेस क्लासेस, देशभक्ति करिकुलम, बच्चों को बिजनेस सिखाने के लिए एंटरप्रेन्योरशिप क्लासेज शुरू किए गए। इसके अलावा, कई विशेष किस्म के स्कूल शुरू किए गए। अभी हम एक स्कूल शुरू करने जा रहे हैं जिसमे जो बच्चे ट्रैफिक लाइट के ऊपर भीख मांगते हैं, वो पढ़ेंगे। ये बच्चे एक तरह से समाज के सबसे कमजोर वर्ग के होते हैं। उन बच्चों पर किसी का ध्यान नहीं जाता है और वे किसी का वोट बैंक भी नहीं होते हैं। उन बच्चों को मुख्यधारा में लाने के लिए एक आवासीय स्कूल बनवा रहे हैं। इसी तरह, हमलोगों ने एक आर्म्ड फोर्सेज प्रिपेरटरी स्कूल बना रहे हैं, जहां बच्चों को फौज में भर्ती करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी तरह से स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाई है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर सफर करना हुआ महंगा

आगरा से नोएडा जाने को अब देने होंगे 430 रुपए, टू और थ्री व्हीलर पर नहीं बढ़ेगा टैक्स

आगरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर कल रात यानी गुरुवार 12 बजे से सफर महंगा हो गया है। एक्सप्रेस-वे पर टोल टैक्स की बढ़ी हुई दर रात से लागू हो गई है। विभिन्न श्रेणी के वाहनों के लिए 10 पैसे से लेकर एक रुपए पांच पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले लोगों को अब ज्यादा टोल चुकाना होगा। वहीं, टोल बढ़ने से यात्री किराया भी बढ़ सकता है। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण की पिछले दिनों हुई बैठक में टोल टैक्स बढ़ाने का निर्णय किया गया था। एक सितंबर से नई टोल दर लागू हो जाएंगी। अभी वर्तमान में ग्रेटर नोएडा से कार से यमुना एक्सप्रेस-वे होकर आगरा जाने पर 415 रुपए टोल देना होता है, लेकिन एक सितंबर से 430 रुपए टोल टैक्स देना होगा। यानी कि 15 रुपए ज्यादा देने होंगे। वहीं, नई दरों में दोपहिया व ट्रैक्टर के लिए टोल टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कार ,जीप के लिए 15 पैसे प्रति किमी की बढ़ोतरी

टोल टैक्स की नई दर में दो पहिया, तीन पहिया और रजिस्टर्ड टैक्टर को बाहर रखा गया है। इसके अलावा कार ,जीप व वैन की दर 2.50 रुपए प्रति किलो मीटर से बढ़ाकर 2.65 रुपए प्रति किलोमीटर की गई हैं। अब आगरा से नोएडा तक सिंगल जर्नी के लिए 430 व रिटर्न के लिए 690 रुपए टोल देना होगा।

इसके साथ हल्के व्यावसायिक वाहन, हल्के माल या मिनी बस की दर 3. 90 प्रति किलो मीटर से बढ़ाकर 4.15 रुपए प्रति किलोमीटर की गई है। अब सिंगल जर्नी के लिए 690 और रिटर्न के लिए 1105 रुपए देने होंगे।

ये होगी नई टोल टैक्स की दर

- कार-जीप - 430 सिंगल - 690 रिटर्न
- हल्के व्यावसायिक वाहन - 690 सिंगल - 1105 रिटर्न
- बस- ट्रक - 1400 सिंगल - 2240 रिटर्न

(सभी दर आगरा से नोएडा यात्रा के लिए)

गाजीपुर में गंगा में नाव पलटी, 25 लोग डूबे : दो की मौत

पांच बच्चे लापता, 5 की हालत गंभीर, कई तैरकर किनारे पहुंचे

सीएम बोले-बचाव कार्य में जुटे एनडीआरएफ

मुख्यमंत्री योगी ने हादसे पर दुख जताते हुए जिला प्रशासन को राहत और बचाव कार्य तत्परता से करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने डीएम, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को तत्काल मौके पर जाने का निर्देश दिया है। आज ही सीएम योगी ने गाजीपुर की बाढ़ का हवाई सर्वेक्षण करने के साथ ही पीड़ितों में राहत सामग्री का वितरण किया था।

एजेंसी

सेवराई, गाजीपुर1। गाजीपुर में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। 25 लोगों से भरी नाव गंगा की बाढ़ में पलट गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। करीब 10 लोगों को मल्लाहों ने प्रयास करके निकाला। इनमें 5 की हालत गंभीर है। पांच लोग अभी भी लापता हैं। 7-8 लोग तैरकर बाहर आ गए थे।

घटना रेवतीपुर थाना क्षेत्र के अठहवा गांव में हुई। मुख्यमंत्री योगी ने हादसे पर दुख जताते हुए जिला प्रशासन को राहत और बचाव कार्य तत्परता से करने के निर्देश दिए हैं।

कई लोगों को मल्लाहों ने बचाया

जानकारी अनुसार, अठहठा गांव में बाढ़ प्रभावित लोगों के आवागमन के लिए प्रशासन ने डीजल की नाव की व्यवस्था कराई है। बुधवार शाम 5:00 बजे बाजार से खरीदारी कर ग्रामीण गांव लौट रहे थे।

नाव पर करीब 25 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि नाव की क्षमता सिर्फ 15 लोगों को बैठाने की थी, लेकिन उस पर 25 लोग सवार हो गए। ज्यादा लोग होने के कारण अचानक नाव में पानी भरने लगा और डूब गई। कई लोग खुद तैरकर किनारे आ गए। जबकि कुछ को मल्लाहों ने बाहर निकाला।

ग्रामीणों ने 7 को सीएचसी पहुंचाया

ग्रामीणों ने बताया, 7 को गंभीर हालत में सीएचसी भदौरा ले जाया गया। जहां दो की मौत हो गई। जबकि 5 की हालत गंभीर है। मरने वालों की पहचान अठहठा के शिवशंकर गोड़ (45वर्ष) और नगीना पासवान (60वर्ष) के रूप में हुई है।

घटनास्थल पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी

ग्रामीणों के अनुसार, लापता बच्चों में अनिल पासवान की लड़की(10 वर्ष), छटहा पहलवान का बेटा, डब्लू गोड़ का बेटा, दयाशंकर यादव का बेटा और कमलेश की बेटी शामिल है। मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए हैं। बच्चों की तलाश की गोताखोरों की टीम लगी हुई है। देर शाम शाम तक पांचों बच्चों का कुछ पता नहीं चल सका था।

मोदी ने किश्तवाड़ दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किश्तवाड़ में हुई दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में मारे गये लोगों के निकटतम परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायल हुए लोगों में से प्रत्येक को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को ट्वीट कर कहा , किश्तवाड़ में हुई दुर्घटना से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। कामना करता हूं कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएँ। पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रत्येक घायल को 50,000 रुपये की सहायता राशि दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि किश्तवाड़ के चतरू क्षेत्र में मंगलवार को एक कैब के दुर्घनाग्रस्त हो जाने से आठ यात्रियों की मौत हो गयी थी और तीन अन्य घायल हो गये थे।

असम के मदरसों पर चला सरकारी बुलडोजर : 27 दिन में तीसरे मदरसे पर कार्रवाई

सभी पर आतंकियों को ट्रेनिंग देने का आरोप

गुवाहाटी। असम के बोंगाईगांव में बुधवार को प्रशासन ने एक और मदरसा ढहा दिया। आरोप है कि इस मदरसे का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था। कबैतरी पार्ट-4 गांव में बने मरकाजुल मा-आरिफ कुआरियाना मदरसे को गिराने के लिए कई बुलडोजर बुलाए गए थे। इलाके में बड़ी संख्या में सैन्य बल भी तैनात किया गया था।

असम में हाल ही में इमाम और मदरसे के शिक्षकों समेत 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन पर आरोप था कि ये आतंकी संगठनों AQIS (अल कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट) और U ABT (अंसारुल्लाह बांग्ला टीम) से जुड़े हैं। इनकी गिरफ्तारी के बाद से ही प्रशासन मदरसों को गिराने की कार्रवाई कर रहा है। इससे पहले प्रशासन ने 4 और 29 अगस्त को दो और मदरसे गिराए थे।

सालों की मेहनत को एक दिन में उजाड़ रही सरकार

AIUDF प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि मदरसे बनाने में 20-30 साल लगते हैं, लेकिन सरकार एक दिन में बुलडोजर चलाकर गिरा रही है। राज्य में लाखों स्कूल है और क्या स्कूल में कोई व्यक्ति अपराधी होगा, तो स्कूल को गिरा दिया जाएगा।

असम सीएम ने कहा था- आतंक का हब

सोमवार यानी 29 अगस्त को असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि मदरसों को आतंकियों के ट्रेनिंग हब के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। इन मदरसों में शिक्षा की बजाय आतंक की ट्रेनिंग दी जा रही है।

29 अगस्त को राज्य सरकार ने बरपेटा जिले के ढाकलीपारा इलाके में शेखुल हिंद महमुदुल हसन जमुइल हुदा इस्लामिक एकेडमी मदरसे को ढहाया था। इस मदरसे में भी आतंकी गतिविधियों को संचालित करने का आरोप था। साथ ही यह अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बनाया गया था।

वहीं 4 अगस्त को सारुल्लाह बांग्ला और AQIS संगठन से कनेक्शन के आरोप में प्रशासन ने पहली बार कार्रवाई की थी।

देश में कोरोना से उबरने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण (कोविड-19) से 10,828 लोग मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4,38,35,852 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.67 प्रतिशत है जबकि सक्रिय मामलों का की दर 0.15 प्रतिशत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 212.39 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं और पिछले 24 घंटे में 22,50,854 टीके दिए जा चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान इस संक्रमण के 7,231 नए मामले सामने आने से देश में इनका आंकड़ा बढ़कर 4,44,28,393 हो गया है। अब दैनिक संक्रमण दर 2.05 प्रतिशत है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि कोरोना महामारी से 35 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 527874 तक पहुंच गई है। देश में पिछले 24 घंटे में 3,52,166 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.58 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

महाराष्ट्र में 570 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 10902 रह गयी। राज्य में इस महामारी से अब तक 7939594 लोग उबर चुके हैं और मृतकों का आंकड़ा 148242 तक पहुंच गया है।

केरल में कोरोना वायरस संक्रमण के 159 मामले घटकर 8397 रह गए हैं। इससे निजात पाने वालों की संख्या 6674932 हो गयी है। इस महामारी से एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या 70819 हो गई है।

ओडिशा में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 12 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 2035 रह गई है। राज्य में अब तक 1316172 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 9175 हो गया है।

मास्टर की पिटाई | **झारखंड में प्रिंसिपल और 11 छात्रों पर केस दर्ज; फेल होने से नाराज थे 9वीं क्लास के स्टूडेंट्स**

झारखंड : कम नंबर आए तो शिक्षक को बांधकर पीटा

रांची। झारखंड के दुमका में एक सरकारी स्कूल के 9वीं क्लास के स्टूडेंट्स ने अपने टीचर और स्कूल के दो स्टाफ को पेड़ से बांधा और उनकी पिटाई कर दी। प्रैक्टिकल एग्जाम में कम नंबर आने की वजह से ये सभी स्टूडेंट्स के फेल हो गए थे।

स्टूडेंट्स का आरोप है कि टीचर ने जानबूझकर उन्हें कम नंबर दिए, जिसकी वजह से वे फेल हो गए। इसी बात से नाराज छात्रों ने टीचर, क्लर्क और चपरासी को स्कूल के ही आम के पेड़ में रस्सी से बांधा और जमकर पीटा। छात्रों ने इस पूरी घटना का फेसबुक लाइव भी किया है। वीडियो सामने आने के बाद डीडीसी ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

इस मामले में सहायक शिक्षक कुमार सुमन और लिपिक सोनेराम चौड़े के लिखित आवेदन पर स्कूल के प्रिंसिपल रामदेव केसरी सहित 11 छात्रों को नामजद आरोपी बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है। गोपीकांदर थाने में दिए आवेदन में बताया गया है कि स्कूल के प्रिंसिपल के उकसाने पर ही छात्रों ने कुमार सुमन और सोनेराम चौड़े के साथ मारपीट की।

11 छात्र फेल होने से थे नाराज

झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने 26 अगस्त को 9वीं क्लास का रिजल्ट जारी किया था, जिसमें अनुसूचित जनजाति आवासीय उच्च विद्यालय गोपीकांदर के 11 छात्र फेल हो गए। इसी से गुस्साए छात्र सोमवार को ग्रुप बनाकर स्कूल के टीचर कुमार सुमन और क्लर्क सोनेराम चौड़े के पास पहुंचे और प्रैक्टिकल में दिए गए नंबर की पूछताछ करने लगे। वे पेपर दिखाए जाने की जिद कर रहे थे। पेपर दिखाने से इनकार किए जाने पर छात्र बेकाबू हो गए और दोनों के साथ धक्का-मुक्की करने लगे। उस वक्त मौके पर स्कूल के चपरासी अचन्तु मल्लिक भी मौजूद थे। गुस्साए छात्रों ने इन तीनों को स्कूल परिसर के एक आम के पेड़ से बांध दिया और पिटाई की।

छात्रों का आरोप है कि जानबूझकर कम नंबर दिए गए हैं। बाद में टीचर की रिक्वेस्ट पर छात्रों ने उन्हें छोड़ दिया। वीडियो में स्टूडेंट्स को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि शिक्षकों ने बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया है। इसका लाइव करो, वीडियो वायरल करो।

शार्ट न्यूज

भारतीय सेना ने लद्दाख में बचाया इजरायली नागरिक को

श्रीनगर। केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख में बुधवार को भारतीय सेना ने ऊंचाई वाले इलाके में कम ऑक्सीजन से कमी से पीड़ित होने पर एक इजरायली नागरिक को बचाया। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि इजरायली नागरिक अतर कहाना लद्दाख क्षेत्र में 16,800 फीट की ऊंचाई पर सांस की दिक्कत के साथ-साथ उल्टियां शुरू हो गई थीं। जिसके बाद भारतीय सेना ने मौके पर पहुंचकर पीड़िता को मरखा घाटी के पास निमालिंग शिविर से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया।

आनंद शर्मा गुट ने मांगा शिमला का टिकट

शिमला। कांग्रेस हिमाचल प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर और कांग्रेस के बागी नेता आनंद शर्मा का समर्थन करने वाले सहयोगी आनंद कौशल ने बुधवार को क्रमश: शिमला शहरी और शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन के लिए दावा पेश किया। सर्वश्री राठौर और कौशल दोनों लंबे समय से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं और दोनों पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा के करीबी सहयोगी हैं। श्री राठौर को हाल ही में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाकर मंडी लोकसभा सदस्य प्रतिभा सिंह को इस पहाड़ी प्रदेश का कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया है। कांग्रेस ने फैसला किया है कि वह वंशवाद की राजनीति को खत्म करने के लिए एक परिवार के केवल एक सदस्य को ही मैदान में उतरने की अनुमति देगी। श्रीमती प्रतिभा सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह ग्रामीण शिमला से कांग्रेस विधायक हैं। श्री राठौर ने पहले कहा था कि वह ठियोग से चुनाव लड़ेंगे लेकिन श्रीमती प्रतिभा सिंह ने ठियोग में भाजपा नेता राकेश वर्मा की विधवा भाजपा की बागी इंदु वर्मा को पार्टी का टिकट देने की पेशकश की। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता नरेश चौहान, शिमला अर्बन पार्टी के अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी और हरीश जनार्थ भी शिमला शहरी से पार्टी का टिकट चाहते हैं। श्री चौधरी को श्री आनंद शर्मा का भी करीबी माना जाता है।

शोपियां मुठभेड़ में लश्कर के तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने आज यहां कहा कि नागबल में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा, जैसे ही बलों की संयुक्त दल ने संदिग्ध स्थान की घेराबंदी की वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चलानी शुरु कर दी। जिसके बाद शुरू हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा,मारे गए दोनों आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर से जुड़े थे। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में आज शाम एक और आतंकवादी मारा गया। जिसके बाद मारे गये आतंकवादियों की संख्या तीन हो गई। पुलिस ट्वीट में कहा, एक और आतंकवादी मारा गया (कुल तीन) तलाश जारी है। सुरक्षा बलों का अभियान जारी है।

धामी ने टनकपुर में किया मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय का शुभारंभ

चंपावत/नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को चंपावत के टनकपुर में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय का शुभारंभ करते हुए कहा कि कैम्प कार्यालय के खुलने से क्षेत्र की जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान तो होगा ही साथ ही उन्हें जिला मुख्यालय एवं देहरादून जाने की आवश्यकता नही पड़ेगी। धामी ने इस मौके पर कई विकास योजनाओं की घोषणा भी की जिनमें सात जूनियर हाईस्कूल का इंटर मीडिएट में उच्चीकरण, सल्ली, नायल, हरम, बिचई, मंच, पुनेठी, ढकना बडोला कठनोली शक्तिपूरबुंगा, अमर कटिया, चेकुनीबोरा, बस्तिया सहित 12 पंचायत घरों के निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि बनबसा थाना ने देश के श्रेष्ठ थानों में 74वां स्थान प्राप्त किया है। यह हमारे क्षेत्र, जिले, प्रदेश के साथ ही सीमांत क्षेत्रों के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने थाना बनबसा हेतु नवीन भवन व पुलिस क्षेत्राधिकारी क्षेत्र टनकपुर में स्मार्ट कंट्रोल रूम का निर्माण करने की भी घोषणा की। उन्होंने जिला अधिकारी को निर्देश दिए कि जनता को अनावश्यक दिक्कतों का सामना न करना पड़े और समय से उनकी समस्याओं का समाधान हो। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि विभागीय स्तर पर यह भी तय किया गया कि जिस अधिकारी स्तर पर समस्याओं का समाधान होना है वह निश्चित रूप से उसी अधिकारी के स्तर पर हल हो जाए। जनता को अनावश्यक अपनी समस्याओं के हल के लिए बेवजह देहरादून के चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 1001 परिवारों को भेजे 30 हजार पाउंड

अमृतसर। दुबई के प्रसिद्ध सिख कारोबारी और सरबत का भला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. एस.पी. सिंह ओबेरॉय ने पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 30 हजार 30 पाउंड की राशि भेजी है। ट्रस्ट के प्रमुख डॉ. ओबेरॉय ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में आई भीषण बाढ़ से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए हैं और उनके लिए दो वक्त का खाना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पूर्व गवर्नर और सरवर फाउंडेशन के अध्यक्ष चौधरी मुहम्मद सरवर ने उनसे संपर्क किया और बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की अपील की, जिस पर सरबत का भला चैरिटेबल ट्रस्ट ने तत्काल कार्रवाई की और बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बाढ़ के दौरान सेवा कार्य करने वाले सरवर फाउंडेशन लाहौर को 30 हजार 30 पाउंड (पाकिस्तान की मुद्रा के अनुसार लगभग 80 लाख रुपये) भेजे गए हैं। जिससे 1001 पीड़ित परिवारों को एक माह की राशन किट प्रदान की जाएगी। डॉ. ओबेरॉय ने कहा कि उन्होंने गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के लंगर के लिए चार अल्ट्रा-मॉडर्न मशीनें, जिनमें आटा गूंथने, पैटी बनाने, रोटी बनाने और डिशवाशर शामिल हैं, ख़रीदकर दुबई में रखी हुई हैं। उन्होंने कहा कि उक्त मशीनें जो कोविड लॉकडाउन के कारण पाकिस्तान नहीं पहुंच सकीं, उन्हें शीघ्र ही वहां भेजा जाएगा। सरवर फाउंडेशन के संस्थापक और पूर्व राज्यपाल चौधरी मोहम्मद सरवर ने इस बड़ी मदद के लिए डॉ. ओबेरॉय का विशेष धन्यवाद किया और कहा कि इस कठिन समय में उनकी मदद से न केवल बाढ़ पीड़ितों को राहत मिलेगी, बल्कि दोनों देशों के रिश्ते भी मधुर होंगे।

सिविल अस्पताल जालंधर को विश्वस्तरीय अस्पताल बनाने की प्रक्रिया शुरू

जालंधर। स्वास्थ्य विभाग ने सिविल अस्पताल जालंधर को विश्वस्तरीय अस्पताल बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुंबई से आर्किटेक्ट बॉबी मुखर्जी की टीम जिसमें अधीक्षक अभियंता (एसई) पंजाब स्वास्थ्य प्रणाली निगम मोहाली राजिंदर सिंह, अधिशाषी अभियंता (एक्सईएन) सुखचैन सिंह पीएचएससी जालंधर और अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी से डॉ. सलेन्द्र सिंह तोमर राज्य कार्यक्रम प्रबंधक पंजाब और डॉ. एकता राज्य तकनीकी अधिकारी पंजाब बुधवार को सिविल अस्पताल में आधुनिकीकरण के प्रस्तावों के साथ यहां पहुंची। सिविल सर्जन डॉ. रमन शर्मा और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव शर्मा द्वारा बुधवार सुबह एम.एस. ऑफिस में मुंबई से आए टीम मेंबर्स बॉबी मुखर्जी और गुरमीत सचदेव के साथ बैठक की। टीम ने डॉ. सिविल सर्जन रमन शर्मा और एम.एस. डॉ राजीव शर्मा के साथ अस्पताल का दौरा किया और भवन का निरीक्षण किया। इसके साथ ही इंटरनेशनल डेवलपमेंट एजेंसी की टीम डॉ. शैलेंद्र सिंह और डॉ. एकता ने अपने 100 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल के प्रस्ताव को लेकर अस्पताल का दौरा भी किया। दोनों टीमों के डॉ. सिविल सर्जन रमन शर्मा व डॉ. राजीव शर्मा को उनके प्रस्ताव के बारे में विस्तार से बताया गया। सिविल अस्पताल में 100 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक के निर्माण के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी द्वारा एक परामर्श आयोजित किया गया था। गौरतलब है कि सिविल अस्पताल जालंधर पंजाब का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है जिसमें रोजाना 1500 से 2000 ओपीडी होती हैं और कुल 400-500 भर्ती रोगियों को सेवा प्रदान करता है। सिविल सर्जन डॉ. रमन शर्मा ने कहा कि इस पहल से जालंधरवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं मिलने में काफी फायदा होगा।

जम्मू से ज्यादा पंजाब पर फोकस कर रहा पाकिस्तान, ड्रोन घुसपैठ में इजाफा

जम्मू। पाकिस्तान अब भारत के पंजाब राज्य पर ज्यादा फोकस कर रहा है। पाकिस्तान से पंजाब की तरफ आने वाले ड्रोनों की संख्या में इस साल जम्मू सेक्टर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अनुसार, इस साल जुलाई तक सीमा पार से उड़ान भरने वाले कुल 107 ड्रोन भारतीय क्षेत्र के अंदर देखे गए, जबकि पिछले पूरे साल 97 ड्रोन देखे गए थे।

बीएसएफ ने 2021 में पूरे साल अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर पाकिस्तान की ओर से आने वाले 97 ड्रोन देखे थे। इनमें से 64 पंजाब, 31 जम्मू में और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास दो ड्रोन प्रवेश करते देखे गए थे। 1 जनवरी 2022 से जुलाई तक, पाकिस्तान की ओर से 107 ड्रोन देखे गए। इनमें से 14 जम्मू और पंजाब सेक्टर में 93 ड्रोन आते देखे गए। वहीं इस दौरान जम्मू में एलओसी की तरफ एक भी ड्रोन दिखाई नहीं दिया। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन पाकिस्तान से आए हैं और इनका इस्तेमाल नशीले पदार्थ, हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद पहुंचाने में किया जाता है।

उन्होंने कहा, सीमाओं पर ड्रोन रोधी हथियारों के साथ टीमें तैनात हैं। गश्त करने वाले दल किसी भी संदिग्ध हवाई गतिविधि पर नजर रखते हैं और अक्सर वे इन ड्रोन से गिराए गए नशीले पदार्थों और हथियारों को बरामद करते हैं। वर्ष 2021 में, बीएसएफ ने फिरोजपुर सेक्टर में एक ड्रोन को मार गिराया था, जबकि इस साल सात ड्रोन को मार गिराया गया और भारी मात्रा में नशीले पदार्थ को बरामद किया गया। पाकिस्तान के साथ पंजाब की सीमा की कुल लंबाई 553 किलोमीटर है और जम्मू क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के 198 किलोमीटर के हिस्से की सुरक्षा बीएसएफ करती है।

बीएसएफ के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने वाले हर ड्रोन को मार गिराने के लिए कोई प्रभावी ड्रोन रोधी तकनीक उपलब्ध नहीं है, लेकिन जमीन पर मौजूद उनके जवान ड्रोन या सीमा पार करने वाली किसी भी हवाई वस्तु पर नजर रखते हैं।

उन्होंने कहा, न केवल जमीन पर, बल्कि हम आकाश पर भी नजर रखते हैं और बीएसएफ कर्मियों को अज्ञात यूएवी को मार गिराने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। कभी-कभी ड्रोन बचने के लिए अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरते हैं, हालांकि हम जमीन के करीब आने पर केवल गुनगुनाती आवाज से इसका पता लगाते हैं।

जम्मू क्षेत्र में हुए अलग-अलग हादसों में नौ लोगों की मौत

जम्मू। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र में मंगलवार को हुए अलग-अलग हादसों में नौ लोगों की मौत हो गई और 30 घायल हो गए है।

पुलिस के अनुसार, किश्तवाड़ जिले के चटरू के बूंडा इलाके में कैब के सड़क से फिसल कर खाई में गिरने से आठ यात्रियों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय वाहन चटरू से बूंदा की ओर जा रहा था।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नुसरत बानो, शरीफ, फरीद, मोहम्मद अकबर, फरीद हुसैन, बशीर अहमद, नजीर और नूर हुसैन के रूप में हुई है। हालांकि, घायलों अर्थात् मंजूर अहमद, खातून बेगम और अख्तर हुसैन को जिला अस्पताल किश्तवाड़ में भर्ती कराया गया है।

एक अन्य दुर्घटना में कटरा से जम्मू की ओर जा रही एक यात्री बस के सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस से टकरा जाने से एक बच्चे की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए।

मृतक बच्चे की पहचान आगरा के शुभम कुमार (5) के रूप में हुई है।

इसके अलावा कठुआ जिले के गांव काह के पास एक ऑटो के दुर्घटनाग्रस्त होने से नौ छात्रों सहित 11 लोग घायल हो गए।

पुलिस ने बताया काह से नगरोटा जा रहे स्कूली छात्रों को ले जा रहे यात्री ऑटो के सड़क से 20 फीट नीचे गिरने से नौ छात्रों सहित 11 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों की पहचान धीरज सिंह, रेणु देवी, वंशिका देवी, संदीप कुमार, मीना देवी, काजल वर्मा, तानिया देवी, दीवांश ठाकुर, अशोक कुमार, इंद्र चंद और मुनीश ठाकुर के रूप में हुई है।

भर्ती घोटाले की आंच हाईकोर्ट तक पहुंची, सीबीआई जांच की मांग की

नैनीताल। उत्तराखंड के बहुचर्चित उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) भर्ती घोटाले कि आंच उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय तक पहुंच गई है। इस प्रकरण की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराए जाने की मांग को लेकर इस मामले में याचिका दायर की गई है। इस प्रकरण में सोमवार को सुनवाई हो सकती है।

इस प्रकरण को कांग्रेसी नेता व विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष भुवन चंद्र कापड़ी की ओर से चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि यूकेएसएसएससी द्वारा शिक्षा, पुलिस, वन विभाग और ग्रामीण विकास विभाग समेत प्रदेश के कई महत्वपूर्ण विभागों में पूर्व में भर्तियां कराई गई हैं।

इन भर्तियों में फर्जीवाड़ा (घोटाला) हुआ है। घोटाले में नित नये नाम सामने आ रहे हैं। घोटाले के तार उत्तराखंड के अलावा उत्तर प्रदेश से भी जुड़े हैं। इस मामले में अभी तक 30 से अधिक लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। प्रदेश सरकार की ओर से घोटाले की जांच स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को सौंपी गई है।

जमीन विवाद को लेकर दलित परिवार को दी धमकी

कर्नाटक के मंत्री आनंद सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बेंगलुरु। जमीन विवाद मामले में कर्नाटक के पर्यटन एवं पर्यावरण मंत्री आनंद सिंह के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक आनंद सिंह ने एक दलित परिवार को धमकी दी थी। इसके बाद पीड़ित परिवार थाने के बाहर अत्मदाह करने जा रहा था। आनंद कुमार समेत तीन लोगों के खिलाफ एससी/एसटी ऐक्ट और आईपीसी की धारा 504, 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। डी पोलप्पा नाम के शख्स ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है।

मामला एक गांव के अंदर के भूखंड का है। यहां एक समुदाय और दलित समुदाय के पोलप्पा के बीच जमीन को लेकर विवाद है। मंत्री आनंद सिंह गांव पहुंचे थे। इसके बाद पोलप्पा ने मामले का हल निकालने का निवेदन किया। आरोप है कि मंत्री ने पूरे परिवार को जलाने की धमकी दी थी।

पीड़ितों पर भी दर्ज है मुकदमा

पुलिस ने बताया कि पोलप्पा और उनके रिश्तेदार थाने के सामने आत्मदाह करने पहुंचे थे। पुलिस ने उन्हें बचा लिया और निकट के अस्पताल में भर्ती कराया। पोलप्पा और उनके पांच रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या का प्रयास करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि कुछ दिन पहल आनंद सिंह को लेकर अटकलें थीं कि वह भाजपा से कांग्रेस में लौट रहे हैं। वह कांग्रेस के टिकट पर ही चुनाव लड़े थे और विधायक चुने गए थे। बीच में आनंद सिंह ने पाला बदला और फिर भाजपा सरकार में मंत्री बन गए। आनंद सिंह फरवरी में डीके शिवकुमार से भी मिले थे।

अब तक 100 से ज्यादा इस्तीफे, गुलाम नबी आजाद समर्थक 42 और नेताओं ने छोड़ी कांग्रेस

नई दिल्ली। गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस छोड़ने के बाद उनके समर्थन में पार्टी से निकलने वाले लोगों का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को गुलाम नबी आजाद के समर्थन में 65 नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अब बुधवार को भी 42 नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। इन सभी नेताओं का कहना है कि वह गुलाम नबी आजाद की नई बनने वाली पार्टी में शामिल होंगे। इस तरह गुलाम नबी आजाद के समर्थन में अब तक पार्टी के 100 से ज्यादा नेता इस्तीफा दे चुके हैं। इन नेताओं में पूर्व डिप्टी सीएम ताराचंद भी शामिल हैं। इस बीच गुलाम नबी आजाद ने अपनी पार्टी बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। वह 4 सितंबर को जम्मू में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। कांग्रेस छोड़ने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम होगा। माना जा रहा है कि इस रैली के दौरान वह अपनी पार्टी का ऐलान कर सकते हैं। अहम बात यह है कि 4 सितंबर को ही दिल्ली में राहुल गांधी महंगाई पर हल्ला बोल रैली को संबोधित करने वाले हैं। साफ है कि गुलाम नबी आजाद के कार्यक्रम के चलते कांग्रेस का यह विरोध प्रदर्शन प्रभावित होगा। गुलाम नबी आजाद ने इस्तीफे के बाद कहा था कि यह तो अभी शुरुआत है। इसका मतलब यह निकाला जा रहा है कि आने वाले दिनों में उनकी ओर से कांग्रेस पर हमलों में इजाफा हो सकता है।

90 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है गुलाम नबी की पार्टी

जम्मू-कश्मीर में अगले साल चुनाव होने के कयास लग रहे हैं और गुलाम नबी आजाद के समर्थकों का कहना है कि उनकी पार्टी सभी 90 सीटों पर उतरने वाली है। जम्मू के सैनिक फार्म्स में गुलाम नबी आजाद की रैली होने जा रही है और उससे पहले जिस तरह कांग्रेसियों के इस्तीफे हो रहे हैं, उससे पार्टी के लिए केंद्र शासित प्रदेश में अपना आधार बचाने की चुनौती है।

उदयपुर में बरगद की जड़ से प्रकट हुए गजानन

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर जिले की बडगांव तहसील के कुण्डा गांव स्थित कुण्डेश्वर महादेव में बरगद के पेड की जड़ से भगवान गजानन का स्वरूप प्रकट हुआ है। भगवान गजानन के स्वरूप को उदयपुर शहर से 15 किलोमीटर दूरी पर पिण्डवाड़ा हाइवे पर कुण्डा गांव स्थित कुण्डेश्वर महादेव में दिखाई देता है। मंदिर के पुजारी उंकारपुरी बताते हैं कि शिवालय करीब दो हजार वर्ष पुराना है और परिसर में ही साढ़े तीन बीघा में एक विशाल बरगद का पेड़ फैला हुआ है। मंदिर के पास इसी बरगद की जड़ से भगवान गणेश की एक प्राकृतिक संरचना प्रकट हुई है। श्रद्धालुओं ने बरगद की जड़ से प्रकट हुए गजानन की पूजा अर्चना के निमित्त एक मंदिर भी बनाया है।

तेलंगाना भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री को हटाने की मांग की

हैदराबाद। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष और करीमनगर के सांसद बंडी संजय कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। संजय ने परिवार नियोजन का गलत ऑपरेशन और इसकी वजह से चार गरीब महिलाओं की मौत के लिए श्री राव को जिम्मेदार ठहराया।

श्री संजय ने 25 अगस्त को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इब्राहिमपट्टनम में नसबंदी सर्जरी के उपरांत गंभीर रूप से संक्रमण से पीड़ित होने के बाद जुबली हिल्स के अपोलो अस्पताल में इलाज करा रही महिलाओं से मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि श्री राव को चार महिलाओं की नसबंदी के बाद उनकी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। क्योंकि उनके पास स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का कार्यभार है। उन्होंने आरोप लगाया, मुख्यमंत्री हरीश राव के खिलाफ कोई कार्रवाई करने से बच रहे हैं,क्योंकि वह उनके परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार पीड़ित परिवारों को केवल पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रही है। श्री संजय ने मांग की कि सरकार प्रत्येक परिवार को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने के अलावा, उनके घर और अपने बच्चों को पूरी तरह से मुफ्त शिक्षा दे।

केन्द्र सरकार ने देश में महंगाई पर नियंत्रण पाने का नहीं किया कोई प्रयास: पायलट

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने केन्द्र सरकार पर देश में बढ़ रही महंगाई पर नियंत्रण पाने का कोई प्रयास नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसने आज तक महंगाई कम करने का जनता को कोई आश्वासन भी नहीं दिया। पायलट ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस चार सितंबर को दिल्ली में महंगाई के खिलाफ हल्ला बोल रैली का आयोजन कर रही है यहां भी हमने ब्लॉक लेवल से लेकर प्रदेश लेवल तक कार्यक्रम किए हैं। आज देश के अंदर महंगाई इतनी बढ़ गई है जिसकी कोई सीमा नही है और केंद्र सरकार ने आज तक कोई झूठा आश्वासन देना भी जरूरी नही समझा कि हम महंगाई पर नियंत्रण करेंगे। लोकसभा का सत्र चल रहा था उसमें भी सरकार ने कोई आश्वासन जनता को नहीं दिया कि हम महंगाई कम करेंगे।

ओडिशा में करीब एक टन प्रतिबंधित गांजा हुआ नष्ट

भुवनेश्वर। ओडिशा के पहले प्री-ट्रायल डिस्पोजल मामले में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने सभी जरूरी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए एक भट्ठी में लगभग एक टन प्रतिबंधित गांजा नष्ट किया।

एसटीएफ सूत्रों ने बुधवार को कहा कि भुवनेश्वर एसटीएफ के एसपी के नेतृत्व में ड्रग डिस्पोजल कमेटी के निर्णय के बाद 980 किलो प्रतिबंधित गांजा को नष्ट किया गया। इस समिति में राज्य फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिक अधिकारी और राज्य प्रदुषण बोर्ड के सदस्य भी मौजूद थे।

इस मादक पदार्थ को आरोपियों से अगस्त 2021 में जब्त किया गया था। इस मादक पदार्थ को पहले संबंधित अदालत में प्रमाणित किया गया फिर ड्रग डिस्पोजल कमेटी के सुपुर्द कर दिया गया। यह ओडिशा का पहला प्रि-ट्राइल डिस्पोजल मामला है, जहां एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 52ए के अनुसार प्रतिबंधित गांजा को नष्ट किया गया है। इससे पहले जून 2022 में एसटीएफ ने 8.5 किलो ब्राउन शुगर को नष्ट किया था।

उपरोक्त मामले में आरोपियों द्वारा गांजा व्यवसाय से अर्जित की गई 4.5 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों की पहचान की गई और उन्हें जब्त कर लिया गया। नष्ट करने के कई और मामले (एसटीएफ और जिला पुलिस स्तर दोनों पर) प्रक्रिया में हैं। पिछले तीन वर्षों में 4500 क्विंटल गांजा और 104 किलो ब्राउन शुगर जब्त किया गया जो विभिन्न अदालतों/पुलिस थानों में नष्ट होने का इंतजार कर रहा है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, इन्हें तीन से छह महीने के अंदर नष्ट किया जाएगा। हाल के वर्षों में ओडिशा पुलिस द्वारा मादक पदार्थों विशेष रूप से गांजा और ब्राउन शुगर के खिलाफ व्यापक अभियान के कारण भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया गए हैं।

मवेशियों में एलएसडी रोग को केंद्र तुरंत 'राष्ट्रीय आपदा' घोषित करे : महिला किसान यूनियन

जालंधर। संयुक्त किसान मोर्चा की सदस्य महिला किसान यूनियन ने लंपी त्वचा रोग (एलएसडी) से प्रभावित पशु मालिकों को तत्काल राहत देने की मांग करते हुए केंद्र से कहा है कि सात से अधिक राज्यों के मवेशियों में इस बीमारी का व्यापक प्रकोप है, इसलिये एलएसडी को तत्काल महामारी घोषित किया जाए।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लिखे पत्र में महिला किसान यूनियन की अध्यक्ष बीबा राजविंदर कौर राजू ने बुधवार को इस बीमारी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि एलएसडी से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान सहित भारत के कई राज्यों में बड़ी संख्या में दुधारू मवेशी प्रभावित हुए हैं, जिससे दूध उत्पादन और विपणन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

इस विकट परिस्थिति में पशुधन के मुकाबले उद्योगपतियों को राहत देने के तरीके में हो रहे भेदभाव को देखते हुए महिला किसान नेता ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि लाखों जानवर इस बीमारी से पीड़ित हैं और हजारों जानवर मर रहे हैं, जिसके कारण पशुपालकों को महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। इसमें पशुपालकों को व्यापारिक और आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। उन्होंने अफसोस के साथ कहा कि जिस तरह से गायें बड़े पैमाने पर इस बीमारी की चपेट में आकर दम तोड़ रही हैं, वह बहुत ही दर्दनाक और कल्पना से परे है।

राजू ने कहा कि एलएसडी से संक्रमित जानवरों का अवैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा रहा है और प्रभावित जानवरों को अक्सर खुलेआम घूमने के लिए छोड़ दिया जाता है, जिससे यह बीमारी दूसरे जानवरों में फैल जाती है। किसान नेता ने कहा कि जमीनी स्तर पर इस महामारी की प्रभावी रोकथाम के लिए संबंधित केंद्रीय मंत्रालय और राज्य सरकारों द्वारा आपात स्थिति की लगातार निगरानी नहीं की जा रही है, जिससे देश के पशुपालकों और किसानों के साथ भेदभाव दिखाई दे है।

महिला नेता ने कहा कि एल.एस.डी. को संक्रामक महामारी घोषित करने से प्रभावित राज्यों को आपदा राहत कोष के माध्यम से राहत मिलने में मदद मिलेगी और इस बीमारी को जल्द से जल्द रोका जा सकेगा। उन्होंने खुलासा किया कि एलएसडी के फैलने के बाद से अब तक पंजाब में एक लाख से ज्यादा मवेशी प्रभावित हो चुके हैं और करीब 40,000 मवेशियों की मौत हो चुकी है। उन्होंने भगवंत मान को भी इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और वर्तमान स्थिति के अनुसार पशुपालकों को मुआवजा देने को कहा है।

इसके अलावा, बीबा राजू ने सुअर पालकों के लिए भी मुआवजे की मांग की है क्योंकि राज्य में अफ्रीकी स्वाइन बुखार से प्रभावित ऐसे जानवरों के वध से पालकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

मान ने तरनतारन में चर्च को अपवित्र करने की जांच के आदेश दिए

चंडीगढ। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को तरनतारन जिले के पट्टी इलाके के ठक्करपुर गांव में एक चर्च में तोड़फोड़ और आगजनी की घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मान ने कहा, ''किसी को भी पंजाब के भाईचारे को तोड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। तरनतारन की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी जांच करें और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह एक अत्यंत निंदनीय घटना है और इस जघन्य अपराध के अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव को घटना की तह तक जाने के लिए कहा गया है।मुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए राज्य की शांति, समृद्धि और प्रगति में बाधा डालने वाली ताकतों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि कुछ शरारती तत्वों का उद्देश्य राज्य के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करना और सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को नष्ट करना है।

हिमाचल के लिए बल्क ड्रग फार्मा पार्क बड़ी सौगात: ठाकुर

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि बल्क ड्रग फार्मा पार्क राज्य के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में 20 हजार प्रत्यक्ष और दस हजार अप्रत्यक्ष लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा।

ठाकुर ने बुधवार को यहां पत्रकारो से बातचीत में कहा कि फार्मा पार्क के लिए लगभग 100-120 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है। उन्होंने पार्क के आवंटित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस पार्क के लिए 1000 करोड़ की सहायता देगी।

कांग्रेस पार्टी की 10 गारंटी घोषणा पर मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि जिसकी खुद की गारंटी खत्म हो गई हो वो क्या गारंटी देगी।

ठाकुर ने कहा कि 125 यूनिट मुफ्त बिजली और महिलाओं को बस किराए में राहत देने पर जो पार्टी मुफ्त योजना की आलोचना कर रही थी सब खुद इस गारंटी घोषणा से लोगों को लुभाने के विफल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वो घोषणाएं कर रही है जिन्हें वो धरातल पर पूरा नहीं कर सकती ।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के बयान पर कहा कि ड्रग फार्मा कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसकी डीपीआर तीन माह में तैयार की जाएगी।

उन्होंने कहा कि हिमाचल के लिए राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना का आवंटन वास्तव में एक महत्वपूर्ण क्षण है। यह राज्य में कई वर्षों के लिए फार्मा फॉर्मूलेशन इकाइयों के प्रतिधारण के साथ-साथ स्थानीय रोजगार के अवसर सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि अभी तक हमें दबाईयां चायना ने लेनी पड़ती थी । लेकिन इस पार्क के खुलने से हमारी मुशिकलें आसान हो जाएगा।

शार्ट न्यूज

काव्य संकलन 'सुनों क्या तुम सुन सकोगे ' का विमोचन किया गया

नई दिल्ली। अक्षरा पब्लिशर्स एन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा प्रकाशित काव्य संकलन 'सुनों क्या तुम सुन सकोगे ' का सोमवार (29 अगस्त) को ए - 88, ईस्ट ऑफ़ कैलाश, नई दिल्ली में विमोचन किया गया ।इस पुस्तक के लेखक प्रवीण व्यास, जिन्होंने इस अवसर पर प्रसिद्ध संगीतकार, गायिका , उद्घोषिका व सह संस्थापिका नव सरोकार फाउंडेशन की स्मृति में अखिल भारतीय कवि सम्मलेन का आयोजन भी किया। इस कवि सम्मलेन के मुख्य अतिथि सुभाष चन्दर व विशेष अतिथि रविन्द्र भूषण, वी के शीतल , साज़ देहलवी, सरफ़राज़ अहमद थे । इस कवि सम्मलेन का संचालन कुमार राघव ने किया। इस अवसर पर नीतू झा, सीमा कौशिक, शैलजा सक्सेना, सुप्रिया सिंह वीणा, प्रदीप कश्यप, पुष्पलता, रवि गर्ग, एहतराम सिद्दीकी जाहील, रेशमा दास, संतोष संप्रीति, माही मुंतज़िर ने अपनी अपनी कविताओं से माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस अवसर पर सीमा कौशिक जी को 2022 का सुधाश्री सम्मान देने की घोषणा भी की गई।

संगम विहार में नाबालिंग छात्रा पर दिन दहाड़े गोली चलाने वाले को गिरफ्तार ना करने के विरूद्ध प्रदर्शन

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। नाबालिंग छात्रा को दिन दहाड़े गोली मारने वाले मुख्य आरोपी मोहम्मद अली को गिरफ्तार नहीं करने के विरूद्ध यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट एवं राष्ट्रवादी शिवसेना ने आज संगम विहार थाना में एसीपी कार्यालय के समझ जोरदार प्रदर्शन किया व धरना दिया। इस अवसर पर डी सी पी को संबोधित ज्ञापन भी दिया गया। प्रदर्शन एवं धरने का आवाहन यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट एवं राष्ट्रवादी शिवसेना की ओर से किया गया था। जिसमें यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र बेदी, उपाध्यक्ष अवध कुमार, उपाध्यक्ष विनोद नहाल एवं सचिव सांवर तायल व महिला मोर्चा दिल्ली की उपाध्यक्ष श्रीमति सुमन, जे. पी. सिंह के अलावा लड़की के परिवार जनों ने भी हिस्सा लिया। फ्रंट के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र बेदी ने कहा कि नाबालिंग छात्रा पर दिन दहाड़े गोली चलाने वाले मुख्य आरोपी के एक सप्ताह बाद भी पुलिस की गिरफ्त में न आना अनेक संशय उत्पन्न करता है। क्या इसके पीछे राजनीतिक दबाव है या पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता ? लड़की को गोली मारने वाला अली आज भी खुलेआम घूम रहा है जिस कारण से लड़की के परिवार में दहशत व डर का माहोल हैद्य क्षेत्र निवासी अपनी बच्चीयों को स्कूल भेजने को लेकर घबराए हुए है, क्योंकि जो अली नाम का आरोपी खुलेआम 4 जुलाई को अपने साथियों के साथ आकर के लड़की के घर पर हमला करके शीशे तोड़ सकता है और खुलेआम घर में घुसकर गोली मारने की धमकी दे सकता है और इसके बाद स्कूल से आते हुए लड़की की माता की उपस्थिति में दिन दहाड़े साथियों के साथ आकर गोली मार देता है ,इससे क्षेत्रवासियों में डर व घबराहट का माहौल बनना स्वभाविक है। लड़की व उसके परिवार के लोगों की जब तक अली नहीं पकड़ा जाता उसके परिवार की सुरक्षा नहीं होनी चाहिए थी ? जो आज तक पुलिस ने नहीं की। यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट ने सिानीय ए.सी.पी. से मिलकर ज्ञापन देते हुए यह मांग की है कि अपराधी मोहम्मद अली जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और लड़की व उसके परिवार को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाएं और क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता को बढ़ाया जाएं जिससे की क्षेत्र में डर व दहशत का माहौल खत्म किया जा सके। सरकार व पुलिस को ठोस कदम उठाने होंगे वरन् हालात बद से बदतर होते जाएंगे। फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल ने कहा कि जिस तरह से आए दिन हिन्दू नाबालिंग लड़कियों को टारगेट किया जा रहा है इसको लेकर हिन्दू समाज को गम्भीरता से एकजुट होकर ऐसे राष्ट्र विरोधी एवं हिन्दू विरोधी तत्वों के खिलाफ खड़े होने की जरूरत है।

इग्नू के छात्रों की एक टीम ने जीता स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2022

संवाददाता /गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। कुणाल अंबस्ता के नेतृत्व में इग्नू के छात्रों की एक टीम को 25-26 अगस्त, 2022 को शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2022 ग्रैंड फिनाले में प्रथम पुरस्कार विजेता के रूप में चुना गया है। विजेता टीम को रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शिक्षा मंत्रालय (स्वश्व) द्वारा एक लाख। टीम लीडर कुणाल अंबस्ता इग्नू के एमसीए प्रोग्राम में नामांकित हैं। वह इग्नू स्टूडेंट इनोवेशन अवार्डी भी हैं। टीम के अन्य सदस्यों में ज्वोती कुमारी, गायत्री पंडित, आयुषी कुमारी, सुष्मिता दास और सोनिका जायसवाल शामिल थे। सभी इग्नू के बीसीए प्रोग्राम के छात्र हैं। विजेता टीम ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा, रांची के नोडल सेंटर में आयोजित ग्रैंड फिनाले में भाग लिया।

इग्नू की पीएचडी छात्रा शीतल थापा के नेतृत्व में एक अन्य टीम आईजीएनएएसएम तमिलनाडु के कोंगू इंजीनियरिंग कॉलेज, इरोड में एसआईएच-2022 नोडल केंद्र में प्रथम रनर अप के रूप में उभरी। टीम के सदस्य शीतल थापा (ललित कला में पीएचडी), रविकांत (बीसीए) और पूनम राजपूत (सीवीएए) थे। उन्होंने छात्र नवाचार श्रेणी में समग्र विकास और कल्याण के लिए सभी आयु समूहों के छात्रों के बीच सकारात्मक भावनाओं को विकसित करने के लिए समस्या कथन पर काम किया।

टीम एसआईजीएसईजीवी ने सतीश कुमार मिश्रा (एमसीए), अनन्या सिंह (एमसीए), हर्ष (एमसीए) और नदीम अहमद (बीसीए) सहित सदस्यों के साथ वीएनआर विज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद में भाग लिया। उन्होंने विविध श्रेणियों के तहत समस्या विवरण पर काम किया। टीम ने एआई/एमएल, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉकचैन प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एक नो-कोड चैटबॉट बिल्डर विकसित किया।

MoE औरAICTE द्वारा आयोजित SIH-2022 में राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए इग्नू से कुल पांच टीमों को नामांकित किया गया था। जिसमें से तीन टीमों ने रांची, इरोड और हैदराबाद के विभिन्न नोडल केंद्रों में आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2022 ग्रैंड फिनाले में भाग लिया।

राष्ट्रीय स्तर के एसआईएच 2022 में छात्रों का चयन और नामांकन करने के लिए, 11-14 मार्च, 2022 तक नेशनल सेंटर फॉर इनोवेशन इन डिस्टेंस एजुकेशन (एनसीआईडीई), इग्नू द्वारा एक आंतरिक हैकथॉन, स्मार्ट इग्नू हैकथॉन-2022 का आयोजन किया गया था। प्रतिभागी इसमें इग्नू के शिक्षार्थी शामिल हैं। आंतरिक हैकाथॉन में भाग लेने के लिए लगभग 25 प्रस्ताव प्राप्त हुए। 11 मार्च, 2022 और 14 मार्च, 2022 को लगभग 8 टीमों ने अपने विचार और प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उनके काम और प्रदर्शन के आधार पर, पांच टीमों का चयन किया गया और इसलिए, स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2022 में राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए नामांकित किया गया। शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (एसआईएच) 2022, एक राष्ट्रव्यापी उत्पाद विकास प्रतियोगिता है, जहां छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में आने वाली कुछ दबाव वाली समस्याओं के अभिनव समाधान के लिए समस्या कथन प्रस्तुत किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशन पर 15 दिनों से ड्यूटी दे रहे थे 11 फर्जी टीसी, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन पर 15 दिनों से 11 फर्जी टिकट चेकर ड्यूटी कर रहे थे। उन्हें यहां पर ट्रेन के आने-जाने का समय एवं उनका नाम-नंबर नोट करने की ड्यूटी दी गई थी। वह सफेद शर्ट और काली पैंट पहनकर बीते 15 दिनों से अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर ड्यूटी कर रहे थे। उनके एक साथी ने ट्रेन में चढ़कर टिकट जांचना शुरु किया तो इस फर्जीवाड़े का खुलासा हो गया। आरपीएफ एवं रेलवे कर्मचारियों ने इन 11 फर्जी टिकट चेकर को रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया है। रेलवे डीसीपी हरेन्द्र सिंह ने बताया कि इस मामले में अभी तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अन्य युवकों की भूमिका को लेकर छानबीन चल रही है।

सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को रेलवे के अधिकारी रितेश वाधवा कानपुर शताब्दी में मौजूद थे। ट्रेन जब गाजियाबाद पहुंची तो उन्होंने एक शख्स को देखा जो टिकट जांच रहा था।

उन्होंने जब उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम भूपेन्द्र चौरसिया बताया। उसने बताया कि वह टिकट चेकर है। शक होने पर उन्होंने इसकी जानकारी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन इंचार्ज देवेन्द्र कुमार छाबड़ा को दी।

उन्होंने ट्रेन आने से पूर्व ही आरपीएफ अधिकारी को इसके बारे में बताया और उस कोच के बाहर संयुक्त टीम तैनात हो गई। प्लेटफॉर्म पर आते ही उस शख्स को आरपीएफ ने पकड़ लिया। उसकी पहचान गोरखपुर निवासी भूपेन्द्र चौरसिया के रुप में हुई। उसके मोबाइल से फर्जी आई-कार्ड भी बरामद हो गया।

आरपीएफ ने जब उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि वह अकेला टिकट चेकर नियुक्त नहीं हुआ है। उसके साथ 10 अन्य टिकट चेकर भी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी कर रहे हैं। इसके बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर डीके दीक्षित की टीम ने सभी प्लेटफॉर्म पर अभियान चलाया और 10 अन्य युवकों को पकड़ लिया। इनमें से अधिकांश ने टीसी जैसे कपड़े पहने हुए थे। इनमें से कुछ युवकों के पास फर्जी आई कार्ड या फर्जी नियुक्ती पत्र थे। भूपेन्द्र सहित तीन आरोपियों को रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

कांग्रेस को डूबता जहाज कहने वाले ही सबसे बड़े विश्वासघाती : डॉ नरेश कुमार

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता और पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र प्रभारी डॉ नरेश कुमार ने कहा है कि जो लोग आज कांग्रेस को डूबता जहाज कह रहे हैं वे सबसे बड़े विश्वासघाती हैं तथा उन्हें अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए कि इसी जहाज की सवारी कर उन्होंने सत्ता के सारे सुख भोगे हैं। डॉ कुमार ने पार्टी छोड़ने वाले गुलाम नबी आजाद पर प्रहार करते हुए कहा कि श्री आजाद को आज कांग्रेस डूबता जहाज नजर आ रहा है लेकिन जब पार्टी सत्ता में थी तो उन्होंने सत्ता के सारे सुख भोगे, मंत्री पद पर रहे और आज वह कांग्रेस के खिलाफ गलत बयान बाजी करने में लगे हैं। इससे साबित होता है कि नबी अब भाजपा के गुलाम तोते हो गए हैं जो वही बोलते हैं जैसा उनके आका चाहते हैं। कुमार ने राजधानी के रामलीला मैदान में चार सितंबर को होने वाली कांग्रेस की विशाल रैली की तैयारियों की आज यहां पटपटगंज जिले में समीक्षा बैठक में यह बात कही। यह बैठक कोंडली विधान सभा क्षेत्र में हुई जिसका आयोजन जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार की अगुवाई में होने वाली उस रैली में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के काले कारनामों से जनता को अवगत कराया जायेगा कि इस सरकार की नाकामी के चलते देश विनाश की तरफ जा रहा है।आज मंहगाई अपनी चरम सीमा पर पहुंच गई है, दूध के दाम में पिछले एक साल में छह से सात रुपए बढ़ोतरी हुई है, लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता है कि गरीब लोगों का क्या होगा। यह सब मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण हो रहा है जो अपने उद्योगपति मित्रों के लिए ही नीतियां बनाने में मशगूल हैं। इसी वरद हस्त के चलते अंबानी, अडानी लगातार अमीर हो रहे हैं। उन्होंने देश में लगातार चावल की कीमतों में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले एक हफ्ते में चावल के रिटेल दामों में सात से दस प्रतिशत की तेजी आ गई है और यह सब मुनाफाखोरो के कारण हुआ है जिन्हें भाजपा का आशीर्वाद प्राप्त है। यह पार्टी जनता पार्टी नहीं, बल्कि सरमायेदार पार्टी है। उन्होंने कहा कि देश में रेलवे में एक से पांच वर्ष के बच्चे का किराया पहले माफ था,6 से 11 वर्ष के बच्चे का आधा टिकट लगता था और बुजुर्ग लोगों को किराए में रियायत मिलती थी, लेकिन कल एक सितंबर से यह सब समाप्त हो रहा है जो बताता है कि सरकार कितनी असंवेदनसील हो चुकी है।

दिल्ली में डीजल कारों से धुआं उत्सर्जन : न केवल पुरानी बल्कि खराब रखरखाव वाली कारों को समान रूप से दोषी ठहराया जाना चाहिए !

दिल्ली। भारत में मौजूदा हल्के मोटर वाहन बेड़े में डीजल से चलने वाली यात्री कारों की महत्वपूर्ण संख्या को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं द्वारा 460 ऐसी कारों से धुएं के उत्सर्जन माप पर एक केस स्टडी की गई।, दिल्ली। स्प्रिंगर के पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान (ईएसपीआर) पत्रिका में हाल ही में प्रकाशित अध्ययन का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी शहर में डीजल से चलने वाली कारों से धुएं के उत्सर्जन (एसई) पर विभिन्न वाहन और इंजन से संबंधित स्वतंत्र चर के प्रभाव का पता लगाना है।

लगभग छह महीने की अवधि के अध्ययन में दिल्ली के विभिन्न आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों) में पंजीकृत 460 डीजल चालित कारों में भाग लिया गया, जिसमें वाहन-विशिष्ट मापदंडों, जैसे, आयु, माइलेज, रखरखाव श्रेणी, आवेदन के संबंध में डेटा एकत्र किया गया। उत्सर्जन मानदंड और कुछ इंजन से संबंधित पैरामीटर धुएं के उत्सर्जन के साथ, जबकि कारें सरकार द्वारा अनुमोदित पीयूसी (प्रदूषण नियंत्रण के तहत) प्रमाणन परीक्षण में दिखाई दीं।

शोध दल का नेतृत्व दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ राजीव कुमार मिश्रा ने किया, जिन्होंने इस खोज पर जोर दिया कि उम्र और माइलेज डीजल से टेलपाइप के धुएं के उत्सर्जन को प्रभावित करने वाले सबसे प्रमुख वाहन पहलू साबित हुए थे। कारें। जैसे-जैसे डीजल कारों की उम्र और माइलेज बढ़ती गई, धुएं का उत्सर्जन भी काफी बढ़ गया। दूसरी ओर, कार रखरखाव श्रेणी, लागू उत्सर्जन मानदंड और इंजन आकांक्षा धूम्रपान उत्सर्जन को प्रभावित करने वाले अन्य महत्वपूर्ण पैरामीटर पाए गए। मिश्रा ने कहा कि मेक-वाइज परिदृश्यों ने शीर्ष 5 डीजल-चालित कार निर्माताओं (यानी, मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर्स, महिंद्रा मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स और फोर्ड इंडिया) के लिए इस तरह के निष्कर्षों को वाहन चर पर टेलपाइप धुएं के उत्सर्जन की मजबूत निर्भरता की रिपोर्ट दी।.सह-शोधकर्ता, अभिनव पांडे ने कहा कि लागू उत्सर्जन मानदंड और रखरखाव श्रेणी से पता चलता है कि बीएस (भारत स्टेज) -ढ्ढङ्क के लिए निर्मित वाहनों और 'बहुत अच्छा' और 'अच्छा' रखरखाव रिकॉर्ड रखने वालों में बीएस- III मानदंड की तुलना में कम धुआं उत्सर्जन था। और डीजल कारें %खराब% और 'असंतोषजनक' श्रेणियों से संबंधित हैं। संपूर्ण और शीर्ष 5 मेक-वार डेटासेट के लिए डीजल से चलने वाली कारों से धुएं के उत्सर्जन पर वाहन की उम्र और माइलेज के प्रभाव के विश्लेषण ने उत्सर्जन समीकरण उत्पन्न किए हैं, जिसका उपयोग धुएं के उत्सर्जन का अनुमान लगाने के लिए किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में, उत्सर्जन समीकरणों का उपयोग करते हुए, उत्सर्जन मानदंडों के लिए संपूर्ण डेटासेट और मेक-वार डीजल कारों की अनुपालन अवधि की गणना वाहन और माइलेज के संदर्भ में की जा सकती है। इतनी उम्र और माइलेज हासिल करने के बाद, कारों को मानकों के उन विशिष्ट सेटों के अनुरूप नहीं बनाया जा सकता है।

शोध दल ने पाया कि जहां तक पूरे डेटासेट (एन = 460) का संबंध है, लगभग 7.5 वर्ष की आयु के बाद, डीजल कारों को बीएस-IV मानदंडों के अनुरूप नहीं बनाया जाएगा, जबकि उन्हें बनने में लगभग 9 साल लगेंगे। बीएस-III मानकों के अनुरूप नहीं है। इसी तरह, लगभग 95,000 किमी का माइलेज जमा करने पर कारें क्स-ढ्ढङ्क मानदंड का अनुपालन नहीं करेंगी, जबकि लगभग 125,000 किमी की दौड़ पूरी करने से वे BS-III उत्सर्जन मानदंडों का अनुपालन नहीं करेंगी। दोनों परिदृश्य ऐसी कारों के लिए पीयूसी के पुन: प्रमाणन की अनुमति नहीं देंगे। डॉ. मिश्रा ने आगे इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि बीएस-III मानक का अनुपालन न करने की 9 वर्ष की अनुमानित आयु एनसीटी दिल्ली में 10 वर्ष की अधिकतम स्वीकार्य पंजीकरण अवधि के बहुत करीब है, लेकिन बीएस के अनुपालन न करने के लिए अनुमानित आयु 7.5 वर्ष है। -IV कट-ऑफ अभी भी एक चिंता का विषय है क्योंकि आसन्न सख्त उत्सर्जन मानदंड (जैसे, BS-VI) * उपयोग में आने वाले वाहनों को उनके लिए और भी तेजी से गैर-अनुपालन करने दे सकते हैं।

कलावती देवी की पुण्य तिथि पर गरीब असहाय लोगों को भोजन फल, कपड़ा बांटा गया

संवाददाता /गौरवशाली भारत

गौतमबुद्धनगर। नोएडा सेक्टर 33 स्थित एनटीपीसी सामुदायिक केंद्र में समाजसेवी दिवंगत कलावती देवी के तीसरे पुण्य तिथि पर असहाय तथा गरीब लोगों को भोजन, फल और वस्त्र वितरित किया गया इस अवसर पर ब्रह्मश्री समाज के प्रमुख रामाशीष राय ने समाज के लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि दिखावे फिजूलखर्ची के बजाय ऐसे अवसरों पर हमे उन लोगों की मदद करनी चाहिए जो आज भी बुनियादी सुविधाओं से बंचित है।

यमुना नदी में मूर्ति विसर्जन पर रोक, 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूलने का आदेश

नई दिल्ली। यमुना नदी और जलाशयों में मूर्ति विसर्जन पर दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने रोक लगा दी है। ऐसा करने वालों पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाने की चेतावनी दी गई है। जबकि, सभी संबंधित विभागों को रोकथाम को सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। राजधानी दिल्ली में आमतौर पर गणेशोत्सव और दुर्गा पूजा के समय प्रतिमाओं को यमुना नदी या अन्य जलाशयों में विसर्जित किया जाता रहा है। हालांकि, पिछले तीन सालों में इस पर कड़ाई से रोक लगाई जाती रही है। इसी क्रम में गणेश उत्सव और दुर्गा पूजा को करीब देखते हुए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की ओर से एक बार फिर से निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें नदी और जलाशयों में प्रतिमा विसर्जन को प्रतिबंधित करते हुए पचास हजार रुपये का जुर्माना या कैद की सजा की चेतावनी दी गई है।

अतिथि अध्यापक को मिला सेवानिवृत्त सम्मान, विद्यालय स्टॉफ सहित प्राचार्य ने की प्रशंसा

संवाददाता /गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गेस्ट टीचर स्वरूप पीजीटी साइंस रविंद्र चौधरी को विद्यालय स्टॉफ द्वारा सेवानिवृत्त सम्मानित किया गया। इस दौरान एक दिन पूर्व विद्यालय में स्मृति स्वरूप स्टॉफ़ समूह सहित छवि लिया गया। रिटायर डे पर विद्यालय प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला द्वारा रवींद्र चौधरी को सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने अध्यापक रविन्द्र चौधरी के कार्यकाल के बारे में ज़िक्र करते हुए बताया कि, रविन्द्र चौधरी विद्यालय में गेस्ट फैकल्टी स्वरूप पीजीटी सांइस टीचर रहे हैं। सामाजिक स्तर और सभ्य समाज से सरोकार रखने वाले रविन्द्र चौधरी विद्यालय में सौलह वर्ष पढ़ाया है। उन्होंने उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए रवींद्र चौधरी की प्रशंसा की। सेवानिवृत्त दिवस उपलक्ष्य अध्यापक रविन्द्र चौधरी ने गौरवशाली भारत को बताया कि, उन्होंने अपने समय में कॉफी संघर्ष किया। सभी गेस्ट टीचर्स अनुबंधित भी हो गए थे। पूर्व समय में दो से तीन पीरियड मिला करते थे। प्रत्येक पीरियड के मात्र सत्तर रुपये मिलते थे। फिर भी विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और कुछ वर्षों पश्चात पाँच छह सौ रुपये करीब पीरियड में वृद्धि हुई। लेकिन, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में दिसंबर 2006 में ज्वाइन किया। सौलह वर्ष के दौरान विद्यालय स्टॉफ़ का सहयोग रहा। अध्यापक रविन्द्र चौधरी सेवानिवृत्ति के दौरान कहा कि, अब वह समाज सेवा में अपना समय देंगे। सेवानिवृत्त अध्यापक रविन्द्र चौधरी ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि, सभी विद्यार्थी आगामी परिक्षाओं के लिए भरपूर मेहनत और लगन से पढ़ाई करें और अपने माता-पिता के साथ-साथ अपने गुरुजनों का नाम रोशन करें। विदाई समारोह दिवस के विशेष अवसर पर उन्होंने अपने घर पर जलपान कार्यक्रम भी आयोजित किया।

ट्विन टावर के 30000 टन कचरे का रिसाइकिल करेगी रि-सस्टेनेबिलिटी

नोएडा। रि-सस्टेनेबिलिटी नोएडा में ढहाए गए ट्विन टावर से उत्पन्न 30,000 टन कचरे का पुनर्चक्रण (रि-साइकिल) करेगी। रि-सस्टेनेबिलिटी को कचरे का पुनर्चक्रण करने के लिए तीन माह का ठेका मिला है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि कचरे को निर्माण सामग्री में बदला जाएगा। करीब 100 मीटर ऊंचे दो टावरों को रविवार (28 अगस्त) को ढहा दिया गया था। इसे ध्वस्त करने में 3,700 किलोग्राम से अधिक विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया था। कंपनी ने बयान में कहा कि विध्वंस के 10 सेकंड के अंदर करीब 30,000 टन कचरा जमा हो गया। बयान में कहा गया है कि एशिया की प्रमुख पर्यावरण प्रबंधन और सर्कुलर कंपनी रि सस्टेनेबिलिटी को निर्माण और विध्वंस कचरे के निपटान तथा कुशल अपशिष्ट संग्रह और पुनर्चक्रण की जिम्मेदारी दी गई है।

कंपनी तीन महीने तक नोएडा के कचरा प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण संयंत्र में प्रतिदिन 300 टन कचरे का प्रसंस्करण करेगी। रि सस्टेनेबिलिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मसूद मलिक ने कहा कि कंपनी ने कचरे के पुनर्चक्रण और उसे निर्माण सामग्री में बदलने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ली है।

स्कूल के सामने शराब ठेका बर्दास्त नही : विक्रम बिधूड़ी

बालिका विद्यालय के सामने शराब ठेके के विरोध में भाजपा नेता विक्रम बिधूड़ी ने दिया धरना

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। राजधानी की सड़को पर इन दिनों दिल्ली सरकार के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं की आक्रामक रैलियां प्रदर्शन हर तरफ दिखाई पड़ रहे है।दिल्ली की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा के आरोपो एवं उप राज्यपाल द्वारा सीबीआई जांच की सिफारिश पर दिल्ली सरकार के स्वनामधन्य ईमानदार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नई आबकारी नीति को वापस तो ले लिया लेकिन दिल्ली की आम जनता का अक्रोस अब भी कम होता नही दिखाई पड़ रहा है।

कारण बहुत बड़ा है दिल्ली में सरकारी शराब के ठेको को अभी भी धार्मिक स्थल,शिक्षण संस्थान और रिहाइसी इलाको में स्थानीय आम आदमी पार्टी के विधायको की एन ओ सी के माध्यम से खोला जा रहा है।बुधवार को भाजपा दिल्ली प्रदेश प्रवक्ता विक्रम विधूड़ी की अगुवाई में दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र के पॉकेट 8 मकान नंबर 16 पर सरकारी शराब की दुकान बालिका विद्यालय के सामने खोलने से स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया जिसमे दिल्ली प्रदेश बीजेपी महिला मोर्चा अध्यक्षा योगिता सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय RWA और

महिलाओ ने भी शराब के ठेके के खिलाफ दिल्ली सरकार एवं स्थानीय विधायक सहीराम पहलवान का विरोध किया। तुगलकाबाद विधानसभा सीट से पूर्व भाजपा प्रत्यासी वर्तमान में प्रदेश प्रवक्ता विक्रम विधूड़ी ने दिल्ली सरकार की शराब नीति पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वयं को कट्टर ईमानदार कहने वाले लोगो आज दिल्ली में सबसे भ्रष्ट्राचारी सरकार के मुखिया है शराब नीति के माध्यम से दिल्ली को शराब की नगरी बनाने की मनसा वाले नेताओ ने नियमों को ताक पर रखकर पवित्र मंदिरों गिरजाघरों गुरुद्वारा और स्कूल के सामने भी शराब की दुकान खोल कर बच्चो के भविष्य को बर्बाद करने के साथ साथ दिल्ली में अपराधियों और अपराध को बढ़ावा देना चाहते हैं किसी भी धार्मिक स्थल शिक्षण संस्थान के समीप शराब का ठेका दिल्ली की जनता को बर्दास्त नही है और भाजपा के एक एक कार्यकर्ता इसका विरोध करेंगे तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र में हम शराब के ठेकों को किसी भी कीमत पर किसी भी स्कूल कालेज एवं धार्मिक स्थल पर नही खुलने देंगे। विक्रम बिधूड़ी ने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में शराब मंत्री मनीष सिसौदिया सहित कई नेताओ पर सीबीआई जांच शुरू ही हुई है फिर कैसे अपने को जांच में सीबीआई से पहले ही क्लीन चिट दे रहे हैं पूरी दिल्ली की जनता जानती है की मनीष सिसौदिया के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को भी शराब घोटाले में जेल जाना होगा फिर दिल्ली की जनता को गुमराह करने का प्रयास क्यों कर रहे हैं,स्थानीय आम आदमी पार्टी विधायक सहीराम पहलवान विकास कार्यों में पूरी तरह विफल हो गए है विकास कार्य तो पूरी तरह से ठप्प पड़े है वही विधायक एन ओ सी देकर रिहायशी इलाकों में शराब की दुकानों को खोलने में व्यस्त है। प्रदर्शन में मंडल अध्यक्ष वीरेन्द्र नागर रेहड़ी पटरी सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष राम अवतार राय मनीष बिधूड़ी,रोहित शर्मा सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

बड़ी चुनौती बना तिरंगे का 'सम्मान'

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विगत 13 से 15 अगस्त तक राष्ट्रव्यापी स्तर पर घर घर तिरंगा फहराने का एक व्यापक अभियान चलाया गया। तिरंगा यात्रायें तो अभी भी कहीं न कहीं निकाली जा रही हैं। चूँकि स्वयं प्रधानमंत्री ने घर घर तिरंगा फहराने की अपील की थी इसलिये सरकार के लगभग सभी मंत्रालय व राज्य सरकारें इस अभियान में सक्रिय रहीं। घर घर तिरंगा अभियान के दौरान तमाम तरह की बातें, अंतर्विरोध, %प्रवचन%, सुनने को भी मिले। जहां सत्ताधारियों द्वारा इस अभियान में शिरकत करने को ही राष्ट्रभक्ति का पैमाना बताया गया वहीं अतीत में तिरंगे की स्वीकार्यता व अस्वीकार्यता से जुड़े कई गड़े मुर्दे भी उखाड़े गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो तिरंगे का गुणगान करते हुये कहा कि – 'भारत के तिरंगे में केवल तीन रंग नहीं हैं, बल्कि हमारा तिरंगा हमारे अतीत के गौरव, वर्तमान के लिए हमारी प्रतिबद्धता और भविष्य के हमारे सपनों का प्रतिबिंब है। हमारा तिरंगा भारत की एकता, अखंडता और विविधता का प्रतीक है।' पिछले दिनों सूरत में एक तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि 'हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने तिरंगे में देश का भविष्य व उसके सपने देखे थे और उन्होंने इसे कभी किसी भी तरह झुकने नहीं दिया।

परन्तु तिरंगे की इतनी महत्ता बताने के बावजूद घर घर तिरंगा अभियान के किसी झंडाबरदार के मुंह से इसे फहराने के साथ साथ इसके मान सम्मान व इसकी संहिता के बारे में प्रवचन देते नहीं सुना गया। किसी को यह कहते नहीं सुना गया कि तिरंगा खादी के कपड़े का ही होना चाहिये, गुजराती सिल्क या चाइनीज़ पॉलिस्टर का नहीं। किसी ने यह नहीं बताया कि इन राष्ट्रीय ध्वज को कब और किस प्रकार से ससम्मान उतारना भी है। केवल इसके सम्मान से जुड़े भावनात्मक क़िस्से ज़रूर सुनाये गये। यह विवाद ज़रूर सामने आये कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय किस विचारधारा के लोगों ने तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। और वही लोग आज इसे न केवल स्वीकार करते दिखाई दिये बल्कि इसी राष्ट्रीय तिरंगे झण्डे के समक्ष नत मस्तक होते भी दिखाई दिये। परन्तु अफ़सोस तो यह कि न तो स्वयं को तिरंगे का उत्तराधिकारी बताने वालों ने तिरंगे की संहिता पर कोई चर्चा की और तिरंगे के नये नवेले संरक्षकों से तो ख़ैर इसकी उम्मीद ही क्या करनी ? यहां तक कि केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों ने जिन्होंने अपने कर्मचारियों के घरों पर झंडा फहराने से लेकर आसपास के घरों में भी झंडारोहण करने हेतु लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिये थे उन्होंने भी इन झण्डों को ससम्मान उतारने, इसे सहेज कर रखने व इसे क्षतिग्रस्त होने से बचाने संबंधी कोई निर्देश नहीं दिया।

राष्ट्र प्रेम में सराबोर भारतवासियों के घरों पर फहरा रहे यह तिरंगे राष्ट्रीय ध्वज अब क्षतिग्रस्त होने लगे हैं। उनका इतना दुरुपयोग हो रहा है जिन्हें शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। कोई कमर में गमछे की तरह लपेटे घूम रहा है तो कोई अपने बैठने का आसन बनाये हुये है। कोई पोछे की तरह इस्तेमाल कर रहा है तो कोई रूमाल की तरह इस्तेमाल कर अपने मुंह का पसीना पोछता नज़र आ रहा है। हद तो यह है कि बड़ी संख्या में तिरंगे कूड़े के ढेर में पड़े नज़र आने लगे हैं। वैसे तिरंगे के सम्मान की एक बानगी तो उसी समय सामने आई थी जब हरियाणा के करनाल में नगरपालिका की कूड़ा उठाने वाली एक गाड़ी पर एक सफ़ाई कर्मचारी बहुत सारे तिरंगे झंडे इकट्ठे रखकर झण्डे बांटता दिखाई दिया था। अभी भी आये दिन मीडिया के माध्यम से तिरंगे के अपमान से जुड़ी अनेक ख़बरें कहीं न कहीं से आती रहती हैं। उल्टे सीधे झण्डे की तमीज़ न कर पाना यानी केसरिया पट्टी ऊपर होगी या हरी, यह तो आम बात है। इसी तिरंगा अभियान के दौरान भी कई जगह इसतरह की ग़लतियाँ दोहराने के समाचार मिले।

बहरहाल, ऐसे में जबकि सत्ता व सरकारों अथवा प्रशासन की ओर से इस विषय पर कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है इसलिये अब यह देशवासियों का कर्तव्य है कि वे अपने व अपने पड़ोसियों के घरों दुकानों व कार्यालयों पर जहाँ कहीं तिरंगे राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहे हों उन्हें वे ससम्मान उतारें व उन्हें तह करके सुरक्षित रखें ताकि अगले वर्ष स्वतंत्रता दिवस अथवा गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्हें पुन: फहराया जा सके। तेज़ हवा, बारिश, धूप मिटटी में फटने से पहले इन झण्डों को आदर व सम्मान सहित उतार लेना चाहिये।

पाकिस्तान में श्रीलंका जैसे हालात

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत और पाकिस्तान ने एक साथ विकास की शुरुआत की थी। भारत ने अच्छी सोच के साथ शुभ शुरुआत की थी । भारत ने विकास के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में विज्ञान टेक्नोलॉजी, शिक्षा और मेडिकल साइंस में चहुमुखी विकास 1952 में पंचवर्षीय योजनाओं की शुरुआत के साथ की थी। वहीं पाकिस्तान ने मोहम्मद अली जिन्ना की सोच के साथ भारत की तरफ नफरत की निगाह रख कर चीन से दोस्ती कर ली थी, जबकि भारत ने रूस का हाथ थाम कर अनेक इस्पात के भिलाई (तत्कालीन मध्य प्रदेश) राउरकेला में बड़े-बड़े विश्व स्तरीय उद्योग स्थापित किए। पाकिस्तान अपनी सीमा में चीन के साथ रहकर ऐसा कुछ नहीं कर पाया, उसने सिर्फ नफरत की खेती को ही अपनी जमीन पर बोकर आतंकवाद की खेती को अपना उद्देश्य बनाया। आज भारत पाकिस्तान से उत्पादन, इंपोर्ट एक्सपोर्ट, विज्ञान-टेक्नॉलॉजी, स्पेस रिसर्च, मेडिकल साइंस और कंप्यूटर विज्ञान में दशकों आगे हो गया है। पाकिस्तान चीन के नेतृत्व में केवल भारत के विनाश की नीति बनाता रहा और 1961 चीन ने भारत पर आक्रमण कर दिया था, इन विषम परिस्थितियों में सोवियत संघ रूस ने भारत का साथ दिया और भारत अपनी स्थिति संभाल चुका था। इसी दिशा में 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर भी आक्रमण किया और बुरी तरह पराजित होकर बाद मैं लगातार पाकिस्तान भारत पर अलग-अलग समय पर आक्रमण करता रहा एवं पराजित होता रहा है। आज की स्थिति में चीन के कर्ज मैं डूबा हुआ पाकिस्तान अपने अनेक प्रधानमंत्रियों के गलत निर्णय तथा नीतियों के कारण दिवालिया होने की कगार पर आ गया है। पाकिस्तान ने विगत 2 दशकों से अमेरिका तथा चीन के सहारे आतंकवाद को ही अपनी नीति बनाकर पूरी दुनिया में आतंकवादियों को भेजकर वैश्विक अशांति को जन्म देता रहा है। अफगानिस्तान में भी पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ मिलकर विध्वंसक कार्यवाही की थी पर अपनी गलत फितरत के कारण पाकिस्तान ने अपने मददगार अमेरिका को भी तालिबानी आतंकवादियों के साथ मिलकर धोखा दिया और अफगानिस्तान को तालिबानी आतंकवादियों को हस्तगत करने में जरा भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई। आज की स्थिति में अमेरिका भी पाकिस्तान का दुश्मन बन चुका है। पाकिस्तान दिवालिया होने के कगार पर है और उस पर अरबों डॉलर का अमेरिकी, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड सऊदी अरेबिया और चीन का कर्ज लदा हुआ है । भारत की सामरिक तथा आर्थिक स्थिति पाकिस्तान के मुकाबले में कहीं बेहतर है और वही पाकिस्तान में भुखमरी, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, महंगाई चरम सीमा पर है जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। वहां की सरकारें लड़खड़ाती हुई शासन चला रही है। आज पाकिस्तान शहबाज शरीफ के नेतृत्व में दिवालिया होने के कगार पर बैठा हुआ है ।आगामी 3 महीने के लायक भी उसके पास आर्थिक स्थिति नहीं है कि वह देश चला सके। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष संगठन, सऊदी अरेबिया और चीन ने भी मदद के लिए इंकार कर दिया है। चीन ने पाकिस्तान की तरफ से मुंह मोड़ कर अपना कर्ज वापस मांगना शुरू कर दिया है ।पाकिस्तान ब्याज का पैसा चुकाने के लिए चीन को अपना एक बंदरगाह बालटिस्तान बेचने के लिए मजबूर है। विस्तार वादी चीन सदैव इस फितरत में रहता है कि श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश की तरह पाकिस्तान को भी कर्जे में डुबोकर उसे अपना आर्थिक गुलाम बना सके। पाकिस्तान के पास अब कोई विकल्प नहीं शेष बच गया है कि वह चीन के सामने पूरी तरह नतमस्तक हो जाए ड्रैगन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पाकिस्तान के सामने उसके कई इलाके बेचने की शर्त रखी है। ऐसे में रोते हुए पाकिस्तान के सामने चीन खिलखिला कर हंस रहा है और पूरी दुनिया इस तमाशे को देख रही है। पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता, भुखमरी, बेरोजगारी, महंगाई ने हालात बहुत खराब करके रखे हैं ।अब पाकिस्तान के पास भारत के सामने हाथ फैलाने के अलावा कोई उपक्रम शेष नहीं बचा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान एक आतंकवादी देश घोषित किया जा चुका है। जिस अफगानिस्तान को पाकिस्तान ने मदद कर आतंकवादी तालीबानों के हाथों सौंपा था अब वही तालिबानी आतंकवादी भी पाकिस्तान के दुश्मन बन चुके हैं।

एक अनोखा गांव- मलाणा

शेर सिंह

आपने मलाणा का नाम सुना होगा ? मलाणे के बारे जरूर पढ़ा होगा ? कहानियां- किस्सेल तो सुने ही होंगे ? बॉलीवुड़ द्वारा निर्मित फिल्मल, पिक्चोर तो अवश्यन ही देखी होगी ! क्याी कहा ? आपने नहीं सुना, देखा अथवा पढ़ा ? तो चलिए आपको मलाणा लिये चलते हैं ।

मलाणा एक बहुत बड़ा गांव है । गांव में लगभग 175 घर और 500 से अधिक की आबादी है । इस क्षेत्र का यह इकलौता गांव है । इस गांव के अतिरिक्त5 मलाणा में कोई और गांव अथवा बस्तीअ नहीं है । पूरे इलाके में मात्र एक ही गांव । लेकिन यह गांव है बहुत ही महत्वईपूर्ण तथा अनूठा ! अनोखा और अजब इसलिए कि इस गांव में केवल यहां के देवता का आदेश चलता है । जमलू देवता उनका अराध्य देव है । इक्कीकसवीं सदी के इस आधुनिक समय में भी इस देवता का आदेश ही गांव तथा ग्रामवासियों के लिए कायदे और कानून है । आदेश है । देवता द्वारा स्था पित अथवा जारी आदेश, नियम, कानूनों का पालन- अनुपालन करना ग्रामवासियों की जिम्मेथदारी है । उनका धर्म है । उनका मान है । उनकी संस्कृनति व संस्कादर है । आपको जिज्ञासा हो रही होगी कि देवता कैसे आदेश, हुक्म दे सकता है ! देवता की मूर्ति तो बोल नहीं सकती है । चल- फिर नहीं सकती है । आपका ऐसा सोचना बिल्कुील बाज़िव है । लेकिन जमलू देवता न केवल बोलता है, बल्कि नाचता- गाता भी है । गांव और अपने इलाके, अपने विशेष स्थ लों, ठिकानों में भ्रमण पर भी निकलता है । यह कैसे संभव है ? आप सोच रहे होंगे । दरअसल जमलू देवता का गूर यानी चेले पर जमलू देवता की खेल आती है । जब गूर मतलब चेले पर खेल आती है, तो गूर के श्रीमुख से देवता बोलने लगता है । भविष्यबवाणी करता है । लोगों को किसी भी संभावित संकट से सावधान करता है । चेतावनी देता है । नियम और कानून बनाने के लिए भी ग्रामवासियों को आदेश देता है । गूर जमलू देवता और ग्रामीणों के मध्ये संवादिया का काम करता है । गूर अत्यंलत आदरणीय और श्रद्धा का पात्र होता है । पूरे गांव में केवल एक या दो ही गूर होते हैं । समय के साथ- साथ गूर बदलते रहते हैं । वयोवृद्ध होकर गूर जब स्वोर्ग को गमन करता है, तो कोई नया गूर उसका स्थौन लेता है । नए गूर का चयन भी गांव के युवाओं के मध्यव से ही स्व यं देवता जमलू द्वारा किया जाता है । देवता का एक पुजारी भी होता है । वो भी पैतृक आधार पर पुजारी नहीं बनता है । उसका भी चयन किया जाता है । जमलू देवता के मंदिर के भीतर पुजारी के अतिरिक्तन कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है ।

जमलू दरअसल जमदग्नि ऋषि है । जमदग्नी ऋषि को ही यहां जमलू देवता कहा जाता है ।

जमदग्नी ऋषि यहां देवता के रूप में विराजमान है । इनका ग्राम देवता के रूप में ही पूजा- अर्चना की जाती है । जमलू का वर्णन पुराणों में भी मिलता है । यह उल्लेरखनीय है कि आर्यों से भी पहले जमदग्नि ऋषि की उपासना की जाती है । यह तो हुई ग्राम देवता से संबंधित जानकारी । परन्तुह यह गांव साधारण होने के बावजूद विशेष है । अपनी इसी विशेषता के कारण ही विख्याात है । यह विशेषता है, संसद जैसा गांव का अपना परिषद । गांव का अपना संसद ? माना जाता है कि यह संसार की सबसे पुरानी संसद है । जैसा ऊपर उल्लेवख किया गया है, यहां देश का नियम- कानून नहीं चलता है । ये अपने गांव के संसद या परिषद द्वारा बनाए नियम, कानून को ही मानते हैं । कहा तो यही जाता है कि ये नियम- कानून देवता जमलू द्वारा बनाए गए हैं । गांव के लोग केवल उनका अनुसरण करते हैं । प्राचीन काल में स्थाापित जीवन पद्धति का चलन यहां आज भी बिना किसी परिवर्तन के बदस्तू र जारी है । प्राचीन काल में बनाए उन्हीं कानूनों के अनुसार कार्य- व्यकवहार करते हैं । संसद में दो सदन होते हैं । ऊपरी सदन और निचले सदन । ऊपरी सदन को ज्योष्टांसग तथा निचले सदन को कनिष्टां ग कहा जाता है । दोनों सदनों के सदस्योंद का चुनाव गांव के लोग ही करते हैं । इस में 11 सदस्यस होते हैं । निचले सदन द्वारा कोई भी नियम- कानून बनाने के बाद उसे सर्वसम्मइति से पारित कर, ऊपरी सदन को मंजूरी हेतु भेजा जाता है । ऊपरी सदन उस पर विचार- विमर्श करता है । सदस्य इसके गुण –दोष, पक्ष और विरोध में बहस करते हैं । आवश्य क हुआ, तो निचले सदन द्वारा अनुमोदन हेतु भेजे नए नियम- कानून में सुधार, संशोधन करते हैं । जब सभी सदस्यद सामूहिक रूप से एक मत होकर उसे स्वी कार कर लेते हैं, अथवा स्वीनकृति दे देते हैं, तो वह प्रस्तातव गांव के लिए नियम- कानून बन जाता है । गांव के सभी लोगों को उसका पालन करना होता है । यदि कोई व्यनक्ति इन नियम –कानूनों की अवहेलना करता है, अथवा पालन नहीं करता है, तो उसे दंड़ित करने का भी प्रावधान है । दंड़ित करने की शक्ति परिषद यानी संसद सदस्यों के पास होती है । संसद जैसा ग्राम परिषद का चुनाव प्रत्ये क तीन वर्ष में होता है । मलाणा विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र माना जाता है । इस गांव के बारे में कहा तो यही जाता है कि भारत की प्राचीन सभ्याता और संस्कृ ति का यह अनूठा उदाहरण है, जो आज की इस अत्याहधुनिक समय में भी अपनी प्राचीन सभ्य ता और संस्कृाति को बचाए हुए हैं । मलाणा ग्रामवासी अत्यसधिक धार्मिक प्रवृत्ति के हैं । अत्यंसत धर्मभीरू और देवी- देवताओं पर अगाध आस्था व विश्वा्स करने वाले । वे अपने से अधिक जमलू देवता पर विश्वायस करते हैं । सच्चे मन और पूरी ऋद्धा के साथ पूजा- अर्चना करते हैं । चूंकि पूरा गांव ही अपने धर्म को अत्यरधिक मानने वाला है, इसलिए यहां बहुत सी वस्तुरएं निषेध एवं त्यावज्यध हैं । यहां निम्ने जाति से संबंधित कोई परिवार अथवा लोग नहीं हैं । छूआछूत को बहुत अधिक मानते हैं । अपने गांव से बाहर का कोई भी व्य क्ति हो, उसे अछूत मानते हैं । कोई भी बाहरी व्यगक्ति गांव तथा जमलू देवता की आज्ञा, अनुमति के बिना गांव में प्रवेश नहीं कर सकता है । चमड़े से बनी किसी भी वस्तुव के साथ, किसी को भी गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाती है । निषेधित वस्तुिओं में छोटा सा पर्स अथवा मोबाइल का केस ही क्योंन न हो, उन्हेंव भी गांव में प्रवेश के समय साथ रखने की सख्तज मनाही है । यदि कोई भूल से भी ऐसी गलती कर बैठता है, तो उसे दंड़ित किया जाता है । किसी घर की दीवार को छू भर लेने से जुर्माना लगा देते हैं । गांव में जगह- जगह चेतावनी, सावधानी बरतने के नोटिस बोंड़ प्रदशित किये गए हैं ।

गांव के लोग सीधे- सादे, भोले- भाले, साधारण लिबास- पहनावे में होते हैं । सभी मौसम में अधिकतर गर्म वस्त्रे पहने रहते हैं । परन्तु अपने धर्म के प्रति बहुत कट्टर एवं आस्थीवान होते हैं । जमलू देवता उनका सब कुछ है । मान्यरत-है, जमलू देवता के पांच भाई व पांच बहनें हैं । घेपन देवता लाहुल में, जीवनारायण ज़ाणा गांव में तथा बहने अलग- अलग गांव में विराजमान हैं । मलाणा गांव के लोगों का मानना है कि जमलू देवता बहुत शक्तिशाली है । किंवदंती है, उसे अपने माता- पिता से शक्ति रूप में कुछ भी नहीं मिला था । आयु में सबसे छोटा होने के कारण अपने भाई-बहनों से थोड़ी –थोड़ी शक्ति सभी से अर्जित हुई थी । इसलिए उम्र में छोटा होने के बावजूद, सबसे अधिक शक्तिशाली देवता माना जाता है । देवता को प्रसन्नह करने अथवा यात्रा पर निकलने के दौरान भेड़ या बकरी की बलि दी जाती है । मान्यवत-यही है कि इससे देवता प्रसन्न होता है, और मनचाही मुरादें पूरी करता है ।

पूरे साजो- सामान, कारकूनों, ग्रामवाकसियों सहित जमलू देवता तीर्थस्था नों में स्ना न करने, (इसमें शाही स्ना न भी शामिल है) अपने भाई- बहनों से भेंट करने हेतु देशाटन, तीर्थयात्रा पर निकलता है । जब यात्रा पर होता है, तो मार्ग में विभिन्नथ स्थासनों पर पड़ाव डालता है । राशन- पानी, वर्तन- भांडे साथ उठाए लोग देवता के रथ के साथ- साथ पैदल यात्रा करते हैं । तीर्थयात्रा अथवा देशाटन के दौरान 5 से 15 दिनों का समय लग जाना आम बात है ।

विलक्षण पक्षी अबाबील का विलक्षण घोंसला

तनवीर जाफ़री

लगभग दस वर्ष पूर्व मेरी नज़र मेरे घर की पहली मंज़िल के वरांडे के ऊपरी हिस्से में एक कोने में पड़ी। उस स्थान पर गीली मिट्टी के कुछ छींटे पड़े नज़र आये। शुरू में इस प्रकार लगभग दस फ़िट की ऊंचाई पर मिटटी कीचड़ के छींटे देखना अत्यंत रहस्यमयी लगा। धीरे धीरे इस कीचड़ मिट्टी ने एक आकार लेना शुरू कर दिया। अब यह समझ में आ ही गया कि यह कोई चमत्कार या करिश्मा अथवा रहस्यमयी घटना नहीं बल्कि किसी पशु पक्षी अथवा कीड़े मकोड़े द्वारा किया जाने वाला प्रयास है। कुछ ही दिनों में दीवार पर चिपका हुआ एक शंकुआकर घोंसला तैयार हो गया। अभी तक घोंसले के निर्माता के दर्शन नहीं हो सके थे। दिन में न जाने किस समय इस घोंसले के %निर्माता इंजीनियर्स% आते और रोज़ अपना आशियाना कुछ और आगे निर्मित कर कहीं और चले जाते। अचानक एक रात मेरा ऊपरी मंज़िल पर जाना हुआ। तो देखा कि दो पक्षी दीवार से चिपककर बनाये गये मिट्टी के बने अपने उसी घोंसले में बैठे हैं। अध्ययन करने से पता चला कि यह अबाबील नामक पक्षी है जो गीली मिट्टी और भूसे में अपनी लार के गारे से अपना घोंसला बनाती है। खड़ी, सीधी, पक्की व पेंट की हुई दीवार पर लगभग दो किलो मिट्टी का मलवा शंकुआकर चिपका देना और वह भी दस वर्षों से अधिक समय तक चिपके रहना और अपने इसी स्थायी मकान में रहते हुये अब तक अपने ख़ानदान में निरंतर वृद्धि करते रहना निश्चित तौर पर आश्चर्य जनक है। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह घोंसला बिल्ली, इंसान, कौव्वा, उल्लू, सांप आदि सभी की पहुँच से दूर है। चमगादड़ के हमले से बचने के लिये अबाबील अपने घोंसले में अजवाईन की पत्तियां लाकर रखती हैं। इसकी सुगंध से चमगादड़ नहीं आती।

ख़ैर, धीरे धीरे इन पक्षियों का दिन में भी घोंसले में आवागमन शुरू हुआ। काली सफ़ेद धारियों वाले और मूछों की तरह लंबी घुमाव दार पूंछ वाले इस पक्षी के विषय में जब शोध किया तो पता चला कि यही रहस्यमयी अबाबील पक्षी है जोकि अपना स्थायी घोंसला बनाता है। दस वर्षों से इनका यह घोंसला उसी जगह क़ायम है। दो वर्ष पूर्व एक बार उस घोंसले की ऊपरी हिस्से की मिट्टी किसी कारण टूट कर गिर गयी। मात्र दो दिनों में इन्होंने उसकी मुरम्मत कर उसे पहले से भी मज़बूत कर लिया। पिछले दिनों इन्हीं की शारीरिक संरचना से मिलते जुलते परन्तु भूरे व काले रंग की धारियों वाले पक्षियों का जोड़ा इनके घोंसले में आता जाता दिखाई दिया। वह भी इन्हीं के परिवार के चाची-मौसी हैं। साथ ही पहले से रह रहे सफ़ेद काली धारी वाली अबाबील भी सक्रिय थी। कुछ समय बाद दोनों ने इसी घोंसले में अंडे दिये। अब उसमें दोनों परिवारों के बच्चे एक साथ पल रहे हैं। उन्होंने उड़ना भी शुरू कर दिया है। इनका चहचहाना व चौकड़ी भरने वाली उड़ान अत्यंत मनमोहक लगती है। इसे दुनिया में सबसे अधिक और सबसे तेज़ उड़ने वाले पक्षियों में एक माना जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इनकी सबसे लंबी निरंतर उड़ान अवधि का पिछला रिकॉर्ड 6 महीने का था। अबाबील का ज़िक्र क़ुरआन शरीफ़ में भी मिलता है। कहा जाता है कि काबा पर हमला करने आयी सेना पर करोड़ों अबाबील के झुंड ने पत्थरों की बारिश कर उन्हें मार डाला था। अबाबील के बारे में यह भी कथन प्रचलित है कि जिस घर में इनका घोंसला रहता है वहाँ हराम व भ्रष्टाचार की कमाई प्रवेश नहीं करती। अबाबील का घोंसला सिंगापुर तथा हांगकांग के बाज़ारों में लगभग डेढ़ लाख रुपए प्रति किलोग्राम है। जबकि अमेरिका में इसकी क़ीमत चार लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक है। अबाबील के घोंसले का सूप बनाया जाता है जिसे चीनी लोग सबसे महंगा खाद्य पेय मानते हैं। प्रत्येक वर्ष इसका व्यापार अरबों डॉलर में होता है। महंगे चीनी रेस्तरां तथा अमीर लोगों के घरों में भोजन के साथ विशेष अवसरों पर अबाबील के घोंसले से बने सूप का सेवन किया जाता है। चीन, थाईलैंड, इंडोनेशिया, वियतनाम, मलेशिया तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ अन्य देशों में इन घोंसलों का इतने व्यापक पैमाने पर दोहन किया जाता है कि अब इस पक्षी का अस्तित्व ही ख़तरे में पड़ गया है।

गन्ने के अपशिष्ट से चीनी का विकल्प तैयार करने की नई तकनीक

केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी गुवाहाटी से जुड़े इस अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर वीएस मोहोलकर ने कहा है कि अल्ट्रासाउंड के उपयोग से पारंपरिक प्रक्रियाओं में लगने वाला लगभग 48 घंटे का किण्वन समय घटकर 15 घंटे हो गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने गन्ने की खोई (गन्ने की पेराई के बाद बचे अवशेष) से ज़ाइलिटोल नामक चीनी के सुरक्षित विकल्प का उत्पादन करने के लिए अल्ट्रासाउंड-समर्थित किण्वन (फर्मेंटेशन) विधि विकसित की है। यह विधि; संश्लेषण के रासायनिक तरीकों के परिचालन की सीमाओं और पारंपरिक किण्वन में लगने वाले समय को कम कर सकती है। मधुमेह रोगियों के साथ-साथ सामान्य स्वास्थ्य के लिए भी सफेद चीनी (सुक्रोज) के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ चीनी के सुरक्षित विकल्पों की खपत में वृद्धि हुई है। ज़ाइलिटोल प्राकृतिक उत्पादों से प्राप्त शुगर अल्कोहल है, जिसके संभावित रूप से एंटी-डायबिटिक और एंटी-ओबेसोजेनिक प्रभाव हो सकते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि ज़ाइलिटोल एक हल्का प्री-बायोटिक है, और दांतों के क्षरण को रोकने में मदद करता है। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी गुवाहाटी से जुड़े इस अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर वीएस मोहोलकर ने कहा है कि अल्ट्रासाउंड के उपयोग से पारंपरिक प्रक्रियाओं में लगने वाला लगभग 48 घंटे का किण्वन समय घटकर 15 घंटे हो गया है।

इसके साथ-साथ उत्पाद में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। किण्वन के दौरान केवल 1.5 घंटे के अल्ट्रासोनिकेशन का उपयोग किया गया है, जिसका अर्थ है कि अधिक अल्ट्रासाउंड पावर की खपत नहीं होती है।

पुस्तकों का दान : एक बार जब आप पढ़ना सीख लेते हैं, तो हमेशा के लिए आजाद हो जाते हैं : फडरिक डगलस

पुस्तकें आपको सोचने-समझने पर विवश करती है और मनुष्य को मनुष्य बने रहने के लिए पुस्तकों के करीब होने की अप्रतिम जरूरत है। जिज्ञासा ही मानव जाति को आगे बढ़ने और नित नए आविष्कार करने की तरफ प्रेरित करती हैं। जिस मनुष्य में नई चीज़ों के प्रति उत्सुकता ख़त्म हो चुकी है, उसने ज़िन्दगी जीने की कला का अनुभव ही नहीं किया है। इसी देश में केरल राज्य की 80 वर्षीय महिला का कम्युनिटी सेंटर पर कंप्यूटर सीखने की ललक का भी उदाहरण है और हमारे देश का एक ऐसा वर्ग भी है जिनके घरों में किताबें धूल फाँकती हुई अंतिम साँसें गिन रही हैं। किसी काम के ना करने के सौ तर्क और बहाने हो सकते हैं लेकिन उस काम को करने का एक ही बहाना है कि उसको करना है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भी कहा है कि किसी कार्य के पहले उस कार्य की अधि- विवेचना उस कार्य के ना करने के करीब ले जाती है। किताबों से इश्क़ के ज़माने शायद लड़ गए हैं या फिर वो इश्क़ सिर्फ सेल्फी लेने या सोशल मीडिया पर पोस्ट करने तक ही रह गई है और इस बात की पुष्टि किताब की खाली दुकानों और हर हाथ में मोबाइल को देखकर समझा जा सकता है। मशहूर गीतकार और निर्देशक गुलज़ार की निम्न कविता में

किताबों के एकाकीपन का दर्द खूब छलक कर आता है –

'किताबें झाँकती हैं बंद अलमारी के शीशों से
बड़ी हसरत से तकती हैं
महीनों अब मुलाक़ातें नहीं होतीं
जो शामें उन की सोहबत में कटा करती थीं, अब अक्सर
गुज़र जाती हैं कम्प्यूटर के पर्दों पर
बड़ी बेचैन रहती हैं किताबें
उन्हें अब नींद में चलने की आदत हो गई है
बड़ी हसरत से तकती हैं
जो क़द्रें वो सुनाती थीं
कि जिन के सेल कभी मरते नहीं थे
वो क़द्रें अब नज़र आती नहीं घर में
जो रिश्ते वो सुनाती थीं
वो सारे उधड़े उधड़े हैं
कोई सफ़्हा पलटता हूँ तो इक सिसकी निकलती है
कई लफ़्ज़ों के मअनी गिर पड़े हैं
बिना पत्तों के सूखे तुंड लगते हैं वो सब अल्फ़ाज़
जिन पर अब कोई मअनी नहीं उगते
बहुत सी इस्तेलाहें हैं
जो मिट्टी के सकोरों की तरह बिखरी पड़ी हैं
गिलासों ने उन्हें मतरूक कर डाला
ज़बाँ पर ज़ाइक़ा आता था जो सफ़्हे पलटने का
अब उँगली क्लिक करने से बस इक झपकी गुज़रती है
बहुत कुछ तह-ब-तह खुलता चला जाता है पर्दे पर
किताबों से जो ज़ाती राब्ता था कट गया है
कभी सीने पे रख के लेट जाते थे
कभी गोदी में लेते थे
कभी घुटनों को अपने रेहल की सूरत बना कर
नीम सज्दे में पढ़ा करते थे छूते थे जबीं से
वो सारा इल्म तो मिलता रहेगा आइंदा भी
मगर वो जो किताबों में मिला करते थे सूखे फूल और
महके हुए रुकए
किताबें माँगने गिरने उठाने के बहाने रिश्ते बनते थे
उन का क्या होगा
वो शायद अब नहीं होंगे !

किताबें इश्क़ की इबारत लिख सकती हैं तो इतिहास बनाने और बदलने का भी जिगर रखती हैं। किसी ने सही कहा है कि तानाशाहों को सबसे ज्यादा डर किताबों से ही लगता है। किताबें वाद-विवाद और प्रश्न करना सिखाती हैं, किसी भी चीज़ पर प्रश्न खड़ा कर सकती हैं और एक निरीह को सशक्त बना सकती है। इंदिरा गांधी भी कहती हैं कि जो शिक्षा आपको सबल ना कर पाए, वो व्यर्थ है। किसी भी राष्ट्र की खुशहाली और शक्तिशाली होने के पीछे भी किताबें ही हैं। जिस देश की साक्षरता दर जितनी ज्यादा है वह राष्ट्र उतना ही उन्मुक्त है और नए विचारों को बढ़ावा देता है। आज पूरी दुनिया मोबाइल पर पढ़ने-लिखने की तरफ भाग रही है लेकिन पढ़ने और पढ़ाने के लिए आज भी चॉक एन्ड टॉक पद्धति से कारगर दूसरी पद्धति नज़र नहीं आती। पढ़ने का अर्थ एक-दूसरे से चर्चा करना भी है जो मोबाइल हमसे छीनती जा रही है – शब्दों के साथ चेहरे के भाव नहीं मिलते सोशल मीडिया की दुनिया में। आज भी हमारे देश एक बहुत बड़ा भाग डिजिटल मिडिया से दूर है; वजहें कई हैं – गरीबी, तकनीक की कमी, अपनी लोकल भाषा में जानकारी ना मिल पाना इत्यादि। अत: जरूरत है किताबों के दान की। हर घर में जहाँ बच्चे स्कूल जाते हैं और जिनके पैरेंट्स अच्छी जॉब कर रहे हैं या जो लोग किताबों के शौक़ीन हैं, वहाँ साल-दर-साल पुरानी किताबें जमा होती रहती हैं जिन्हें किसी और तक पहुँचने की सख्त जरूरत है। यदि आपके आस-पास जरूरतमंद बच्चे हैं तो किताबें उन्हें देकर ज्ञान बाँटने से बढ़ता है वाली परम्परा को आगे बढ़ाएँ या फिर आस पास के लाइब्रेरी में दें। कबाड़ी के पास अमूल्य ज्ञान को कौड़ी के भाव बेचने से बेहतर है कि उन्हें किसी और को दे कर एक पढ़ी-लिखी पीढ़ी के निर्माण में अपना योगदान दें। पढ़ने की संस्कृति विकसित करने में किताबों की उपलब्धता सबसे बड़ी शर्त है और हम सब उस शर्त को पूर्ण करने में अपना अहम् योगदान कर सकते हैं। यदि मैं किताब होती, तो मैं लाइब्रेरी की किताब बनना पसंद करती, ताकि हर तरह के बच्चे मुझे उठाकर घर ले जाते। –कॉर्नेलिया फंके

सलिल सरोज
कार्यकारी अधिकारी
लोक सभा सचिवालय, नई दिल्ली
9968638267

शार्ट न्यूज

सीएम योगी के खिलाफ आपत्तिजनक ट्वीट करने वाला शख्स गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस मामले में नरही थाना इलाके के कोट मझरिया गांव निवासी सुरेंद्र यादव को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। यादव ने सोमवार को ट्विटर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट की थी। नरही थाना प्रभारी पन्ने लाल के मुताबिक अखिल भारतीय क्षत्रिय मंच के प्रभारी बृजेश सिंह ने इस मामले में मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई थी। पन्ने लाल ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए यादव के खिलाफ आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

शारजाह से आए यात्री के गुप्तांग में मिला 34 लाख का सोना, वाराणसी एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान चौंके अफसर

बाबतपुर(वाराणसी)। वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने एक यात्री के गुप्तांग से 34 लाख का सोना बरामद किया है। शाहजाह से आए यात्री के पास से यह बरामदगी हुई है। यात्री की अजब चाल देखने के बाद अधिकारियों को शक हुआ था। इसके बाद चेकिंग हुई तो अधिकारी हैरान रह गए। पकड़े गए यात्री की पहचान बुलंदशहर के गुलाओठी के रहने वाले अकरम के रूप में हुई है। उसने सोने का पेस्ट बनाकर कैप्सूल के रूप में उसे अपने गुप्तांग (मलाशय) में छिपाया था। गुप्तांग से तीन कैप्सूल निकाले गए। इन कैप्सूल से कुल 671.900 ग्राम सोना मिला। इसकी कीमत 34 लाख 46 हजार 847 रुपये है। सोना जब्त करते हुए यात्री पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

सुलतानपुर : ससुराल आए दिव्यांग ने नहर में लगाई छलांग, पुलिस ने बचाई जान

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में नहर में डूब रहे दिव्यांग को पुलिस बचा लिया। दरअसल, महेश्वरगंज नहर के पुल पर पुलिस प्रतिदिन की तरह गश्त पर थी। यहीं पर संग्रामपुर थाना क्षेत्र के भैरोपुर गांव निवासी रामसमुझ धम्मौर स्थित जनकपुर गांव में अपनी ससुराल आया हुआ था। किसी बात को लेकर वह निराश हो गया। ससुराल से निकलकर वह आत्महत्या का ठिकाना ढूंढते हुए महेश्वरगंज पुलिया के पास पहुंच गया। वह ट्राई साइकिल को हाथ से चलाता पहुंचा था। फिर ट्राई साइकिल को किनारे खड़ी करके वह नहर में कूद गया। उधर पुलिस की गाड़ी इधर से निकल रही थी। छपाक की आवाज आने पर थानाध्यक्ष गौरीशंकर पाल की निगाह पड़ गई। वह ट्राई साइकिल की ओर दौड़े और टॉर्च मारकर जब बहते हुए नहर में देखा तो एक युवक डूबता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने लोगों के प्रयास से युवक को नहर में कूदकर बचाया। इसके बाद उन्होंने उसे समझाया,वह व्यक्ति अपने किए पर पछतावा जता रहा था। पुलिस के इस कृत्य से आसपास के लोगों ने वर्दीधारियों की सराहना की है।

देवरिया में गबन के आरोपी पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान पर मुकदमा

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के गौरीबाजार क्षेत्र में सरकारी धन के गबन और दुरूपयोग करने के मामले में पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान के खिलाफ बुधवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आधिकारिक प्रवक्ता ने यहां बताया कि गौरीबाजार विकास खंड के धनौती ग्राम पंचायत के एक शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी सिंह से ग्राम पंचायत में बिना कार्य कराए भुगतान करने एवं कुछ निर्माण कार्यों में घटिया गुणवत्ता की शिकायत की थी जिसकी जांच जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंपी, जिन्होंने अपनी रिपोर्ट में गबन एवं शासकीय धन के दुरुपयोग की पुष्टि की। प्रवक्ता ने बताया कि जांच रिपोर्ट में आरोपी प्रधान जलालुद्दीन और पंचायत सचिव चन्दन कुमार ने के 3,39,860 का गबन एवं साठ हजार का दुरुपयोग की पुष्टि की है। उत्तर प्रदेश पंचायत राज नियमावली संशोधित 1991 के नियम 178 के तहत व्यवस्था दी गई है कि गांव कोष को रखना और उसका लेनदेन (1) निर्धारित अधिकारी के साधारण नियंत्रण के अधीन कोष का प्रबंध ग्राम पंचायत करेगी। कोष से गबन एवं दुरुपयोग की गई है।

त्रिलोक तीर्थ धाम बना है श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत की धर्म नगरी बड़ौत में बुधवार शुरू हुये दशलक्षण पर्व को लेकर जैन श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। जैन श्रद्धालु बड़े ही उत्साह के साथ दशलक्षण पर्व को मनाते है। नगरों को तोरण द्वारो से सजाया जाता है। दरअसल, बागपत की धर्मनगरी बड़ौत का धार्मिक गतिविधियों से वर्षों से गहरा नाता रहा है। यहां पर देश के प्रसिद्ध सुधर्माचार्य के सानिध्य में चातुर्मास व पंचकल्याणक हो चुके हैं। इतना ही नहीं यहाँ जैन धर्म के 13वे तीर्थंकर मल्लिका भगवान का 17 बार समोशरण हो चुका है। चातुर्मास और पंचकल्याणक में देश के वर्तमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मध्यप्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह व उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल सूरजभान तक भी शामिल हो चुके है। बड़ागांव के त्रिलोक तीर्थ धाम के पंचकल्याणक महोत्सव में राजनीतिक क्षेत्र की तमाम हस्तियां भाग ले चुकी है। दिगंबर जैन प्रमागम मंदिर कमेटी बड़ौत के अध्यक्ष विनोद कुमार जैन ने बताया कि जिले में कमोवेश एक सौ जैन मंदिर है। ये मंदिर जनपद के बरनावा, बड़ागांव, बिनौली, टीकरी, सरूरपुर, बावली, कोताना, बागपत, दोघट, अमीनगर सराय, खेकड़ा, दाहा, अग्रवाल मंडी टटीरी, किशनपुर बराल, मलकपुर, बड़ौली आदि गांवों व कस्बो में स्थित है। अकेले धर्मनगरी के रूप में पहचान बनाने वाले बड़ौत में ही जैन धर्म से जुड़े 11 मंदिर हैं। जिसमें बड़ा जैन मंदिर, दिगंबर जैन मंदिर, गुराना रोड, दिगंबर जैन मंदिर पारस बिहार, साधुवृति आश्रम दिगंबर जैन मंदिर दिल्ली रोड, दिगंबर जैन अतिथि भवन मंदिर, अजितनाथ दिगंबर जैन मंदिर, शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कैनाल रोड, महावीर स्वामी दिगंबर जैन प्रमागम मंदिर व श्वेतांबर मंदिर आदि शामिल हैं। यहां पर जैन श्रद्धालु नियमित पूजा अर्चना करते हैं।

राधा अष्टमी पर ब्रजमंडल में 'डार डार अरू पात पात' में राधे राधे की गूंज

मथुरा। उत्तर प्रदेश की कृष्ण नगरी मथुरा सहित समूचे ब्रजमण्डल में जिस जोश खरोश से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है, उतने ही जोश खरोश से राधाष्टमी मनाई जाती है। राधा अष्टमी पर तो समूचे ब्रजमण्डल में 'डार डार अरू पात पात' में राधे राधे की प्रतिध्वनि गूंजती है। इस साल चार सितंबर को राधा अष्टमी मनायी जायेगी। मदनमोहन मन्दिर एवं मथुराधीश मन्दिर जतीपुरा के मुखिया ब्रजेश जोशी 'ब्रजवासी' ने बुधवार को बताया कि पुराणों में भगवान श्रीकृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां अवतार माना जाता है। साथ ही राधारानी का अवतरण लक्ष्मी के रूप में हुआ था। ब्रज में तो यह भी कहा जाता है कि राधा के बिना कृष्ण नहीं हैं और कृष्ण के बिना राधा नही हैं। ब्रज के कुछ मन्दिरों में तो राधा और कृष्ण के बारे में कहा जाता है कि वे एक स्वांस दो गात हैं तथा एक दूसरे के पूरक हैं। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक राधा का जन्म यद्यपि उनके ननिहाल रावल में हुआ था, पर उनका अधिकांश समय बरसाने में बीता। इसलिए बरसाना और राधारानी एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए। वैसे बरसाना हो या नन्दगांव अथवा वृन्दावन या ब्रज का अन्य तीर्थ, राधा भक्त सदैव अपने ऊपर राधा की कृपा का अनुभव करते हैं। बरसाना में लाड़ली मन्दिर के सेवायत के अनुसार राधा अष्टमी पर लाड़ली मन्दिर इस बार 3 सितंबर की रात 12 बजे से मूल शांति का कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। चूंकि राधाजी का जन्म मूल नक्षत्र में हुआ था। इसलिए 27 कुओं के जल, 27 पेड़ों की पत्ती, 27 स्थान की मिट्टी, पंच मेवा, अनाज, सवा मन दूध, सवा मन दही, घी, शहद, बूरा, औषधियों आदि के प्रयोग के साथ पहले मूल शांति होती है और फिर पांच बजे से अभिषेक होता है।

एनडीआरएफ की नाव से उफनाई गंगा में उतरे सीएम योगी, बाढ़ का लिया जायजा

एजेंसी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को पूर्वांचल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे। गाजीपुर और चंदौली में हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सीएम योगी वाराणसी पहुंचे। यहां खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंगा में एनडीआरएफ की नाव से बाढ़ का जायजा लिया। वाराणसी आने से पहले सीएम योगी को चंदौली में भी उतरना था लेकिन मौसम की खराबी के कारण वह गाजीपुर में राहत सामग्री का वितरण कर वाराणसी आ गए।

सीएम योगी वाराणसी में अस्सी घाट से एनडीआरएफ की बोट में सवार हुए। उफनाई गंगा से होते हुए बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इसके बाद अस्सी स्थित गोयनका संस्कृत विद्यालय में पहुंचे। यहां बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और राहत पैकेट का वितरण किया। सीएम योगी ने पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा जताया। यहां सीएम योगी ने 65 परिवारों को राशन किट, आलू की बोरी वितरित की। इसके साथ ही शिविर में रह रहीं महिलाओं को डिग्निटी किट (महिलाओं के जरूरत का सामान) भी दिया।

सीएम योगी के साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद रहे। बाढ़ शिविर के बाद सीएम योगी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए रवाना हो गए। यहां से वह सर्किट हाउस पहुंचेंगे। वहां विकास कार्यों, बचाव राहत कार्य व कानून व्यवस्था पर समीक्षा बैठक करेंगे।

लखनऊ में सपा मुख्यालय के पास गरजा बुलडोजर, अवैध अतिक्रमण किए गए ध्वस्त

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार को एक बार फिर बुलडोजर गरजा। विक्रमादित्य मार्ग स्थित समाजवादी पार्टी के मुख्यालय के पास इस बार बुलडोजर से अवैध अतिक्रमण ध्वस्त कर दिए गए। अचानक हुई कार्रवाई से हड़कंप मच गया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में नगर निगम ने कार्रवाई की। इस दौरान एक महिला ने विरोध स्वरूप अपना बाल भी मुंडवा लिया। सपा कार्यालय के आसपास बड़े पैमाने पर झंडे-बैनर की दुकानें लगी थीं। इन्हीं दुकानों में एक बाल मुंडवाने वाली महिला की भी थी। सपा दफ्तर के आसपास झंडे-बैनर और टोपी-स्टिकर की इन दुकानों पर हुए बुलडोजर एक्शन को लेकर नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि पिछले 4 महीने से दुकानों को हटाने का नोटिस जारी किया गया था। मगर इन लोगों ने नहीं सुनी। इसके बाद जुर्माने की नोटिस भी दी गई थी, मगर फिर भी लोगों ने कब्जा नहीं छोड़ा। इसके बाद आज इन अवैध कब्जों पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई है। दरअसल, सपा दफ्तर के सामने कई सालों से राजनीतिक पार्टियों के झंडे- स्टिकर और बैनर की दुकानें लगी हुई थीं। अब नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद दुकानदारों में भी रोष देखने को मिल रहा है। नगर निगम के इस बुलडोजर एक्शन के विरोध में तो एक महिला दुकानदार ने अपना सिर मुंडवा लिया और कहा कि जब तक उसे न्याय नहीं मिलेगा तब तक वह अपने बाल नहीं रखेगी। दुकानदारों का कहना है कि नगर निगम ने पैसे जमाकर दुकानों को आवंटित कराने की बात कही थी। इसके बाद भी अचानक कार्रवाई कर दी गई है।

अलीगढ़ में हिजाब न पहनने पर नर्सरी की बच्ची को स्कूल से निकाला, जांच शुरू

अलीगढ़। अलीगढ़ में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी को हिजाब न पहनने के कारण उसे इस्लामिक मिशन स्कूल से निष्कासित करने की शिकायत दर्ज कराई गई। उसे हिंदी भी नहीं पढ़ाई जा रही थी। मामले में मंगलवार को बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा गठित टीम जांच को पहुंची। जहां उन्होंने दोनों पक्षो के बयान दर्ज किए। बुधवार को कमेटी अपनी रिपोर्ट बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपेगी। इस्लामिक स्कूल प्रकरण में बीएसए द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी और एबीएसए जवां को कमेटी बनाकर जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। मंगलवार को कमेटी की टीम स्कूल पहुंची और अपनी जांच शुरू की। जांच कमेटी के अनुसार बच्ची का नाम स्कूल से नहीं काटा गया। बच्ची अभी इस स्कूल की छात्रा है। वहीं परिजन अब बच्ची को स्कूल में नहीं पढ़ाना चाहते हैं। परिजनों ने मांग की है कि बच्ची की पूरी फीस, यूनिफॉर्म का पैसा, कॉपी किताब का पैसा स्कूल रिफंड करे। जिस पर स्कूल प्रबंधन उनकी शर्तों को मानने के लिए तैयार है। बुधवार को अंतिम कार्रवाई होने के बाद जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपेगी। जिसके बाद फाइनल रिपोर्ट जिलाधिकारी को पेश की जाएगी। गौरतलब है कि सोमवार को शिकायतकर्ता मो. आमिर ने स्कूल में हिंदी नहीं पढ़ाने, राष्ट्रगान नहीं की शिकायत की थी।

कुशीनगर में सड़क हादसे में दो की मौत, एक गंभीर

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर के कसया क्षेत्र में दो युवकों की बुधवार की सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के विशंभरापुर (सपहां) निवासी बलवंत (35) ,भरत कुशवाहा (34) व मधुबन प्रजापति (33) सुबह करीब 11 बजे एक ही बाइक पर सवार होकर कुशीनगर की तरफ जा रहे थे कि राष्ट्रीय राजमार्ग-28 स्थित भैंसहा हेतिमपुर नहर के पास किसी वाहन के ओवरटेक करते वक्त बाइक अनियंत्रित होकर नहर के पुल से टकरा गई।

इटावा में लोहे के कबाड़ से लदा ट्रक पलटने से बाइक सवार दंपत्ति की दबकर मौत

इटावा। इटावा में नेशनल हाईवे-2 पर कानपुर की ओर जा रहा एक ट्रक पलट गया। ट्रक में लोहे का कबाड़ लदा हुआ था। जब ट्रक पलटा तो उसके बगल से एक बाइक जा रही थी जिसपर तीन लोग सवार थे। लोहे का सारा मलबा बाइक पर जा गिरा जिसमें दबकर दंपत्ति की मौत हो गई जबकि तीसरा शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए पीजीआई सैफई भेजा गया है।

पुलिस अधिकारी अमित कुमार सिंह के मुताबिक नेशनल हाईवे-2 पर एक ट्रक कानपुर की तरफ जा रहा था।

इस ट्रक में लोहे का स्क्रैप माल लदा हुआ था। ड्राइवर को नींद आने की वजह से ट्रक डिवाइडर से टकराकर सड़क के दूसरी तरफ पलट गया। दूसरी तरफ बाइक सवार तीन लोग जा रहा रहे थे जिनमें दो दंपत्ति थे। पुलिस के मुताबिक सड़क के दूसरी तरफ बाइक से तीन लोग औरैया जा रहे थे। बाइक चालक सुभाष (45) और उनकी पत्नी कुसुमा देवी (40) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक तीसरी महिला घायल हुई जिसकी पहचान नहीं हो सकी है।

हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। ट्रक को सीधा कर किनारे लगवाया गया और ट्रक से निकला लोहे का मलबा भी हटाकर किनारे लगाया गया। मलबे के नीचे दबकर मरे दंपत्ति का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया है।

कानपुर में 10 साल के बच्चे का अपहरण कर कुकर्म

फिरौती नहीं मिलने पर गंगा में डुबोकर हत्या

एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 10 साल के बच्चे की अपहरण के बाद गंगा नदी में डुबोकर हत्या कर दिए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि हत्या से पहले बच्चे के साथ कुकर्म भी किया गया। बदमाशों ने बच्चे के परिवार से 6 लाख की फिरौती मांगी थी। पुलिस इस मामले में मोहल्ले के 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

बच्चे के पिता पल्लेदार हैं। दो दिन पहले कानपुर के कैंट क्षेत्र के मैकुपुरवा इलाके से बच्चे का अपहरण किया गया। अपहरणकर्ता ने फोन कर बच्चे के पिता से छह लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। बताया जा रहा है कि फिरौती देने में असमर्थता जताने पर बदमाशों ने बच्चे के साथ कुकर्म किया। फिर उसे गंगा नदी में जिंदा फेंक दिया।

सोमवार शाम को बच्चा अचानक लापता हो गया था। परिवारीजनों ने उसे तलाश करने की काफी कोशिश की लेकिन कहीं भी उसका पता नहीं चला। इसके बाद रात में नौ बजे के करीब बच्चे के पिता के पास फिरौती के लिए कॉल आई। उनसे छह लाख रुपए की डिमांड की गई। परिवारवालों का आरोप है कि असमर्थता जताने पर बदमाशों ने बच्चे को गंगा नदी में फेंककर हत्या कर दी।

आठ घंटे में आरोपियों तक पहुंच गई पुलिस

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आठ घंटे में चार आरोपियों को ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया। कॉल डिटेल और सर्विलांस के आधार पर इन चारों के बारे में पुलिस को पता चला। बच्चे का शव बरामद नही हो सका है पुलिस उसकी तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने पूछताछ में घटना कबूल कर ली है। उनसे पूछताछ की जा रही है। बच्चे के गायब होने की जगह के आसपास से सीसीटीवी फुटेज भी जुटाई गई है। इसकी मदद से मंगलवार रात को पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई। चारों आरोपियों को दबोच लिया। सभी ने वारदात कबूल ली है।

इन्हे किया गया है गिरफ्तार

पुलिस ने इलाकाई निवासी बल्लू, अमित, समीर और अमीन को गिरफ्तार किया है। बच्चे के परिजनों ने बताया कि आरोपियों ने मासूम के साथ पहले कुकर्म किया। उसके बाद हत्या कर दी।

अपहरण के एक घंटे बाद ही कर दी थी हत्या

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि अपहरण करने के एक घंटे बाद ही बच्चे की हत्या कर दी थी। उसके बाद फिरौती मांगी। पुलिस बुधवार को भी बच्चे का शव बरामद करने में जुटी रही।

बस्ती : दो शादी के चक्कर में सस्पेंड हुए प्रिंसिपल, डीएम के आदेश पर बीएसए ने की कार्रवाई

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में दो शादी करने वाले प्रिंसिपल को बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सस्पेंड कर दिया है। खबर है कि प्रिंसिपल को बर्खास्त भी किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक दुबौलिया थाना इलाके के पिपरा निवासी रणवीर सिंह ने जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन से प्रिंसिपल की शिकायत में कहा था कि प्रिंसिपल की दो-दो पत्नियां हैं। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को मामले की जांच करने का आदेश दिया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रिंसिपल से दो शादी करने और नौकरी में इस बात को छुपाने संबंधी जवाब मांगा। लेकिन प्रिंसिपल जांच और जवाब देने से भागते रहे। शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए सबूतों से पुष्टि होने के बाद प्रिंसिपल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया। शिक्षा विभाग ने मामले की जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारी नगर अरूण कुमार और खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्रनाथ त्रिपाठी को नियुक्त किया है। दरअसल सर्विस मैनुअल कहता है कि आप सिर्फ एक शादी कर सकते हैं। राज्य सरकार की सेवा नियमावली में साफ तौर पर लिखा है कि सरकारी कर्मचारी दो शादी नहीं कर सकते हैं।आरोप है कि प्रिंसिपल राजेश कुमार ने पहली पत्नी के जीवीत रहते हुए दूसरी शादी की। यही नहीं, कागजों में एक पत्नी बताकर उन्होंने नौकरी भी ले ली। जांच में पता चला है कि निलंबित प्रिंसिपल राजेश कुमार की एक पत्नी अनीता देवी और दूसरी शीला देवी हैं। ग्राम पंचायत की मतदाता सूची में भी दोनों महिलाओं के नाम के साथ पति राजेश कुमार का नाम दर्ज है जिससे साफ होता है कि प्रिंसिपल ने दो-दो शादियां कर रखी है।

स्टाफ नर्स की हत्या कर पति ने खुद भी फांसी लगाकर दी जान

एजेंसी

गोंडा। यूपी के गोंडा के खोड़ारे थाना क्षेत्र के एक गांव में घरेलू कलह के चलते पति ने स्टाफ नर्स पत्नी को मौत के घाट उतारने के बाद खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी। कमरे में नर्स की लाश फर्श पर पड़ी मिली जबकि उनके पति का शव फंदे से लटक रहा था।

पुलिस मामले के पीछे घरेलू कलह को वजह बता रही है। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच आए दिन झगड़ा होता था। मामला गोंडा के खोड़ारे थाना क्षेत्र के मकोईया गांव का है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि राजेन्द्र प्रसाद सिंह के घर कोई अनहोनी हुई है।

पुलिस घटना स्थल पर पहुंची तो घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो तोड़कर अन्दर दाखिल हुए। मकान की दूसरी मंजिल पर राजेन्द्र प्रसाद सिंह के बेटे संजीव सिंह (उम्र 40 वर्ष) का शव कमरे के अन्दर फंदे से लटक रहा था। पास ही संजीव की पत्नी वंदना सिंह (उम्र 32 वर्ष) का शव फर्श पर पड़ा था। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से संजीव सिंह का शव फंदे से उतारा। वंदना के माथे पर चोट के निशान थे। पड़ोसियों ने बताया कि पति-पत्नी में आए दिन विवाद होता रहता था।

जब घटना हुई तो घर पर संजीव सिंह के बाबा चन्द्रभान सिंह (उम्र 85 वर्ष) मौजूद थे। संजीव के पिता राजेन्द्र प्रसाद सिंह दवा कराने के लिए फैजाबाद गए थे और मां प्रेमलता सिंह बलरामपुर जिला में आंगनबाड़ी विभाग में तैनात हैं। वंदना सिंह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जमुनहा बभनान में स्टाफ नर्स थीं।

आगरा नगर निगम में नहीं पेश हो सका ताजमहल का नाम बदलने का प्रस्ताव

आगरा। उत्तर प्रदेश में ताजमहल का नाम बदलकर तेजोमहालय करने का प्रस्ताव बुधवार को नगर निगम की विशेष बैठक में पेश नहीं हो सका। भारी हंगामे के बीच महापौर नवीन जैन ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। दोपहर तीन बजे के बाद शुरू हुए नगर निगम की इस विशेष बैठक में ताजमहल का नाम बदलने संबन्धी प्रस्ताव पेश होने से पहले ही सदन में भारी हंगामा हुआ। भाजपा और बसपा के पार्षदों के बीच जुबानी जंग चलने लगी तो एक कांग्रेस के एक पार्षद सदन में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के कागज लेकर पहुंच गये। उनका कहना था कि ताजमहल का नाम बदलने के प्रस्ताव पर अदालतें पूर्व में याचिकाकर्ता को फटकार लगा चुकी हैं, इसलिए इस मुद्दे पर नगर निगम को विचार नहीं करना चाहिए। बहुत देर तक पार्षदों के बीच नारेबाजी होती रही। भारी हंगामे में कुछ भी सुनाई देना मुश्किल

सीएम योगी ने जाना पूर्वांचल में बाढ़ का हाल, हवाई सर्वेक्षण किया, राहत सामग्री बांटी

गाजीपुर। पूर्वांचल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में हालतों का जायजा लेने गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे। सीएम योगी ने हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वे किया। इसके बाद पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण भी किया। बाढ़ में फंसे लोगों को राहत सामग्री पहुंचाने सीएम योगी सबसे पहले गाजीपुर पहुंचे। के साथ-साथ उनके बचाव इंतजामों को देखने के लिए सीएम योगी गाजीपुर पहुंचे।

उन्होंने गंगा की बाढ़ का दंश झेल रहे लोगों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ चंदौली के लिए रवाना हो गए। चंदौली के बाद योगी वाराणसी भी जाएंगे। यहां गंगा नदी में घटाव शुरू हो चुका है लेकिन जलस्तर अब भी खतरे के निशान से ऊपर है।

पूर्वांचल में मंत्रियों के दौरे के बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र

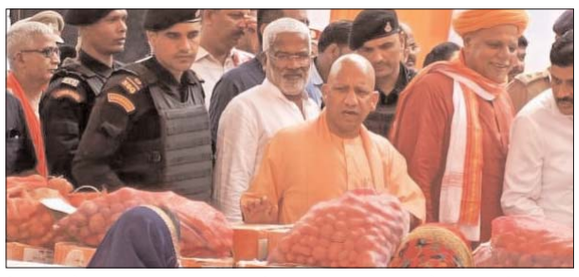

देव सिंह के साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों में दस्तक दी। लखनऊ से चलकर गाजीपुर तक सीएम ने बाढ़ ग्रसित इलाके जाने और उन क्षेत्रों में कहर ढा रही नदियों का जलस्तर और प्रवाह भी जाना। गाजीपुर में गंगा किनारे सीएम का हेलीकॉप्टर ने धीमी रफ्तार से नीचे तक के इलाकों का सर्वे किया। दोपहर तीन बजे सीएम का हेलीकॉप्टर सेमरा, शेरपुर और बलिया सीमाक्षेत्र तक चक्रमण कर अष्ट शहीद इंटर कालेज मैदान पर उतरा। हेलीपैड पर सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने भाजपा जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह के साथ सीएम का स्वागत किया। इसके बाद सीएम योगी इंटर कालेज परिसर में बनाए गए बाढ़ राहत शिविर में पहुंचे। यहां पीड़ितों को राहत सामग्री दी।

इसके बाद सेफ हाउस में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। प्रमुख भाजपा नेताओं से अलग-अलग मुलाकात भी की। सीएम के दौरे को लेकर इंतजाम चाक चौबंद रहे और गंगा किनारे में एनडीआरएफ समेत पीएसी और पुलिस टीम तैनात रही।

ट्रैक्टर लेकर मेरठ कमिश्नरी में घुसे त्यागी समाज के लोग

ऑफिसों में ताला डालने की चेतावनी

मेरठ। श्रीकांत त्यागी की रिहाई को लेकर त्यागी समाज का प्रदर्शन कमिश्नरी स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क में छठे दिन भी जारी रहा। बुधवार को त्यागी समाज के लोगों में अचानक से गुस्सा फूट पड़ा और नोएडा पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। त्यागी समाज के लोग यहीं पर नहीं माने, इसके बाद सैकड़ों की संख्या में समाज के और लोग भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद मेरठ कमिश्नरी में ट्रैक्टर के साथ घुस गए। लोगों के कमिश्नरी में घुसने की खबर के बाद पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया।

इसको लेकर त्यागी समाज के लोगों की पुलिस और प्रशासन के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। काफी देर चली नोकझोंक के बाद त्यागी समाज के लोगों ने वहीं पर धरना दे दिया। उनकी मांग थी कि श्रीकांत त्यागी को रिहा कर दिया जाए। इसके अलावा उनके ऊपर लगे सारे केस खत्म किए जाएं।

त्यागी समाज के धरने-प्रदर्शन की खबर पाकर अधिकारी भी मौके पर पहंचे। फिलहाल कमिश्नरी में कई

थानों की पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है।

धरना स्थल पर 40 गांवों से पहुंचे समाज के लोग

श्रीकांत त्यागी प्रकरण को लेकर कमिश्नरी पार्क में चल रहे धरना प्रदर्शन में वेस्ट यूपी के 40 गांवों से त्यागी समाज के लोग पहुंचे थे। किसान नेता कुलदीप त्यागी ने कहा कि त्यागी समाज पर पुलिस का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा।

मथुरा में अपहरण और हत्या के चार अभियुक्तों को उम्रकैद

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा की एक अदालत ने फिरौती के लिए अपहरण और हत्या के आरोप में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास तथा जुर्माना अदा करने का आदेश दिया है। आदेश में पुलिस पर कार्रवाई के लिए भी कहा गया है।

जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता मुकेश गोस्वामी ने बुधवार को बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश संजय चौधरी ने मंगलवार को दिए फैसले में घटना की विवेचना में पुलिस की कार्रवाई संतोषजनक न पाए जाने के कारण थाना वृन्दावन के तत्कालीन थानाध्यक्ष, जैत पुलिस चौकी के इंचार्ज और तत्कालीन सीओ के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए वाद दर्ज करने का आदेश दिया है।

इस पूरे प्रकरण में मृतक के साले राकेश, भोली निवासी ग्राम धौरउ जिला बुलन्दशहर एवं साढू कुंवरपाल निवासी अलीगढ की भूमिका पर संदेह व्यक्त करते हुए मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से इस प्रकरण में उनकी भूमिका की जांच करने का भी आदेश दिया है।

शार्ट न्यूज

औद्योगिक मजदूरों संबंधी महंगाई दर जुलाई में रही 5.78 प्रतिशत

शिमला। औद्योगिक मजदूरों से संबंधित खुदरा मुद्रास्फीति इस वर्ष जुलाई में 5.78 प्रतिशत रही रही जो एक साल पहले इसी माह की तुलना में अधिक है लेकिन इससे पिछले माह की तुलना में इसमें नरमी आयी है। जुलाई, 2022 के लिए अखिल भारतीय सीपीआई-आईडब्ल्यू सालाना आधार पर 0.7 अंक की वृद्धि के साथ 129.9 पर रहा। शिमला स्थित श्रम ब्यूरो द्वारा बुधवार को जारी ताजा आंकड़ों के अुनसार जून 2022 में औद्योगिक श्रमिकों संबंधी खुदरा मुद्रास्फीति सालाना आधार पर मुद्रास्फीति 5.78 प्रतिशत रही। इससे पिछले महीने (जून2022में) यह 6.16 प्रतिशत और पिछले वर्ष जुलाई में 5.26 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार औद्योगिक श्रमिकों से संबंधित खाद्य मुद्रास्फीति पिछले महीने के 6.73 प्रतिशत और एक साल पहले इसी महीने के 4.91 प्रतिशत के मुकाबले जुलाई 2022 में 5.96 प्रतिशत रही। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का शिमला स्थित श्रम ब्यूरो देश के 88 औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण केंद्रों के 317 बाजारों से एकत्रित खुदरा कीमतों के आधार पर हर महीने औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जारी करता है।

प्रमुख उद्योगों की उत्पादन वृद्धि जुलाई में घटकर 4.5 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। कोयला, इस्पात और बिजली जैसे देश के आठ प्रमुख उद्योगों की उत्पादन वृद्धि दर जुलाई 2022 में घटकर सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत रही। जून 2022 में इन उद्योगों की वृद्धि दर 13.2 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष जुलाई में कोयले, रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरकों, इस्पात, बिजली और सीमेंट उद्योगों के उत्पादन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में वृद्धि हुई, जबकि कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन घाटा। इस आठ प्रमुख उद्योगों का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत योगदान है। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई, 2022 में कोयला उत्पादन में जुलाई, 2021 की तुलना में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि बिजली उत्पादन में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। जुलाई में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में क्रमश: 3.8 प्रतिशत और 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई। इस दौरान पेट्रोलियम रिफाइनरी और उर्वरकों के उत्पादन में बराबर- बराबर 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जुलाई 2022 में स्टील और सीमेंट सेक्टर में क्रमश 5.7 फीसदी और 2.1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गयी।

सोना 107 और चांदी 796 रुपये फिसली

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 107 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 796 रुपये प्रति किलोग्राम फिसल गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.45 प्रतिशत गिरकर 1715.74 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.51 प्रतिशत की गिरावट लेकर 1714.40 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस दौरान चांदी हाजिर 1.76 प्रतिशत लुढककर 18.16 डॉलर प्रति औंस बोली गई। विदेशी बाजारों की गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में देखा गया। इस दौरान सोना 107 रुपये टूटकर 50630 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। सोना मिनी 50702 रुपये प्रति दस ग्राम पर स्थिर रही। इसी तरह चांदी 796 रुपये कमजोर होकर 52561 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 765 रुपये सस्ती होकर 54100 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

पश्चिम बंगाल में छापा, 250 करोड़ की अघोषित आय का खुलासा

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में दो प्रमुख रियल एस्टेट समूहों पर की गयी छापेमारी में 250 करोड़ रुपये की अघोषित आय का पता चला है। आयकर विभाग ने आज यहां जारी बयान में बताया कि 18 अगस्त को यह कार्रवाई की गयी। तलाशी अभियान के दौरान, दस्तावेजों और डिजिटल डाटा सहित बड़ी संख्या में आपत्तिजनक सबूत मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। इस दौरान बहीखातों के बाहर नकद लेनदेन और नकदी की रसीदों के सबूत मिले हैं। कई दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डाटा से शेल कंपनियों के माध्यम से अघोषित पैसे की रूटिंग के संकेत मिले हैं। इसके अलावा, तलाशी के दौरान अघोषित धनराशि के जमीन के अधिग्रहण में इस्तेमाल किए जाने के भी कुछ प्रमाण मिले हैं। कंपनियों के प्रमुख लोगों ने फर्जी निवेश की बिक्री के माध्यम से शेयर पूंजी, शेयर प्रीमियम और असुरक्षित ऋण के रूप में अघोषित धन लगाने के लिए शेल कंपनियों का उपयोग किए जाने की बात को स्वीकार किया है। तलाशी अभियान में अभी तक 250 करोड़ रुपये से ज्यादा की अघोषित आय का पता लगा है। तलाशी के दौरान, 16 बैंक लॉकरों का पता लगा जिन्हें कब्जे में ले लिया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से उतरने के बावजूद घरेलू स्तर पर आज पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट 3.33 प्रतिशत की गिरावट लेकर 96 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रुड 2.77 प्रतिशत उतरकर 89.10 डॉलर प्रति बैरल बोला गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

अमेजन फ्रेश सुपर वैल्यू डेज

नयी दिल्ली। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डॉटइन पर 7 सितंबर तक सुपर वैल्यू डेज के दौरान ग्रोसरी की खरीद पर 45 प्रतिशत तक की बचत की पेशकश की गयी है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि सुपर वैल्यू डेज के दौरान आसान डिलीवरी स्लॉट के साथ ग्रोसरी की मनपसंद खरीदारी के लिए ऑनलाइन शॉपिंग का आनंद उठाएंगे। कस्टमर ग्रोसरी की जरूरी चीजों पर 45 प्रतिशत की छूट का आनंद ले सकते हैं और सिंगल ऑनलाइन डेस्टिनेशन से सुविधाजनक डिलीवरी ऑप्शन की मदद से दावत, कैडबरी, टाटा और नेस्ले सहित अन्य लोकप्रिय ब्रांडों के ग्रेट प्राइज और फ्रेस ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। प्राइम मेंबर 199 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर पर फ्री डिलीवरी और 1200 रुपये की खरीद पर फ्लैट 200 रुपये के कैशबैक पा सकते हैं।

आईसीएटी का उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी के साथ करार

नयी दिल्ली। इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और संबंधित उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उद्योग की आवश्यकता के अनुसार अल्पकालिक और मध्यावधि पाठ्यक्रमों और अनुसंधान का संचालन करने के लिए उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी को संवर्धित करने के लिए नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी गुरुग्राम के साथ समझौता किया है। इस करार पर आईसीएटी की कार्यवाहक निदेशक पामेला टिक्कू और एनसीयू की कुलपति प्रो. नूपुर प्रकाश ने दोनों संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर श्रीमती टिक्कू ने कहा कि हम सहयोग के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक मोबिलिटी के उभरते क्षेत्र के लिए आवश्यक कौशलों के विकास के लिए दीर्घकालिक संबंधों की आशा कर रहे हैं और आईसीएटी के संसाधनों के कौशल में सुधार की भी अपेक्षा कर रहे हैं। प्रो. प्रकाश ने में कहा, ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कॉन्टेंट विकसित करने की एनसीयू की उत्कृष्ट दक्षता के साथ आईसीएटी की विशेषज्ञता के योग की परिणति इच्छुक उम्मीदवारों के लिए लचीले पाठ्यक्रम पैकेज के रूप में होगी, इस प्रकार वे भारत में ऑटोमोटिव क्षेत्र के विविध क्षेत्रों के लिए तैयार होने में समर्थ हो सकेंगे।

भारत की आर्थिक वृद्धि 2022-23 की पहली तिमाही में रही 13.5 प्रतिशत

एजेंसी

नयी दिल्ली। आर्थिक गतिविधियों में सुधार के बीच देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में चालू वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 13.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की इसी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 20.1 प्रतिशत थी।

पिछले वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में कोविड महामारी की दूसरी लहर ने आर्थिक गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है, अनुमान है कि वर्ष 2011-12 कीमतों पर आधारित वास्तविक जीडीपी 2022-23 की पहली तिमाही में 36.85 लाख करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त कर लिया है जो 2021-22 की पहली तिमाही में 32.46 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 2021-22 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 20.1 प्रतिशत थी।

वर्ष 2022-23 की पहली में वर्तमान कीमतों पर जीडीपी 64.95 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि 2021-22 में की पहली तिमाही में चालू कीमत पर जीडीपी 51.27 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह यह वर्तमान कीमतों पर जीडीपी में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 26.7 प्रतिशत की वृद्धि रही। 2021-22 में चालू कीमत पर जीडीपी में 32.4 प्रतिशत की वद्धि दर्ज की गयी थी।

एनएसओ के आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में कृषि क्षेत्र में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि इसी अवधि के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान खनन क्षेत्र में

6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। श्रम प्रधान क्षेत्रों में माने जाने वाले निर्माण क्षेत्र में जून तिमाही में सालाना आधार पर 16.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

प्रमुख देशों की कमजोर मांग ने हाल के कुछ महीनों में देश के निर्यात को प्रभावित किया है जबकि मासिक जीएसटी संग्रह, ऑटो बिक्री, बिजली की खपत और हवाई यातायात वृद्धि जैसे जल्दी-जल्दी आने वाले आंकड़े घरेलू मांग में मजबूत बनी रहने का संकेत दे रहे हैं।

बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के कुलपति एन आर भानुमूर्ति ने इन आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए कहा, पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि 13-15 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान था।

कुछ ने इसे 17 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया। इस तरह यह सामान्य अनुमान के निचले दायरे में ही रही। इसका मुख्य कारण बाहरी झटके (यूक्रेन युद्ध और वैश्विक जिंस बाजार में तेजी तथा आपूर्ति श्रृंखला में अड़चनों) हैं।

नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसंधान निदेशक विवेक राठी ने कहा, यद्यपि घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत रहीं, पर वैश्विक बाजार में जिंसों की कीमत में उछाल तथा रुपये की विनिमय दर में गिरावट से आयात प्रभावित मुद्रास्फीति बढ़ी और आयात लागत भी ऊंची हुई है। इसका असर पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधियों पर पड़ा और मार्च 2022 से सरकारी खर्च और निजी खर्च में क्रमश 2.4 प्रतिशत और 10.4 प्रतिशत का संकुचन हुआ है।

श्री राठी ने इस बात का भी उल्लेख किया कि जनवरी-मार्च 2022 की तिमाही की तुलना में अर्थव्यवस्था में 9.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। उनका अनुमान है कि आने वाले महीनों में मुख्यत वैश्विक मांग में गिरावट के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियां और बढ़ेंगी।

एमकी ग्लोबल की अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा, पहली तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर हमारे अनुमानों के अनुसार ही रही है। आने वाले महीनों में तुलनात्मक आधार का प्रभाव कम होने से जीडीपी की वद्धि के आंकड़ों में निरंतर कमी दिखेगी।

जीडीपी के आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) में 25.9 प्रतिशत की स्वस्थ वृद्धि दर्ज की गयी। इस दौरान निवेश गतिविधियों का एक संकेत देने वाले सकल अचल पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में सालाना आधार पर 20.2 प्रतिशत का विस्तार हुआ। निर्यात में साल-दर-साल 14.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) में वृद्धि मंद पड़कर मात्र 1.3 प्रतिशत रह गयी।

जुलाई-सितंबर, 2022 तिमाही के लिए तिमाही जीडीपी के अनुमान 30 नवंबर, 2022 को जारी किए जाएंगे।

जियो हैप्टिक ने बेहतर अनुवाद के लिए माइक्रोसॉफ्ट ऐशर कॉग्निटिव से जुड़ा

नयी दिल्ली। संवादात्मक एआई (कंवर्सेशनल आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) कंपनियों में से एक जियो हैप्टिक अनुवाद के लिए माइक्रोसॉफ्ट ऐशर कॉग्निटिव सर्विसेज का उपयोग कर रही है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इससे हिन्दी में बातचीत के मौजूदा एआई मॉडल और शुद्धता को बेहतर किया जा रहा है। उद्योग में अग्रणी यह एआई अनुवाद मॉडल हिंदी, अंग्रेजी और यहाँ तक कि हिंग्लिश में भी शुरू से अंत तक बातचीत को आसान बनाता है। यह उपयोगकर्ताओं को जियो मोबिलिटी में इंटेलिजेंट वर्चुअल असिस्टेंट के साथ चैट करने की सुविधा देने वाला एक अभिन्न अंग है। इस मॉडल ने जियो मोबिलिटी टीम को स्थानीय भाषा के प्रश्नों को 2.5 गुणा तक बढ़ाकर कई श्रेणियों में सहायता प्रदान करने में मदद की है और मानव हस्तक्षेप को भी 80 प्रतिशत तक कम किया है।

सामान्य अनुवाद के मॉडल लंबे

समय से बाजार में मौजूद हैं, लेकिन वे व्याकरण संबंधी त्रुटियों से निपटने में सक्षम नहीं हैं। इसी तरह अव्यवस्थित वाक्य, जो बोलचाल में आम हैं पर लिखे नहीं जाते, उसमें भी ये अक्षम हैं और इसलिए अच्छा प्रदर्शन नहीं हो पाता है।

हालाँकि, जियो हैप्टिक द्वारा संचालित यह वन-स्टॉप समाधान और ऐशर कॉग्निटिव सर्विसेज देवनागरी व रोमन लिपि (हिंग्लिश) में हिंदी भाषा के काम करता है। इससे उपयोगकर्ता छोटे वाक्यों और डोमेन-विशिष्ट वार्तालापों के लिए उच्च सटीकता पर काम करते हुए भाषाओं के बीच बदली कर सकते हैं।

जियो मोबिलिटी के साथ, हैप्टिक तीन प्लेटफॉर्म – माई जियो ऐप, जियो वेबसाइट और व्हाट्सएप बिजनेस अकाउंट में चैटबॉट की सुविधा देता है।

इस समाधान ने जियो मोबिलिटी को उपभोक्ताओं से हिंदी/हिंग्लिश में 2 मिलियन से ज्यादा बातचीत में शामिल होने में मदद की है। इसमें मानवीय हस्तक्षेप में 80 प्रतिशत की कमी और स्थानीय प्रश्नों में 2.5 गुणा वृद्धि हुई है।

जियो हैप्टिक के सीपीओ प्रफुल्ल कृष्णा ने कहा, हैप्टिक वर्तमान में 130 भाषाओं को सपोर्ट करता है। यह भाषा की सभी बाधाओं को दूर करने पर हमारे ध्यान से प्रेरित है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके ग्राहक कौन सी भाषा बोलते हैं; उनके पास हमेशा आपके ब्रांड के साथ उस भाषा में बातचीत करने का विकल्प होना चाहिए। आज बाजार में अधिकांश अन्य अनुवाद उपकरण विशिष्ट उद्देश्यों के लिए बनाए गए हैं – एक पुस्तक, एक लेख या सिर्फ एक छोटे से वाक्यांश का अनुवाद करना। हालाँकि, बातचीत करने वाले एआई के लिए अनुवाद की ऐसी तकनीक आवश्यक है जो स्वाभाविक और बहुत अधिक शक्तिशाली हो। यह वाक्यों के पीछे के अर्थ को समझने में सक्षम होना चाहिए, वर्तनी की गलतियों को पहचानना और सटीक प्रतिक्रिया देने के लिए कठबोली, बोलचाल, और अनुचित व्याकरण के अन्य रूपों का प्रक्रमण करने में सक्षम चाहिए। यह वह जगह है जहाँ अन्य उपकरणों की कमी थी, और जहाँ माइक्रोसॉफ्ट के साथ हमारा सहयोग – और एशर कॉग्निटिव सर्विसेज का उपयोग आता है। हम माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से अपने प्राकृतिक भाषा स्टैक को और विकसित करने और इसी तरह की चुनौतियों को हल करने के लिए एकीकृत मॉडल का पता लगाने के लिए उत्सुक हैं।

स्लेपे ऐप तेज विकास के पथ पर

नयी दिल्ली। क्रेडिट स्कोर बूस्टर एवं फिनटेक ऐप स्लेपे भारतीय बीएफएसआई बाजार को डिसरप्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार है। स्लेपे यूजर को उनके निवेश पर 9 प्रतिशत रिटर्न अर्जित करते हुए उनके क्रेडिट स्कोर को सुधारने में सहायता करता है। स्लेपे का उद्देश्य भारतीय युवाओं को उनके क्रेडिट स्कोर को तैयार करने और सुधारने में सहायता करना है ताकि वे भविष्य में बेहतर ब्याज दरों पर अच्छे लोन के लिए एलिजिबल हो सकें। चूंकि एक व्यक्ति का क्रेडिट स्कोर लोन की एप्लीकेशन प्रोसेस में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, स्लेपे यूजर को बेहतर ब्याज दरों पर लोन अप्रूवल प्राप्त करने की अपनी संभावनाओं में सुधार कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऐप में एक भुगतान कार्ड शामिल है जो सभी कार्ड मशीनों, वेबसाइटों और पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम के साथ काम करता है। स्लेपे के संस्थापक और सीईओ सिद्धांत रयान मल्होत्रा ने कहा भारत में एक उभरता हुआ महत्वाकांक्षी मध्यम वर्ग है जिसे कार, घर और अपने सपनों की लाइफस्टाइल पाने के लिए लोन की आवश्यकता होती है। इसमें से किसी को भी लोन पर लेने के लिए एक अच्छा क्रेडिट स्कोर एक बुनियादी शर्त है। हम भारत के युवाओं को क्रेडिट बनाने के लिए सही रास्ते पर रखते हैं, बहुत सारे युवा उपयोगकर्ता अच्छे रिटर्न के एवज में अस्थिर नॉन रेग्युलेटेड चिजों में निवेश करते देखे जाते हैं। स्लेपे के साथ हमारा लक्ष्य उच्च रिटर्न को बरकरार रखते हुए एक विश्वसनीय और रेग्युलेटेड वातावरण प्रदान करना है। स्लेपे कार्ड नंबर लेस कार्ड डिजाइन, धोखाधड़ी रोकथाम के बेहतर तरीके, त्वरित अलर्ट और कई अन्य सुविधाओं के साथ बढ़ी हुई सुरक्षा और आठ-बिंदु सुरक्षा के साथ आता है। स्लेपे अपने उपयोगकर्ताओं को अपने कार्ड को फोटो, संदेश, मीम्स और अन्य कंटेंट के साथ कस्टमाइज करने की अनुमति देता है। यह मैग्नेटिक स्ट्रीप के बिना अब तक का पहला भुगतान कार्ड है जो कार्ड स्पूफिंग को रोकता है। स्लेपे अपने उपयोगकर्ताओं को आरबीआई अप्रूव्ड पी2पी निवेश प्लेटफॉर्म में निवेश करने और 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अर्जित करने में सक्षम बनाता है, जो कि सावधि जमा और बचत खातों जैसे पारंपरिक निवेश / बचत विकल्पों की तुलना में बहुत अधिक है, सेविंग्स अकाउंट की तुलना में 2.5 गुना अधिक है और सावधि जमा से 1.5 गुना अधिक।

ईएसी-पीएम ने प्रतिस्पर्धात्मकता रोडमैप किया जारी

नयी दिल्ली। आने वाले वर्षों में देश की विकास यात्रा के लिए नए मार्गदर्शक सिद्धांतों का निर्धारण करने तथा भारत के विकास के लिए लक्षित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु क्षेत्र-विशिष्ट रोडमैप विकसित करने के लिए विभिन्न राज्यों, मंत्रालयों और भागीदारों का मार्गदर्शन करने की कल्पना पर आजादी के 100 वर्ष पूरे तक के लिए आज प्रतिस्पर्धात्मकता रोडमैप जारी किया गया।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने आज इंडिया 100 वर्ष के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता रोडमैप जारी किया। यह रोडमैप भारतीय प्रतिस्पर्धात्मकता पहल का एक भाग है और इसे ईएसी-पीएम के अध्यक्ष डॉ. बिबेक देबरॉय, ईएसी-पीएम के सदस्य संजीव सान्याल और इस पहल के अंतर्गत गठित हितधारकों के समूह के सदस्यों की उपस्थिति में जारी किया गया।

यह रोडमैप ईएसी-पीएम और द इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस का समन्वित प्रयास है और इसे इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस के अध्यक्ष डॉ. अमित कपूर और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर माइकल ई. पोर्टर एवं डॉ. क्रिश्चियन केटेल्स ने विकसित किया है। रोडमैप प्रोफेसर माइकल ई. पोर्टर द्वारा तैयार किए गए प्रतिस्पर्धात्मकता फ्रेमवर्क पर आधारित है।

प्रतिस्पर्धात्मकता दृष्टिकोण निरंतर समृद्धि के वाहक के रूप में उत्पादकता के विचार को सम्मुख रखता है।

एमजी ने पेश की 'एडवांस ग्लॉस्टर', कीमत 31.99 लाख रुपये

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी एमजी मोटर इंडिया ने आज भारतीय बाजार में अपनी प्रीमियम एसयूवी एडवांस्ड ग्लॉस्टर पेश करने की घोषणा की जिसकी एक्स शोरूम कीमत 31.99 लाख रुपये है।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ऑटोनोमस (लेवल 1) प्रीमियम एसयूवी अब नए और एडवांस सेफ्टी, स्टाइल और टेक्नोलॉजी एनहांसमेंट्स के साथ आई है। मौजूदा ग्लॉस्टर के एडवांस्ड ड्राइवर असिस्ट सिस्टम में अतिरिक्त फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर दिये गये हैं, जैसेकि डोर ओपन वार्निंग , रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट और लेन चेंज असिस्ट आदि। 30 स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचरों के अतिरिक्त यह फीचर एडवांस ग्लॉस्टर को सुरक्षित और आसान ड्राइव बनाते हैं।

एडवांस ग्लॉस्टर की सड़क पर मौजूदगी को 4डब्ल्यूडी संस्करण में पूरी तरह से नए ब्रिटिश विंडमिल टर्बाइन-थीम वाले अलॉय मेटल व्हील्स ने और मजबूत बना दिया है। इसे अब नए %डीप गोल्डन% कलर ऑप्शन में पेश किया जा रहा है जो एसयूवी की अपील को और शानदार बनाता है। मेटल ब्लैक, मेटल ऐश और वार्म व्हाइट के पहले से मौजूद रंगों के अलावा नया रंग जोड़ा गया है।

कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजीव चाबा ने कहा, टेक्नोलॉजी में हो रहे बदलाव, निरंतर विकास, और बेस्ट-इन-क्लास कस्टमर एक्सपीरियंस एमजी में हमारी प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। ग्लॉस्टर की पहचान बोल्ड, मजबूत, वर्सेटाइल और शानदार होने की है, और हम फीडबैक के लिए अपने कस्टमर के आभारी हैं। अपने 2व्हीलड्राइव और 4व्हीलड्राइव ट्रिम्स, पावरफुल इंजन ऑप्शन, अगली पीढ़ी की तकनीक, ऑटोनॉमस लेवल 1 और माय एमजी शील्ड पैकेज के साथ, एडवांस्ड ग्लॉस्टर को हमारे नए जमाने के कस्टमर्स को खुश और उत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीयकरण को बढ़ाने के साथ ही सप्लाई चेन से जुड़ी समस्याओं को दूर कर रहे हैं। हम इस लॉन्च के साथ ग्लॉस्टर की बिक्री को दोगुना करने की उम्मीद कर रहे हैं। %एडवांस्ड ग्लॉस्टर% राइड के दौरान भी मनोरंजन प्रदान करता है। अपने सेग्मेंट में बेस्ट 31.2 सेमी टचस्क्रीन और 12 स्पीकरों के हाई-क्वालिटी ऑडियो सिस्टम के साथ आती है। इसमें एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कार प्ले के साथ-साथ फर्स्ट-इन-सेग्मेंट शॉर्टपीडिया न्यूज ऐप और गाना भी शामिल है।

राज्यों को आठ रुपये किग्रा की छूट पर 15 लाख टन चना देगी केंद्र सरकार

नयी दिल्ली। दालों का खुदरा मूल्य काबू में रखने के लिए केंद्र ने फसलों के मूल्य स्थिर रखने की योजना के तहत राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों को 15 लाख टन चना दाल सस्ते दाम पर जारी करने की घोषणा की है। केंद्र ने मूल्य स्थिरीकरण योजना के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद की वर्तमान सीमा भी 40 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। चना दाल उन्हें निर्गम मूल्य से आठ रुपये प्रति किग्रा सस्ती दर पर दी जाएगी, जिसका राज्य अपनी विभिन्न कल्याण योजनाओं में इस्तेमाल कर सकेंगे। इन निर्णयों के क्रियान्वयन पर 1200 करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को मूल्य स्थिरीकरण योजना (पीएसएस) और मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत राज्यों को चने की सस्ती दर पर बिक्री और पीएसएस के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद की मात्रा की सीमा को मौजूदा 25 से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का निर्णय किया गया। इस निर्णय की जानकारी देते हुए सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्वीकृत योजना के तहत, राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को 15 लाख टन चना (दाल) उठाने की पेशकश की जाती है। चना दाल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सोर्सिंग (क्रेता) राज्य के निर्गम मूल्य से आठ रुपये प्रति किलोग्राम की छूट पर दी जायेगी। बयान में कहा गया है कि राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को मध्याह्न भोजन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, एकीकृत बाल विकास कार्यक्रम (आईसीडीपी) जैसी अपनी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं / कार्यक्रमों उपयोग करना चाहिए। बयान में कहा गया है कि छूट पर चना दाल की आपूर्ति 12 महीने या 15 लाख टन स्टॉक के पूर्ण निपटान तक जारी रहेगी और इस पर 1200 करोड़ रुपये का व्यय होने का अनुमान है। केंद्र का मानना है कि इन निर्णयों से राज्य / संघ राज्य क्षेत्र विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे पीडीएस, मध्याह्न भोजन योजनाओं आदि में चना का उपयोग करने में सक्षम होंगे। साथ ही इससे दलहन किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने में मदद मिलेगी और वे इनकी खेती बढ़ने को प्रोत्साहित होंगे। सरकार के अनुसार देश में विशेष रूप से पिछले तीन वर्षों के दौरान चना (दाल) का रिकार्ड उत्पादन दर्ज किया गया है। केन्द्र सरकार ने मूल्य समर्थन योजना के तहत रबी 2019-20, 2020-21 और 2021-22 के दौरान चना की रिकॉर्ड खरीद की है। इससे सरकार के पास पीएसएस और पीएसएफ के तहत आने वाले रबी सीजन में भी 30.55 लाख टन चना उपलब्ध है, चना का उत्पादन अच्छा होने की उम्मीद है।

ऑडी ने की नई ऑडी क्यू3 लॉन्च

नयी दिल्ली। लक्जरी कार बनाने वाली जमर्न कंपनी ऑडी ने आज भारतीय बाजार में नयी ऑडी क्यू 3 के दो मॉडल उतारने की घोषणा की जिसकी एक्स शोरूम कीमत क्रमश प्रीमियम प्लस 44,89,000 रुपये और टेक्नोलॉजी की कीमत 50,39,000 रुपये है। ऑडी इंडिया ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसके दो मॉडल उतारे गये हैं जिसमें प्रीमियम प्लस और टेक्नोलॉजी श्मोमिल है। अपनी श्रेणी में सबसे अग्रणी प्रदर्शन-ऐतिहासिक क्वॉट्रो ऑल-व्हील ड्राइव के साथ 2.0 लीटर का टीएफएसआई इंजन है, जो 190 एचपी की पावर और 320 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें एलईडी हेडलाइट्स, पैनोरेमिक ग्लास सनरूफ, हाई गलॉस स्टाइलिंग पैकेज, वायरलेस चार्जिंग के साथ ऑडी फोन बॉक्स, 30 से ज्यादा रंगों के साथ एंबियंट लाइटिंग पैकेज, लेदर और चारों और से लकड़ी की कारीगरी से मिलने वाला सपोर्ट और 10 स्पीकर के साथ ऑडी साउंड सिस्टम शामिल है। अधिकतम सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग्स दिए गए हैं।

एक्ज़िम बाज़ार में पड़ोसी देशों से शामिल होंगे 75 दस्तकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) का एक्जिम बाजार अबकी बार 3 से 6 सितंबर, 2022 तक दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में लग रहा है। इस प्रदर्शनी में देशभर से पारंपरिक और समकालीन कला और हस्तशिल्प उत्पाद एक छत के नीचे मिलेंगे।

खास बात यह भी है कि पहली बार पड़ोसी देशों बंगलादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल और श्रीलंका के दस्तकारों को भी आमंत्रित किया गया है। यह पहल भारत सरकार की 'पड़ोसी देश प्रथम' (नेबरहुड फर्स्ट) नीति के अनुरूप की गई है। इस तरह, इन देशों की पारंपरिक हस्तकलाएं भी इस एक्ज़िम बाज़ार की शोभा बढ़ाएंगी। इस चार दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन 3 सितंबर, 2022 को सांसद डॉ. सोनल मानसिंह करेंगी।

इस प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाले कुछ दस्तकार और बुनकर तो राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर पुरस्कृत हैं, जिनके उत्पादों में उनका कौशल, प्रतिभा और तकनीक स्पष्ट दिखलाई पड़ती है। इस प्रदर्शनी में अन्य के साथ-साथ मधुबनी पेंटिंग, चमड़े की कठपुतली, वारली पेंटिंग, पिछवाई पेंटिंग, पट्टचित्र पेंटिंग, फड़ पेंटिंग, बनारसी सिल्क के कपड़े, लाख की चूड़ियां, कावड़ पेंटिंग, चीनी-मिट्टी के बर्तन, डोकरा कला, टेराकोटा, जामदानी साड़ी, धातु निर्मित कलाकृतियों जैसे कलात्मक उत्पाद प्रदर्शन और बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। महामारी के चलते विभिन्न प्रतिबंधों के कारण प्रदर्शनियों में होने वाली बिक्री और खुदरा बिक्री सीमित होने से बहुत से दस्तकारों और ग्रामीण उद्यमों की आय में गिरावट आई है। ऐसे समय में, एक्ज़िम बैंक ने दस्तकारों को डिजाइन, उत्पाद और प्रशिक्षण कार्यशालाओं के जरिए सहायता देना जारी रखा।

शार्ट न्यूज

विश्व कप मे जो भी सामने हो, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे : हरमनप्रीत

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के लिये आठ सितंबर को जारी होने वाले ड्रॉ से पहले कहा कि मुकाबला जिससे भी हो, टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देगी। एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के लिए पूल ड्रा आठ सितंबर को जारी होंगे, जो यह निर्धारित करेंगे कि पूल स्टेज में कौन सी टीम किसका सामना करेगी। हरमनप्रीत ने बुधवार को जारी बयान में कहा, हम विश्व कप के ड्रा पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। हमें मैच खेलना है और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है, चाहे हम किसी का भी सामना करें। हमें अपना खेल और अपनी ताकत दिखानी होगी और सकारात्मक परिणाम हासिल करने होंगे। हमें अपना ध्यान अपने लक्ष्य पर रखना है न कि उन चीजों पर जो हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। हरमनप्रीत ने 13 जनवरी 2023 को शुरू होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 की तैयारी में आगामी खेलों के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि टीम बेंगलुरु में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में मैच को बेहतर तरीके से समाप्त करने पर काम करेगी। उन्होंने कहा, हमारे पास हमारे अभ्यास सत्र होंगे, और हमारा प्राथमिक ध्यान हमेशा मैच समाप्त करने की क्षमता और खिलाड़ियों के बीच समन्वय और संयोजन में सुधार करने पर होगा। हम इस पर ध्यान केंद्रित करेंगे कि हम गेंद को डिफेंस से अटैक की ओर ले जाते हुए अपने समय में कैसे सुधार कर सकते हैं।

केजरीवाल ने पंघाल, गहलोत से की मुलाकात

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज़ अमित पंघाल और कांस्य पदक विजेता पहलवान पूजा गहलोत से बुधवार को मुलाकात करके उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाने के लिए बधाई दी। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली खेल विश्वविद्यालय दोनों एथलीटों से सहयोग लेगा ताकि नये खिलाड़ी भी उनके अनुभवों से लाभान्वित हो सकें। केजरीवाल ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा, आप दोनों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर पूरे देश को गौरवान्वित किया है। हमें आप जैसे एथलीटों पर गर्व है और हम भविष्य में भी आपकी अपार सफलता के लिए कामना करते हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने देशभर से प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रमोट करने लिए दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की है। यह स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी सिर्फ दिल्ली की ही नहीं है, बल्कि पूरे देश की है। हम एक विश्व स्तरीय खेल संस्थान विकसित करने के लिए देशभर के एथलीटों और विशेषज्ञों के अनुभवों को शामिल करेंगे। इस अवसर पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने पूजा गहलोत को उनके अनुरोध पर उनके जीते गए कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक को उन्हें पहनाकर सम्मानित भी किया।

जापान ओपन : श्रीकांत जीते, लक्ष्य, साइना बाहर

ओसाका। विश्व के पूर्व नंबर एक शटलर किदांबी श्रीकांत ने जापान ओपन में बुधवार को अपने अभियान की विजयी शुरुआत करते हुए पुरुष एकल के प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी, जबकि उनके हमवतन लक्ष्य सेन और साइना नेहवाल अपने-अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गये। श्रीकांत ने सुपर 750 टूर्नामेंट में ऑल इंग्लैंड चैंपियन मलेशिया के ली ज़ी जिया को 22-20, 23-21 के सीधे गेमों में हराकर दूसरे दौर में कदम रखा। अब शीर्ष-16 राउंड में उनका सामना जापान के कांता सुनेयामा से होगा। श्रीकांत ने जीत के बाद कहा, यह एक करीबी मैच था जो किसी भी तरफ जा सकता था, लेकिन मैं अपने खेल से खुश हूं। इतने बड़े मंच पर मैचों को सही तरह समाप्त करना जरूरी है, क्योंकि हर मैच मुश्किल होने वाला है। उन्होंने कहा, मैं पहले गेम में 16-12 से आगे चल रहा था, लेकिन बाद में आवश्यकता से ज्यादा पॉइंट देने के कारण 20-18 से पिछड़ गया। मैंने अपने आप को समझाया कि मुझे नियमित रहना है और आसानी से पॉइंट नहीं देने। मुझे जीतकर हमेशा खुशी होती है और अब मैं वापस जाकर सोचूंगा कि अपने अगले प्रतिद्वंदी को कैसे हराऊं। इसी बीच, राष्ट्रमंडल खेल 2022 के गोल्ड मेडलिस्ट लक्ष्य सेन जापान के केंटा निशिमोटो से 21-18, 14-21, 13-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये।

धीमी ओवर गति के लिये भारत, पाकिस्तान पर लगा जुर्माना

दुबई। भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीम पर एशिया कप 2022 में रविवार को खेले गये ग्रुप-ए मैच में धीमी ओवर गति के लिये जुर्माना लगाया गया है। रोहित शर्मा और बाबर आज़म की टीम ने निर्धारित समय में दो-दो ओवर कम डाले थे, जिसके बाद आईसीसी मैच रेफ़री जेफ़ क्रो ने दोनों टीमों पर उनकी मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाने का निर्णय लिया। उल्लेखनीय है कि आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक-कर्मी आचारसंहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, यदि एक टीम निर्धारित समय में एक ओवर कम डालती है, तो खिलाड़ियों पर 20 प्रतिशत मैच फीस जुर्माना लगाया जाता है। भारत और पाकिस्तान ने निर्धारित समय में दो-दो ओवर कम डाले इसलिये दोनों टीमों पर मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। दोनों कप्तानों ने अपना अपराध मानते हुए जुर्माना स्वीकार किया, जिसके बाद आधिकारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। यह आरोप मैदानी अंपायर मसूदुर रहमान और रुचिरा पिलियागुरुगे, तीसरे अंपायर रवींद्र विमलसिरी और चौथे अंपायर गाज़ी सोहेल ने लगाये थे।

कंगारू की गेंदबाजी के आगे ज़िम्बाब्वे ने घुटने टेके

टाउन्सविल। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एक दिवसीय मैच में बुधवार को मिचेल स्टार्क (तीन विकेट) और एडम ज़ैम्पा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ज़िम्बाब्वे को हराकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी ली और स्टार्क ने इनोसेंट काइया (02), तदिवनाशे मारुमानी (04) और वेस्ले माधेवेरे (शून्य) को आउट कर ज़िम्बाब्वे के ऊपरी क्रम की कमर तोड़ दी। शॉन विलियम्स ने 29(45) रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन ज़ैम्पा ने उनके साथ ल्यूक जॉन्वे (01) और ब्रैड इवान्स (02) का विकेट लेकर ज़िम्बाब्वे की पारी को 96 रन पर समेटा दिया। इसके अलावा सिकंदर रज़ा ने भी 37 गेंदों पर 17 रन की पारी खेली। स्टार्क और ज़ैम्पा के साथ-साथ कैमरन ग्रीन ने दो विकेट लिये, जबकि जॉश हेज़लवुड ने एक विकेट चटका। ऑस्ट्रेलिया ने 97 रन के लक्ष्य को महज 14.4 ओवर में हासिल कर लिया। आस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर (13) और आरोन फिंच (01) जल्दी आउट हो गये, लेकिन स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी की नाबाद 84 रन की साझेदारी की बदौलत कंगारुओं ने आठ विकेट से मैच जीत लिया।

नडाल, अल्काराज़ दूसरे दौर में

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन के चार बार के चैंपियन और दूसरी सीड राफ़ेल नडाल ने यूएस ओपन 2022 के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजीकाटा को मात दी। सिनसिनाटी ओपन के पहल दौर में हारकर बाहर हुए नडाल को इस मैच में अपनी लय हासिल करने में समय लगा, लेकिन उन्होंने हिजीकाटा को 4-6, 6-2, 6-3, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में कदम रखा। ऑस्ट्रेलियन ओपन और फ्रेंच ओपन खिताब जीत चुके नडाल के लिये यह साल अच्छा रहा है, हालांकि विंबलडन के सेमीफाइनल में चोटिल होकर बाहर होने कारण वह साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम जीतने से चूक गये थे। नडाल यूएस ओपन जीतने के मज़बूत दावेदार हैं क्योंकि उन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अपने पिछले 20 मैचों में से 19 में से जीत दर्ज की है। साथ ही वह इस साल एक भी ग्रैंड स्लैम मुकाबला नहीं हारे हैं। दूसरे दौर में नडाल का सामना इटली के फेबियो फोगनिनी से होगा। दूसरी ओर, नडाल के हमवतन कार्लोस अल्काराज़ ने उनके प्रतिद्वंदी अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज़ के चोटिल होने के बाद दूसरे दौर में कदम रखा।

करियर की सर्वश्रेष्ठ टी-20 रैंकिंग पर पहुंचे पांड्या

दुबई। भारत के विस्फोटक ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एशिया कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को शानदार प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी रैंकिंग में छलांग लगायी है।

आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी ताज़ा रैंकिंग के अनुसार ऑलराउंडर रैंकिंग में किक्रेट के कई धुरंधरों ने सुधार किया, परंतु पांड्या आठ पायदान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर आ गये हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

पांड्या इस समय 167 रेटिंग के साथ आईसीसी रैंकिंग में पांचवें पायदान पर हैं, जबकि अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी 257 रेटिंग के साथ पहले स्थान पर हैं।

पांड्या ने पाकिस्तान के खिलाफ गेंद से 25 रन के बदले तीन विकेट चटकाए, और बल्लेबाज़ी में 17 गेंदों पर 33 रन मार कर भारत को जीत दिलाते हुए यह साबित कर दिया कि आने वाले टी-20 विश्व कप अभियान में वह टीम के लिए कितने महत्वपूर्ण रहेंगे।

दूसरी ओर, एशिया कप में अफगानिस्तान की शानदार शुरुआत की बदौलत कई खिलाड़ियों की टी20 रैंकिंग में सुधार आया है।

राशिद खान (708 पॉइंट) गेंदबाजों की सूची में दो पायदान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर आ गये हैं, जबकि उनके हमवतन मुजीब उर रहमान (660) सात पायदान बढ़ते हुए नौंवे नंबर के टी20 गेंदबाज बन गये हैं।

यूएस ओपन : गत चैंपियन राडुकानु पहले दौर में हारीं

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन 2021 की चैंपियन और 11वीं सीड ब्रिटेन की एमा राडुकानु बड़े उलटफेर में फ्रांस की एलीज़े कॉर्नेट से पहले दौर में हारकर यूएस ओपन 2022 से बाहर हो गयी हैं। कॉर्नेट ने मंगलवार को राडुकानु को 6-3, 6-3 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में कदम रखा, जहां उनका सामना चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा से होगा। दूसरी ओर, अमेरिका की डेनियेल कॉलिन्स ने दो बार की चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका को पहले दौर में हराकर बाहर किया। कॉलिन्स ने पूर्व नंबर एक ओसाका को 7-6(5), 6-3 से मात दी। यह कॉलिन्स की ओसाका पर पहली जीत है, जबकि इससे पहले तीन बार उन्हें हार मिली है। कॉलिन्स अब अगले दौर में स्पेन की क्वालीफायर क्रिस्टीना बुक्सा का सामना करेंगी।

करो या मरो, मुकाबले में आमने-सामने बंगलादेश, श्रीलंका

दुबई। श्रीलंका और बंगलादेश एशिया कप 2022 में गुरुवार को करो या मरो मुकाबले में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

दोनों ही टीमों को ग्रुप-बी के अपने पहले मैच में अफगानिस्तान के हाथों हार मिली है। अफगानिस्तान दो जीतों के साथ इस समूह से सुपर-4 में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है, और अब श्रीलंका और बंगलादेश दूसरी टीम बनने की दावेदारी पेश करेंगी। श्रीलंका को जहां अपने पहले मैच में ऊपरी क्रम की बल्लेबाजी ने निराश किया था, वहीं बंगलादेश को डेथ ओवर में खराब गेंदबाजी के कारण हार मिली थी। श्रीलंकाई कप्तान दसुन शनाका दुबई की धीमी पिच पर टीम के स्पिन गेंदबाजों पर भरोसा करना चाहेंगे। ऐसे में वानिंदू हसरंगा का साथ देने के लिये प्रमोद जयविक्रमे और जेफ़री वैंडरसे में से कोई एक, या दोनों टीम में शामिल हो सकते हैं। हरफनमौला धनंजय डी सिल्वा भी श्रीलंका के एकादश में जगह बना सकते हैं। उनकी उपस्थिति मध्यक्रम में जान डालेगी, और उनकी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी बांग्लादेश के लिये संकट भी साबित हो सकती है। दूसरी ओर, बंगलादेश चाहेगी कि वह कप्तान शाकिब अल-हसन की वापसी पर अपनी पहली जीत दर्ज करे। इस मैच में सभी की नज़रें मोसद्देक हुसैन पर होंगी, जिन्होंने पहले मैच में 48 (31) रन की पारी खेलने के बाद 2.3 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर एक विकेट झटका था। इसके अलावा कप्तान शाकिब को युवा गेंदबाज मोहम्मद सैफुद्दीन से उम्मीदें होंगी, जिन्होंने अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी को आउट किया था।

अबू धाबी में खेला जाएगा महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का क्वालीफायर कार्यक्रम जारी किया।

अबू धाबी में होने वाले क्वालीफायर में आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें से सिर्फ दो टीमें ही अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले टी20 विश्व कप में जगह बना सकेंगी।

मेज़बान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 18 से 25 सितंबर तक चलने वाली प्रतियोगिता के पहले मैच में थाइलैंड का सामना करेगी। इसके अलावा ज़िम्बाब्वे, पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी), बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और अमेरिका भी टी20 महिला विश्व कप में जगह बनाने के लिये दावेदारी पेश करेंगे।

आईसीसी इवेंट्स के प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा, टी20 विश्व कप क्वालीफायर एक शानदार आयोजन होने जा रहा है, जिसमें आठ करीबी टीमें अगले साल दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में सिर्फ दो स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

महिलाओं के खेल में प्रतिस्पर्धा का स्तर पिछले चार वर्षों में काफी बढ़ गया है और अबू धाबी में प्रत्येक आईसीसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के साथ यह एक कठिन लड़ाई वाली घटना होगी। बांग्लादेश और थाईलैंड ने जहां पिछले टी20 विश्व कप में अंतिम दो टीमें होने के नाते क्वालीफायर में जगह बनायी है, वहीं अन्य छह टीमें स्थानीय क्वालीफायर जीतकर यहां पहुंची हैं।

हॉन्ग कॉन्ग को हराकर सुपर-4 में भारत

एजेंसी

दुबई। भारत ने सूर्यकुमार यादव (68 नाबाद) और विराट कोहली (59 नाबाद) की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत बुधवार को एशिया कप 2022 में हॉन्ग कॉन्ग को 40 रन से हराकर सुपर-4 में जगह बनायी।

भारत ने हॉन्ग कॉन्ग को 193 रन का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में हॉन्ग कॉन्ग 152 रन ही बना सकी। भारत के लिये मैच के स्टार सूर्यकुमार यादव रहे, जिन्होंने सिर्फ 26 गेंदों पर छह चौके और छह छक्के जड़ते हुए 68 रन बनाकर हॉन्ग कॉन्ग के छक्के छुड़ा दिये। इसके अलावा विराट कोहली ने भी 44 गेंदों पर 59 रन बनाकर छह महीने बाद पचास रन के आंकड़े को छुआ।

हॉन्ग कॉन्ग ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया। कप्तान रोहित शर्मा ने 21(13) रन बनाकर लोकेश राहुल के साथ पहले विकेट के लिये 38 रन की साझेदारी की। राहुल ने विकेट पर संघर्ष करते हुए 36(39) रन बनाये। 13वें ओवर में 94 रन पर राहुल का विकेट गिरने के

बाद कोहली और सूर्यकुमार ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिये 45 गेंदों पर 98 रन जोड़े। कोहली ने अपनी पारी में पावर-हिटिंग करते हुए तीन गगनचुंबी छक्के लगाये। दूसरी ओर, विस्फोटक बल्लेबाजी की पराकाष्ठा पर पहुंचे सूर्यकुमार ने 261.54 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने हारून अरशद के आखिरी ओवर में चार छक्के जड़ते हुए 26 रन बनाये और भारत ने अंतिम पांच ओवरों में 76 रन जोड़कर 20 ओवर में 192 रन बनाये।

हॉन्ग कॉन्ग ने 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान निज़ाकत खान (10) और यसिम मुर्तज़ा (09) का विकेट न्यून स्कोर पर गंवा दिया।

बाबर हयात ने 35 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की बदौलत 41 रन की जुझारू पारी खेली, जबकि किंचित शाह ने 30(28) रन बनाये।

ज़ीशान अली और स्कॉट मकैनी ने मिलकर आखिरी 17 गेंदों में 36 रन जोड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और हॉन्ग कॉन्ग 20 ओवर में 152 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जडेजा और आवेश खान ने एक-एक विकेट लिया। चार ओवर में 18 रन देने वाले युज़वेंद्र चहल को कोई विकेट हासिल नहीं हुआ, हालांकि आवेश (चार ओवर, 53 रन) और अर्शदीप (चार ओवर, 44 रन) महंगे साबित हुए।

कोहली ने भी इस मैच में एक ओवर डाला और मात्र छह रन दिये। इस जीत के साथ भारत ने सुपर-4 में जगह बना ली है, जहां उसका मुकाबला रविवार को पाकिस्तान या हॉन्ग कॉन्ग में से किसी एक से होगा।

अस्पताल में जगह ना मिलने से गर्भवती भारतीय महिला की मौत, पुर्तगाल की स्वास्थ्य मंत्री ने दे दिया इस्तीफा

एजेंसी

लिस्बन। पुर्तगाल में गर्भवती भारतीय महिला की अस्पताल में जगह ना मिलने की वजह से मौत हो गई। रिपोर्ट सामने आने के बाद यहां की स्वास्थ्य मंत्री मार्ता टेमिडो ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 34 साल की महिला की तब मौत हो गई जब उसे बेड ना मिलने की वजह से दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जा रहा था। 34 साल की महिला को राजधानी लिस्बन के एक अस्पातल में ले जाया गया था। मेटरनिटी वॉर्ड में जगह ना मिलने की वजह से उसे भर्ती नहीं किया जा सका और दूसरे अस्पताल शिफ्ट किया जाने लगा। रास्ते में ही कार्डियक अरेस्ट की वजह से उसकी मौत हो गई।

नैतिकता के आधार पर दिया इस्तीफा

पुर्तगाल के अस्पतालों में कर्मचारियों और डॉक्टरों की कमी के चलते ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। डॉ. मार्ता डेमिडो 2018 से ही स्वास्थ्य मंत्री थीं। कोरोना काल में स्थिति को संभालने के लिए उनकी काफी तारीफ की गई थी। मंगलवार को सरकार ने कहा, डॉ. टेमिडो को अहसास हो गया है कि ऐसी स्थिति में पद पर नहीं रहा जा सकता है।

स्टाफ की कमी से जूझ रहे अस्पताल

पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्ता ने कहा कि महिला की मौत से डॉ. टेमिडो का बहुद दुख पहुंचा था इसलिए उन्होंने इस्तीफा दे दिया। मेटेरनिटी वॉर्ड में स्टाफ की कमी को लेकर पुर्तगाल सरकार की काफी आलोचना भी हो रही है। इस समस्या के चलते कई जगहों पर वॉर्ड को बंद भी कर दिया गया है। वहीं कई बार प्रेग्नेंट महिलाओं को खतरे की स्थिति में भी एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल शिफ्ट करना पड़ता है।

महिला की मौत पर बचाई गई बच्चे की जान

स्थानीय मीडिया के मुताबिक भारतीय महिला को लिस्बन के सांता मारिया अस्पताल से शिफ्ट किया जा रहा था। यह राजधानी लिस्बन का सबसे बड़ा अस्पातल है। महिला को तो नहीं बचाया जा सका लेकिन इमर्जेंसी सर्जरी के जरिए बच्चे को बचा लिया गया है। बताया जा रहा है कि महिला का बच्चा स्वस्थ है। महिला की मौत को लेकर एक जांच कमिटी बनाई गई है।

हाल के महीने में पुर्तगाल में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। कुछ दिन पहले भी महिलाओं को अस्पताल ले जाते वक्त ही दो बच्चों की मौत हो गई थी।

पुर्तगाल के सामने डॉक्टरों की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है जिसके चलते विदेश से डॉक्टर हायर करने की योजना बनाई जा रही है। कुछ जगहों पर मेटेरनिटी वॉर्ड बंद होने की वजह से अस्पतालों में भीड़ और मारामारी देखने को मिल रही है। पुर्तगाल के डॉक्टर असोसिएशन का कहना है कि टेमिडो ने इसलिए इस्तीफा दिया क्योंकि उनके पास संकट से निकलने का कोई रास्ता नहीं था।

इंडोनेशिया में सड़क दुर्घटना में 11 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत के बेकासी कस्बे में बुधवार को सड़क दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। जकार्ता के पुलिस यातायात निदेशक, वरिष्ठ आयुक्त लतीफ उस्मान ने कहा कि घटना एक प्राथमिक विद्यालय के पास एक उस वक्त हुई, जब विद्यालय की छुट्टी के बाद कई विद्यार्थी जा रहे थे। उसी दौरान एक ट्रक, बस स्टॉप के पास एक बेस ट्रांसीवर स्टेशन के पोल से टकरा गया, जिसकी चपेट में एक कार और दो मोटरसाइकिल भी आ गईं। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। जकार्ता के खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रवक्ता रामली प्रसेत्यो ने कहा कि हताहतों में कई छात्र भी शामिल हैं। सभी घायलों को पास के अस्पतालों में ले जाया गया है।

चीन-जापान के लिए खतरे की घंटी, 257 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा सबसे शक्तिशाली तूफान

एजेंसी

बीजिंग। दुनिया के ऊपर इस साल के सबसे ताकतवर तूफान का खतरा मंडरा रहा है। 2022 का सबसे मजबूत वैश्विक तूफान पूर्वी चीन सागर के पार से उठा है और यह जापान के दक्षिणी द्वीपों को अपनी चपेट में ले सकता है। खतरा केवल जापान तक ही सीमित नहीं बल्कि में इस बवंडर से चीन के पूर्वी तट भी खतरे में हैं। इस तूफान का नाम हिनामनोर बताया जा रहा है। यूएस ज्वाइंट टाइफून वार्निंग सेंटर के अनुसार, सुपर टाइफून हिनामनोर वर्तमान में लगभग 160 मील (257 किलोमीटर) प्रति घंटे की लगातार हवाओं से आगे की ओर बढ़ रहा है। इसकी अधिकतम रफ्तार 195 मील प्रति घंटे से अधिक हो सकती है। तूफान कितना खतरनाक है इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि लहरों की ऊंचाई 50 फीट (15 मीटर) तक मापी गई है।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के एक अधिकारी के अनुसार, अभी तक दर्ज की गई अधिकतम निरंतर हवा की रफ्तार के आधार पर हिनामनोर 2022 का सबसे मजबूत तूफान होगा। हॉन्ग कॉन्ग ऑब्जर्वेटरी ने कहा कि सुबह 10 बजे तूफान जापान के ओकिनावा से लगभग 230 किलोमीटर पूर्व में केंद्रित था और इसके पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर लगभग 22 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से रयूकू द्वीप की ओर बढ़ने का अनुमान है।

हालांकि यूएस जेटीडब्ल्यूसी ने भविष्यवाणी की है कि आने वाले दिनों में सुपर टाइफून अपनी कुछ ताकत खो देगा। इसने कहा कि अटलांटिक महासागर में चीजें कुछ हद तक शांत हैं। दरअसल अफ्रीका और कैरिबियन (अटलांटिक महासागर) के बीच के क्षेत्र को तूफान गली के रूप में जाना जाता है। लेकिन यह इस अगस्त सबसे ज्यादा शांत क्षेत्र रहा।

जबकि यह आमतौर पर तूफान के मौसम के सबसे सक्रिय फेस की शुरुआत होती है। हालांकि 25 वर्षों में इस बार यह क्षेत्र सबसे शांत है।

मौसमी तूफान पूर्वानुमान के प्रमुख लेखक फिल क्लॉट्जबैक ने बताया कि सात दशकों से अधिक समय में केवल दो बार ही अगस्त में तूफान आया है। पहला तूफान 1961 में और दूसरा 1997 में, लेकिन इन दोनों में उतनी तेजी नहीं थी जितनी इस बार के तूफान में है।

रूस ने यूरोप के लिए फिर बंद की प्रमुख गैस पाइपलाइन

बर्लिन। रूस ने मरम्मत का हवाला देते हुए यूरोप को गैस आपूर्ति करने वाली अपनी प्रमुख गैस पाइपलाइन 'नॉर्ड स्ट्रीम-1' को पूरी तरह से बंद कर दिया है। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू करने बाद यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस ने यह कदम युद्ध के 189 दिनों के बाद उठाया है। रूस में सरकारी स्वामित्व वाली ऊर्जा दिग्गज 'गज़प्रोम' ने कहा कि नॉर्ड स्ट्रीम-1 पाइपलाइन अगले तीन दिनों तक बंद रहेगी। रूस ने पहले ही पाइपलाइन के माध्यम से गैस निर्यात में काफी हद तक कम कर दी है, लेकिन यह यूक्रेन के आक्रमण पर प्रतिबंध लगाने के लिए पश्चिमी देशों को दंडित करने के तरीके के रूप में ऊर्जा आपूर्ति का उपयोग करने के आरोपों को खारिज करता है। नॉर्ड स्ट्रीम 1 पाइपलाइन सेंट पीटर्सबर्ग के पास रूसी तट से उत्तर-पूर्वी जर्मनी तक बाल्टिक सागर के नीचे 1200 किमी तक फैली हुई है। यह 2011 में शुरु की गयी थी और इस पाइपलाइन के जरिए रूस से जर्मनी को प्रतिदिन अधिकतम 17 करोड़ घन मीटर गैस भेजी जाती है। रूस के मुताबिक जुलाई में पाइपलाइन को मरम्मत के लिए फिर से दस दिनों के लिए बंद कर दिया गया था। इसी तरह रूस दोषपूर्ण उपकरणों का कारण हाल में केवल 20 प्रतिशत क्षमता पाइपलाइन को ऑपरेट कर रहा है। यूरोपीय नेताओं को इस बात की आशंका है कि रूस गैस की कीमतों को बढ़ाने के प्रयास में पाइपलाइन को बंद रखने की सीमा को आगे बढ़ा सकता है। फ्रांसीसी ऊर्जा प्रसारण मंत्री एग्नेस पैनियर-रनचर ने मंगलवार को रूस पर युद्ध के हथियार के रूप में गैस का उपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह बात उस समय कही जब 'गज़प्रोम' ने कहा कि वह फ्रांसीसी ऊर्जा कंपनी एंजी को गैस वितरण को रोक देगा।

गुटेरेस पाकिस्तान में बाढ़ विभीषिका का लेंगे जायजा

संयुक्त राष्ट्र/इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस पाकिस्तान और वहां के बाढ़ पीड़ितों से एकजुटता जाहिर करने के साथ-साथ बाढ़ की विभीषिका का जायजा लेने के लिए अगले सप्ताह इस्लामाबाद पहुंचेंगे। गुटेरेस आगामी शुक्रवार यानी नौ सितंबर को इस्लामाबाद पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद वह इस अभूतपूर्व जलवायु आपदा से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा करेंगे। संरा महासचिव विस्थापित परिवारों से भी मिलेंगे और यह भी देखेंगे कि वह अपने मानवीय सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार के राहत प्रयासों का समर्थन करने और लाखों लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए कैसे काम कर रहे हैं। श्री गुटेरेस के 11 सितंबर को न्यूयॉर्क लौटने की उम्मीद है। इस बीच, श्री गुटेरेस ने अपने वीडियो संदेश में कहा, पाकिस्तान दुख में डूबा हुआ है। पाकिस्तानी लोग स्टेरॉयड पर मानसून का सामना कर रहे हैं- बारिश और बाढ़ के युगों के स्तर का अथक प्रभाव। इस जलवायु आपदा ने 1,000 से अधिक लोगों की जान ले ली है जबकि कई अन्य घायल हो गए हैं।

जापान दैनिक पर्यटकों की आगमन प्रवेश सीमा बढ़ाकर 50,000 करेगा

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बुधवार को कहा कि देश में पर्यटकों की दैनिक आगमन सीमा सात सितंबर को 20,000 से बढ़ाकर 50,000 की जाएगी। श्री किशिदा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जापान आने वाले पर्यटकों को अब टूर गाइड के साथ पैकेज टूर पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जैसा कि देश कोविड-19 संक्रमण की सातवीं लहर की चपेट में होने के बावजूद, अपने सीमा नियंत्रण को और आसान बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों को आकर्षित होते हुए देखा है। हम इस प्रवृत्ति में शामिल होने और कमजोर येन के लाभों को सुनिश्चित करने के लिए सात सितंबर से नए पर्यटकों के आगमन की दैनिक सीमा बढ़ाकर 50,000 कर रहे हैं। जापान के कोविड -19 सीमा नियंत्रण में नवीनतम ढील 24 अगस्त को सरकार के आदेश के बाद दी गयी थी। जापान आने वाले पर्यटकों को तीन टीकाकरण खुराक लेने पर प्रस्थान से पहले कोविड -19 परीक्षण के लिए छूट दी जाएगी। सरकार ने कहा कि यह सात सितंबर से लागू होंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। वाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

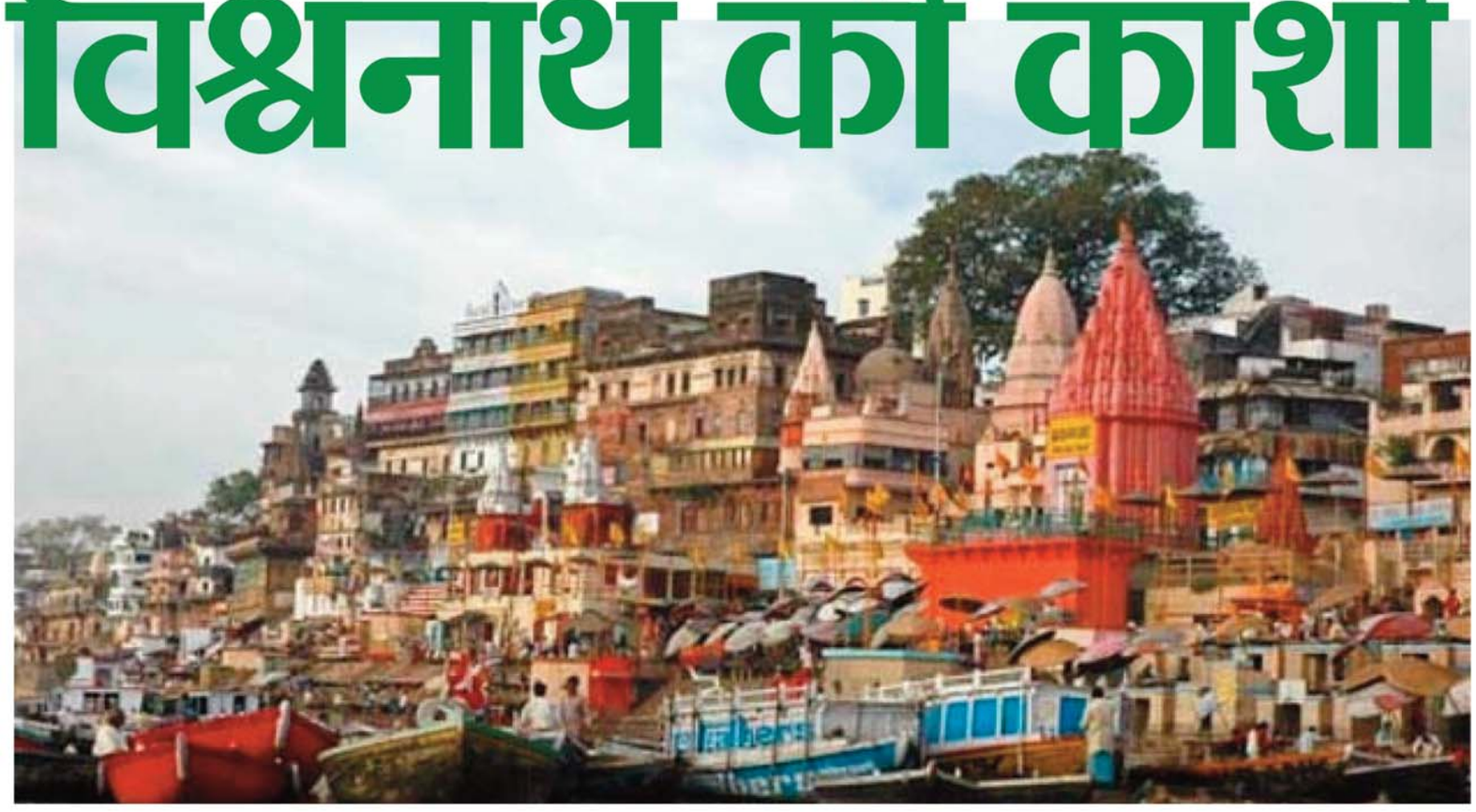

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दशमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्राट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

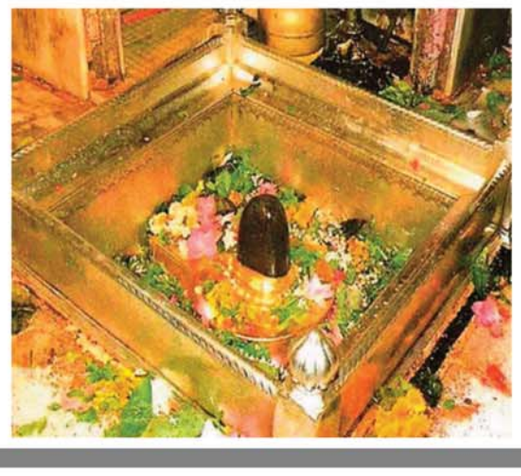

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।